संस्थापक : स्व. श्री वीर विक्रम आदित्य

हिन्द जनपथ

स्थापना वर्ष : 2002

पंचकूला
बुधवार
12 नवंबर, 2025
वर्ष:24 अंक: 139
कुल पृष्ठ:08
मूल्य : 1 रुपया

खबरें छापते हैं छुपाते नहीं | दैनिक प्रभात संस्करण हरियाणा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड एवं उत्तर प्रदेश से एक साथ प्रकाशित। | www.hindjanpath.com

हरियाणा के राज्यपाल प्रोफेसर असीम कुमार घोष ने जिलास्तरीय गली क्रिकेट टूर्नामेंट के पुरस्कार वितरण समारोह में मुख्यअतिथि के रूप में की शिरकत

मोटी-मोटी बातें

पाकिस्तान: इस्लामाबाद अदालत के बाहर आत्मघाती हमला, 12 की मौत

इस्लामाबाद- पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में मंगलवार को जिला एवं सत्र अदालत के बाहर आत्मघाती धमाके में 12 लोगों की मौत हो गई और कई घायल हो गए। 'डॉन' अखबार के अनुसार, धमाका जी-11 क्षेत्र में उस समय हुआ जब अदालत परिसर के बाहर लोग मौजूद थे।

धमाका इतना जोरदार था कि आसपास की इमारतों और वाहनों को नुकसान पहुंचा। मौके पर पुलिस, रेंजर और बम निरोधक दस्ते पहुंच गए हैं। घायलों को पास के अस्पतालों में भर्ती कराया गया है।

अधिकारियों ने बताया कि मृतकों में दो पुलिसकर्मी भी शामिल हैं। किसी संगठन ने अब तक इस हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है। पाकिस्तान सरकार ने हमले की जांच के आदेश दे दिए हैं।

लाल किला विस्फोट की साजिश रचने वालों को बख्शा नहीं जाएगा: मोदी

थिंपू (भूटान)- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि राजधानी दिल्ली में लाल किले के पास सोमवार देर शाम हुए विस्फोट की साजिश रचने वाले और इसके लिए जिम्मेदार लोगों को बख्शा नहीं जाएगा।

भूटान की दो दिवसीय यात्रा पर आये श्री मोदी ने ग्लोबल पीस फेस्टिवल में अपने संबोधन की शुरुआत करते हुए विस्फोट में मारे गए लोगों के परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की और कहा कि संकट की इस घड़ी में पूरा देश पीड़ित परिवारों के साथ खड़ा है।

उन्होंने कहा कि इस भयानक विस्फोट की साजिश रचने और इसके लिए जिम्मेदार लोगों को बख्शा नहीं जाएगा।

प्रधानमंत्री ने कहा, 'आज मैं बहुत भारी मन से यहां आया हूं। कल शाम दिल्ली में जो भयानक घटना हुई, उससे सभी बहुत दुखी हैं। मैं पीड़ित परिवारों का दुख समझता हूँ। आज पूरा देश उनके साथ खड़ा है। मैं कल रात भर इस घटना की जांच कर रही सभी एजेंसियों के संपर्क में था। हमारी एजेंसियां इस साजिश की तह तक जाएंगी। इसके पीछे जो भी साजिश करने वाले हैं, उन्हें बख्शा नहीं जाएगा। जो भी इसके लिए जिम्मेदार हैं, उन सभी को सजा मिलेगी।'

उल्लेखनीय है कि सोमवार शाम लाल किले के करीब एक कार में हुए इस विस्फोट में नौ लोग मारे गए और करीब 20 घायल हुए हैं।

तरन तारन उपचुनाव में लगभग 60.95 प्रतिशत मतदान दर्ज : सिबिन सी

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। पंजाब के मुख्य निर्वाचन अधिकारी सिबिन सी ने बताया कि विधानसभा क्षेत्र तरन तारन के उपचुनाव में शाम 6 बजे तक लगभग 60.95 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया।

उन्होंने कहा कि मतदान प्रतिशत के सटीक आंकड़े कल सुबह तक ही जारी किए जा सकेंगे, जब तक सभी पोलिंग पार्टियाँ कलेक्शन सेंटर्स पर वापस नहीं पहुँच जातीं और अंतिम डेटा प्रविष्ट नहीं हो जाता।

सिबिन सी ने लोकतांत्रिक अधिकार का सुसंगत और शांतिपूर्ण प्रयोग करने के लिए मतदाताओं का आभार व्यक्त किया।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने चुनाव प्रक्रिया के सुचारू संचालन और पूर्ण निगरानी सुनिश्चित करने में उपायुक्त एवं जिला निर्वाचन अधिकारी और रिटर्निंग अधिकारी के प्रयासों की सराहना की।

उन्होंने मतदान केंद्रों पर सुरक्षित माहौल बनाए रखने और चुनाव प्रक्रिया को शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न करवाने के लिए पंजाब पुलिस के अधिकारियों/कर्मचारियों, केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों, मतदान अधिकारियों, स्वयंसेवकों और चुनाव प्रक्रिया में शामिल सभी व्यक्तियों की मेहनत और समर्पण की भी प्रशंसा की। सिबिन सी ने आगे कहा कि राजनीतिक दलों और उम्मीदवारों द्वारा दिए गए सहयोग के लिए भी वे आभारी हैं। इसके साथ ही उन्होंने मीडिया कर्मियों का भी धन्यवाद किया, जिन्होंने चुनाव के दौरान सकारात्मक और रचनात्मक भूमिका निभाई।

'युद्ध नशों विरुद्ध' के 255वें दिन पंजाब पुलिस ने 1.4 किलोग्राम हेरोइन और 1.5 लाख रुपये की ड्रग मनी सहित 102 नशा तस्करों को किया गिरफ्तार

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के निर्देशों पर नशामुक्त पंजाब बनाने के लिए चलाए जा रहे "युद्ध नशों विरुद्ध" अभियान के 255वें दिन पंजाब पुलिस ने आज राज्यभर में 311 स्थानों पर छापेमारी की। इन कार्रवाइयों के दौरान 68 एफआईआर दर्ज कर 102 नशा तस्करों को गिरफ्तार किया गया। इसके साथ ही, पिछले 255 दिनों में अब तक गिरफ्तार किए गए नशा तस्करों की कुल संख्या 36,186 तक पहुँच गई है।

इन छापों के परिणामस्वरूप गिरफ्तार किए गए नशा तस्करों के कब्जे से 1.4 किलोग्राम हेरोइन, 1.4 किलोग्राम अफीम, 828 नशीली गोलियाँ और 1.52 लाख रुपये की ड्रग मनी बरामद की गई है। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने पुलिस कमिश्नरों, डिप्टी कमिश्नरों और एस.एस.पी. को पंजाब को नशामुक्त राज्य बनाने के निर्देश दिए हैं।

एग्जिट पोल्स - 145 से 160 सीटों के साथ बिहार में NDA सरकार:महागठबंधन को 73 से 91; JDU की 59-68 सीटों के साथ वापसी

पटना- बिहार विधानसभा चुनाव के दूसरे और अंतिम चरण की वोटिंग संपन्न हो गई औ अब मतगणना 14 नवंबर को होगी. लेकिन, इसके पहले कई एजेंसियों के एग्जिट पोल्स ने राजनीतिक हलचल मचा दी है. सभी प्रमुख एग्जिट पोल्स में राष्ट्रीय लोकतांत्रिक गठबंधन (NDA) को स्पष्ट बहुमत मिलने का अनुमान है. खास बात यह है कि सात प्रमुख एजेंसियों के एग्जिट पोल्स में एक चौंकाने वाली समानता नजर आ रही है. NDA को 133 से 167 सीटें मिलने का पूर्वानुमान. यह अनुमान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के चुनाव पूर्व दावे से लगभग मेल खाता है.

बता दें कि बीते 4 नवंबर को इंडिया टुडे टीवी को दिए एक विशेष साक्षात्कार में अमित शाह ने कहा था, स्थिति बहुत अच्छी है. हम आरामदायक स्थिति में हैं. बिहार में हमें 160 से अधिक सीटें मिलेंगी. उन्होंने आगे कहा, यह 160 से ऊपर भी हो सकता है, शायद 180 तक.

अमित शाह ने नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री बरकरार रखने का भी ऐलान किया था. अब एग्जिट पोल्स ने उनके इस दावे को पुष्टि दे दी है. अधिकांश पोल्स में NDA का निचला अनुमान 133 है, लेकिन ऊपरी सीमा 160-167 तक जाती है जो अमित शाह की भविष्यवाणी से मेल खाती है.बता दें बिहार की 243 सीटों वाली विधानसभा में बहुमत के लिए 122 सीटें चाहिए और सभी पोल्स में NDA को इससे कहीं ज्यादा सीटें मिलने का अनुमान है. अब आइये नजर डालते हैं किस सर्वे एजेंसी ने कितनी सीटें एनडीए और महागठबंधन को दी हैं.

दैनिक भास्कर के एग्जिट पोल ने NDA को सबसे मजबूत स्थिति में दिखाया है। इसमें गठबंधन को 145-160 सीटें मिलने का अनुमान है, जो अमित शाह के 160+ दावे के करीब है। महागठबंधन को 73-91 सीटें मिलने का पूर्वानुमान है। पार्टीवार ब्रेकअप में BJP को 72-82, JD(U) को 59-68, LJP को 4-5 और HAM को 5-5 सीटें। महागठबंधन में RJD को 51-63, कांग्रेस को 12-15, CPI(ML) को 6-9, CPI को 2, CPM को 1, VIP को 0 और अन्य को 0-1 सीटें। अन्य दलों को कुल 5-10 सीटें। यह पोल ग्रामीण और शहरी दोनों इलाकों में NDA की बढ़त को रेखांकित करता है।

MATRIZE-IANS के एग्जिट पोल ने वोट शेयर के आधार पर NDA को 48% वोट मिलने का अनुमान लगाया, जबकि महागठबंधन को 37% और अन्य को 15%। सीटों के लिहाज से NDA को 147-167 सीटें, जो शाह के दावे को पार कर जाती है। महागठबंधन को 70-90 सीटें। यह पोल युवा वोटरों और महिलाओं के बीच NDA की लोकप्रियता को महत्वपूर्ण मानता है। विशेषज्ञों के अनुसार, यह अनुमान पहले चरण की 65% वोटिंग के बाद आया, जहां NDA ने सीमांचल और मगध क्षेत्र में मजबूत प्रदर्शन किया।

DV रिसर्च का एग्जिट पोल भी NDA की सत्ता वापसी की कहानी बयां करता है. इसमें गठबंधन को 137-152 सीटें मिलने का अनुमान है, जो बहुमत से ऊपर है. महागठबंधन को 83-98, जनसुराज को 2-4 और AIMIM को 0-2 सीटें. यह पोल बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में NDA के राहत कार्यों को क्रेडिट देता है. अमित शाह के दावे से यह थोड़ा नीचे है, लेकिन समग्र बहुमत देता है.

Peoples Pulse के अनुसार, NDA को 133-159 सीटें मिलने का अनुमान है जो शाह की भविष्यवाणी के दायरे में आता है. महागठबंधन को 75-101 और JSP को 0-5 सीटें मिलने का अनुमान है और अन्य को 2-8 सीट मिल सकती है. यह पोल दलित और EBC वोटरों के ध्रुवीकरण को NDA के पक्ष में बताता है. पहले चरण के बाद जारी इस पोल ने NDA की लहर को मजबूत बताया. पीपल्स इंसाइट ने NDA को 133-148 सीटें दीं, जबकि महागठबंधन को 87-102। जनसुराज को 0-2 और अन्य को 3-6. यह अनुमान शहरी मतदाताओं के बीच NDA की बढ़त पर आधारित है. अमित शाह ने चुनाव प्रचार के दौरान पटना में कहा था कि विकास की लहर 160 पार ले जाएगी और यह पोल उसी दिशा में इशारा करता है. JVC एग्जिट पोल में NDA को 135-150 सीटें मिलने का अनुमान है जो बंपर बहुमत का संकेत देता है. महागठबंधन को 88-103 और अन्य को 3-6 सीटें मिल सकती हैं।

- **इस पहलकदमी का उद्देश्य लोगों की पवित्र स्थानों पर माथा टेकने की इच्छा को पूरा करना**
- **प्रदेश कांग्रेस प्रमुख अपना मानसिक संतुलन खो चुके हैं, इसलिए गैर-जिम्मेदाराना बयानबाजी कर रहे**

केंद्रीय गृह मंत्रालय ने की कार्रवाई तेज, NIA करेगी आतंकवाद से जुड़े पहलुओं की जांच

नई दिल्ली: केंद्रीय गृह मंत्रालय (एमएचए) ने लाल किले के पास हुए विस्फोट की जांच मंगलवार को राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) को सौंप दी। इससे स्पष्ट संकेत मिलता है कि इस विस्फोट को सरकार आतंकवादी कृत्य मान रही है, क्योंकि एनआईए को केवल आतंकवादी मामलों की जांच करने का अधिकार है। विस्फोट में अब तक 12 लोगों की मौत हो चुकी है।

एक सूत्र ने कहा कि विस्फोट मामले की जांच का जिम्मा एनआईए को सौंप दिया गया है। इससे कुछ घंटे पहले केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने विस्फोट के बाद राष्ट्रीय राजधानी और देश के अन्य हिस्सों में सुरक्षा स्थिति की समीक्षा की। शाह ने मंगलवार शाम में एक और सुरक्षा समीक्षा बैठक बुलाई है।

गृह मंत्री ने कहा है कि शीर्ष जांच एजेंसियां विस्फोट के मामले की जांच कर रही हैं और वे घटना की गहराई में जाएंगी। अधिकारियों ने बताया कि सोमवार शाम लाल किला मेट्रो स्टेशन के पास एक ट्रैफिक सिग्नल पर धीमी गति से चल रही कार में विस्फोट हुआ, जिसमें कम से कम 12 लोगों की मौत हो गई और कई वाहन जलकर खाक हो गए।

शाह ने विस्फोट वाली कार से एकत्र मानव अंगों के नमूनों का मिलान करने का दिया निर्देश

नई दिल्ली: केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने फोरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला को लाल किले के पास विस्फोट में शामिल कार से एकत्र किए गए मानव अंग के नमूनों का मिलान करने का निर्देश मंगलवार को दिया। सूत्रों ने यह जानकारी दी।

सूत्रों के मुताबिक गृहमंत्री ने एफएसएल को दिल्ली विस्फोट स्थल से एकत्र किए गए नमूनों का मिलान, जांच करने और घटना का विवरण जल्द से जल्द प्रस्तुत करने का भी निर्देश दिया। शाह ने ये निर्देश उनकी अध्यक्षता में हुई दूसरी सुरक्षा समीक्षा बैठक के बाद दिए।

ऑपरेशन ट्रैकडाउन में हरियाणा पुलिस की बड़ी सफलता

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा पुलिस के ऑपरेशन ट्रैकडाउन अभियान के तहत अपराधियों के विरुद्ध चल रही सघन कार्रवाई में आज एक और महत्वपूर्ण सफलता मिली है। विशेष कार्य बल (STF) गुरुग्राम की टीम ने रोहित गोदारा गैंग के दो सक्रिय सदस्यों — नरेश कुमार और संजय उर्फ संजीव, दोनों निवासी गांव सैदपुर, जिला नारनौल — को गिरफ्तार किया है। दोनों आरोपी पिछले 11 महीनों से पुलिस गिरफ्त से फरार थे और उन पर 5,000-5,000 का इनाम घोषित था।

वारदात की पृष्ठभूमि

दिनांक 5 दिसम्बर 2024 को माननीय अदालत नारनौल परिसर में इन दोनों आरोपियों ने विरोधी गैंग के सदस्य अमित पुत्र सत्यपाल निवासी सुराणी, जिला महेन्द्रगढ़ पर जानलेवा हमला किया था। वारदात के बाद आरोपी लगातार स्थान बदलते रहे और गिरफ्तारी से बचते रहे।

खुफिया निगरानी और सतत कार्रवाई का परिणाम

वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में एस.टी.एफ. गुरुग्राम की टीम ने तकनीकी निगरानी और खुफिया सूचनाओं के आधार पर लगातार ट्रैकिंग करते हुए दिनांक 9 नवम्बर 2025 को दोनों आरोपियों को सफलतापूर्वक काबू किया। इसके बाद उन्हें आगामी कानूनी कार्यवाही हेतु एस.टी.एफ. इकाई बहादुरगढ़ के हवाले कर दिया गया।

आरोपियों का आपराधिक इतिहास

आरोपी संजय उर्फ संजीव के विरुद्ध लगभग दस तथा आरोपी नरेश कुमार के विरुद्ध चार आपराधिक मामले दर्ज हैं। दोनों के खिलाफ संगठित अपराध, हत्या के प्रयास और अवैध हथियार रखने जैसे गंभीर अपराधों के मामले लंबित हैं। इस प्रकरण में थाना शहर नारनौल, जिला महेंद्रगढ़ में एफ.आई.आर. संख्या 544/2024, धारा 109(1), 126, 191(2), 191(3), 61 बी.एन.एस. के अंतर्गत मुकदमा दर्ज है।

श्री गुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहीदी पर्व को समर्पित प्रकाश एवं ध्वनि शो ने मोहालीवासियों को भक्ति और श्रद्धा से भर दिया

मनीष सिसोदिया, कुलवंत सिंह मोहाली और कुलजीत सिंह रंधावा भी पहुँचे

हिन्द जनपथ

साहिबज़ादा अजीत सिंह नगर (ब्यूरो)। हिंद दी चादर श्री गुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहीदी पर्व के उपलक्ष्य में आयोजित समारोहों के अंतर्गत, पर्यटन एवं सांस्कृतिक कार्य विभाग, पंजाब सरकार द्वारा मंगलवार शाम मोहाली में 'हिंद दी चादर' नाम से एक प्रभावशाली और श्रद्धापूर्ण प्रकाश एवं ध्वनि शो का आयोजन किया गया। गुरु साहिब के जीवन, दर्शन और सर्वोच्च बलिदान पर आधारित इस भव्य प्रदर्शन ने दर्शकों को आध्यात्मिक भावनाओं और गहरे सम्मान से भर दिया।

इस शो में श्री गुरु तेग बहादुर जी द्वारा सत्य, न्याय और मानवाधिकारों के लिए उठाई गई आवाज़ को दर्शाया गया। गुरु साहिब के भक्त सिख भाई मति दास जी, भाई सती दास जी और भाई दयाला जी, जिन्होंने 350 वर्ष पूर्व दिल्ली के चांदनी चौक में शहादत प्राप्त की थी, की शहादत को भावपूर्ण ढंग से प्रस्तुत किया गया। गुरु जी के जीवन से संबंधित इस गाथा ने प्रकाश और ध्वनि के अद्वितीय संयोजन के माध्यम से एक आध्यात्मिक अनुभव का सृजन किया।

इस कार्यक्रम में श्री गुरु तेग बहादुर जी की संपूर्ण जीवन गाथा - आध्यात्मिक ज्ञान से लेकर अद्वितीय बलिदान तक - को दर्शाया गया, जिसकी परिणति अंततः श्री गुरु गोबिंद सिंह जी द्वारा खालसा पंथ की स्थापना में हुई। जिससे खालसा पंथ ने साहस, विश्वास और धर्म के शाश्वत संदेश को आगे बढ़ाया।

इस कार्यक्रम में भाई राजबीर सिंह के नेतृत्व में कविश्री जत्थे ने शहीदी वार का पाठ किया, जबकि पूरा मैदान 'धन गुरु तेग बहादुर जी' के जयकारों से गूंज उठा। पूरी रात वातावरण भक्ति और आध्यात्मिक उत्साह से ओतप्रोत रहा।

मुख्यमंत्री श्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में पंजाब सरकार, श्री गुरु तेग बहादुर जी का 350वां शहीदी पर्व राज्य स्तर पर श्रद्धा और भव्यता के साथ मना रही है।

युवा नशे से दूर रहकर अनुशासन के साथ राष्ट्रनिर्माण में बनता है भागीदार- मुख्यमंत्री

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि खेल ही वह शक्ति है जो युवाओं की ऊर्जा को सकारात्मक दिशा देती है। जब युवा मैदान में दौड़ता है, तो वह नशे से दूर रहते हुए, अनुशासन के साथ राष्ट्र निर्माण में भागीदार बनता है।

मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह आज नारायणगढ (अम्बाला) के बड़ागढ में हरियाणा स्टेट चैम्पियनशिप -2025 के उदघाटन अवसर पर खिलाड़ियों को सम्बोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने इस स्टेडियम में 16 करोड़ 71 लाख रुपये की लागत से बनने वाले हॉकी एस्ट्रोटर्फ मैदान और फोरलेन सिंथेटिक एथलेटिक ट्रैक का शिलान्यास भी किया। मुख्यमंत्री ने अक्तूबर में आयोजित एशियन गेम्स में रजत पदक जीतने वाली बॉक्सर हरनूर कौर को सम्मानित किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने ठीक ही कहा है-मैदान में जो खिलाड़ी अपना सर्वश्रेष्ठ देता है, वही जीवन में भी सदैव सबसे आगे बढ़ता है। उन्होने कहा कि हरियाणा के खिलाड़ियों ने प्रधानमंत्री जी की इस बात को अपने जीवन में लागू करके दिखाया है। हमारी धरती सदियों से वीरों, खिलाड़ियों और कर्मयोगियों की भूमि रही है। ओलंपिक, एशियाई खेल, राष्ट्रमंडल खेल या राष्ट्रीय चेम्पियनशिप, हर जगह हरियाणा

के बेटे-बेटियों ने देश का नाम रोशन किया है। इसके लिए प्रदेश के खिलाड़ी बधाई के पात्र हैं।

श्री नायब सिंह सैनी कहा कि बड़ागढ़ की इस पवित्र धरती पर आकर मुझे बड़े उत्साह और उमंग का अनुभव हो रहा है। इसमें प्रदेश के 4 हजार से अधिक ऊर्जावान युवाओं का दल शामिल है। जहां तक नजर डालो, वहां हर चेहरा उमंग से दमक रहा है और हर दिल में एक ही संकल्प धड़क रहा है कि जो मैदान में उतरेंगे तो जीतकर ही लौटेंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मैदान में गूंजे युवा पुकार, जीत का रखो सदा विचार, हार से सीखो हिम्मत ना हारो, नई उड़ान भरो सपनों को संवारों। इस चेम्पियनशिप से खिलाड़ी अपने खेल स्तर को और अधिक उंचा उठाने में सफल रहेंगे। उन्होंने कहा कि यह चेम्पियनशिप ऐसे समय में हो रही है, जब हम गत 1 नवम्बर से ''हिंद की चादर'' नौंवी पातशाह श्री गुरु तेग बहादुर जी का 350वां शहीदी वर्ष मना रहे हैं। श्री गुरु तेग बहादुर जी ने देश व धर्म की रक्षा के लिए अपने जीवन की कुर्बानी दी, और अन्याय, धार्मिक कट्टरता और अत्याचार के विरुद्ध अपनी आवाज बुलंद की। उन्होंने कहा कि श्री गुरू तेग बहादुर जी को अपना शीश कटवाना मंजूर था, लेकिन वे अपने धर्म से विचलित नहीं हुए। उनके बलिदान, त्याग और सिद्धांतों से आप युवाओं को प्रेरित करने के लिए प्रदेशभर में उनका शहीदी वर्ष मनाया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस ट्रैक के बनने से हमारे युवाओं के सपनों को एक नई उड़ान मिलेगी। साथ ही, यह आधुनिक हॉकी एस्ट्रोटर्फ मैदान हरियाणा को स्पोर्ट्स पावर ऑफ इंडिया बनाने में कारगर कदम सिद्ध होगा। उन्होंने कहा कि शाहबाद में स्थित हॉकी अकेडमी में बने एस्ट्रोटर्फ मैदान से रानी रामपाल व सविता पूनिया जैसी खिलाड़ियों ने देश का नेतृत्व किया है, उसी प्रकार यहां से भी निकलने वाले खिलाड़ी देश-विदेश में नाम कमाएंगे। यह स्टेडियम भी शाहबाद की तरह हॉकी की नर्सरी कहलाएगा।

श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि इस फोर लेन सिंथेटिक एथलेटिक ट्रैक के निर्माण से एथलेटिक्स जैसे मूलभूत खेलों को भी नई दिशा मिलेगी। हर खेल की शुरुआत दौड़ से होती है, और जब दौड़ की शुरुआत आधुनिक ट्रैक से होगी, तो उसके परिणाम भी विश्वस्तरीय होंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार ने खेल सुविधाएं पूरे राज्य में विकसित करने का बीड़ा उठाया हुआ है। इसके लिए खेल विभाग का बजट भी दोगुणे से ज्यादा किया गया है। इस वित्त वर्ष के बजट में खेलों के लिए 589 करोड़ 69 लाख रुपये का प्रावधान किया गया है।

उन्होंने कहा कि वर्तमान में राज्य में 3 राज्य स्तरीय खेल परिसर, 21 जिला स्तरीय खेल स्टेडियम, 25 उपमंडल स्टेडियम, 163 राजीव गांधी ग्रामीण खेल परिसर, 245 ग्रामीण स्टेडियम, 10 स्विमिंग पूल, 11 सिंथेटिक एथलेटिक्स ट्रैक, 14 हॉकी एस्ट्रो-टर्फ और 2 फुटबॉल सिंथेटिक सतह और 9 बहुउद्देशीय हॉल उपलब्ध हैं। इसके अलावा, राई, सोनीपत में हरियाणा खेल विश्वविद्यालय की स्थापना की गई है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार ने बचपन से ही खिलाडियों को तराशने के लिए प्रदेश में खेल नर्सरियां खोली हुई हैं। प्रदेश में खेल नर्सरियों की संख्या 1,500 से बढ़ाकर 2 हजार की गई हैं। इन नर्सरियों में 8 से 14 वर्ष की आयु के खिलाड़ियों को 1500 रुपये तथा 15 से 19 वर्ष की आयु के उभरते खिलाड़ियों को 2 हजार रुपये प्रति माह दिये जाते हैं।

नीति निर्माण के लिए सटीक एवं समेकित डेटा नितांत अनिवार्य: डॉ. अभिषेक जैन

केलांग में अर्थशास्त्र एवं सांख्यिकी विभाग द्वारा कार्यशाला आयोजित

शिमला। राज्य की सांख्यिकीय गतिविधियों में समन्वय, पारदर्शिता एवं दक्षता को सुदृढ़ बनाने के दृष्टिगत आज लाहौल-स्पीति जिले के केलांग में सचिव वित्त, अर्थशास्त्र एवं सांख्यिकी तथा योजना डॉ. अभिषेक जैन की अध्यक्षता में एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई। इस अवसर पर डॉ. अभिषेक जैन ने कहा कि सटीक एवं समेकित डेटा नीति निर्माण की रीढ़ है और सरकार की योजनाओं एवं कार्यक्रमों की सफलता डेटा की विश्वसनीयता, समयबद्धता तथा पारदर्शिता पर निर्भर करती है। उन्होंने कहा कि सांख्यिकीय आंकड़े और डेटा यह दर्शाते हैं कि लाहौल-स्पीति जिला विकास के विभिन्न संकेतकों में कहां स्थित है और ये जिले की सामाजिक-आर्थिक स्थिति तथा सकल घरेलू उत्पाद की स्थिति को भी प्रतिबिंबित करते हैं। उन्होंने सभी विभागों से आग्रह किया कि वे अपने-अपने क्षेत्रों से संबंधित आंकड़ों का विस्तृत अध्ययन करें ताकि विकास के रुझानों को समझकर योजनाओं और क्रियान्वयन के स्तर पर सुधार किया जा सके। उन्होंने कहा कि प्रशासनिक सुधारों और नीति निर्धारण में डेटा का वैज्ञानिक उपयोग किया जाना चाहिए ताकि विकास के लक्ष्यों को प्रभावी तरीके से पूरा किया जा सके। उन्होंने जिला लाहौल-स्पीति को पारदर्शिता एवं उत्तरदायित्व व पर्यावरण संरक्षण में श्रेष्ठ प्रदर्शन तथा अपराध मुक्त होने पर बधाई दी तथा इसमें निरंतर प्रयास करते रहने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने ई-ऑफिस तथा आधार नवीनीकरण में सुधार करने के निर्देश भी दिए।

डॉ. जैन ने कहा कि प्रत्येक विभाग प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण पर विशेष ध्यान दे और इसके लिए आवश्यक वित्तीय संसाधन सुनिश्चित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि विकास के प्रमुख आंकड़े संतोषजनक बने रहें, इसके लिए प्रत्येक विभाग को ठोस कदम उठाने चाहिए और जहां कमी हो, वहां सुधार किया जाना अनिवार्य है। उन्होंने स्थानीय उत्पादों, कृषि, बागवानी और हस्तशिल्प क्षेत्रों के रुझानों को बेहतर समझने तथा सुधारने पर भी बल दिया। उन्होंने कहा कि प्रवासन, बागवानी, कृषि उत्पादन और हस्तशिल्प जैसे विषयों पर अनुसंधान के लिए छोटे शोध समूह बनाए जाएं और स्थानीय उत्पादों के विपणन एवं ब्रांडिंग को बढ़ावा दिया जाए। डॉ. अभिषेक जैन ने कहा कि कार्यशालाएं केवल सैद्धांतिक ज्ञान का मंच नहीं होतीं बल्कि सीखने, विचार-विनिमय और नीतिगत दिशा तय करने का प्रभावी माध्यम भी होती हैं। उपायुक्त लाहौल-स्पीति किरण भड़ाना ने कहा कि डेटा आधारित निर्णय प्रणाली प्रशासनिक उत्तरदायित्व को बढ़ाकर बेहतर परिणाम सुनिश्चित करती है।

राज्यपाल ने रामपुर बुशहर में अंतरराष्ट्रीय लवी मेले का शुभारम्भ किया

लवी मेला सामूहिक भावना और एकता का प्रतीक: राज्यपाल

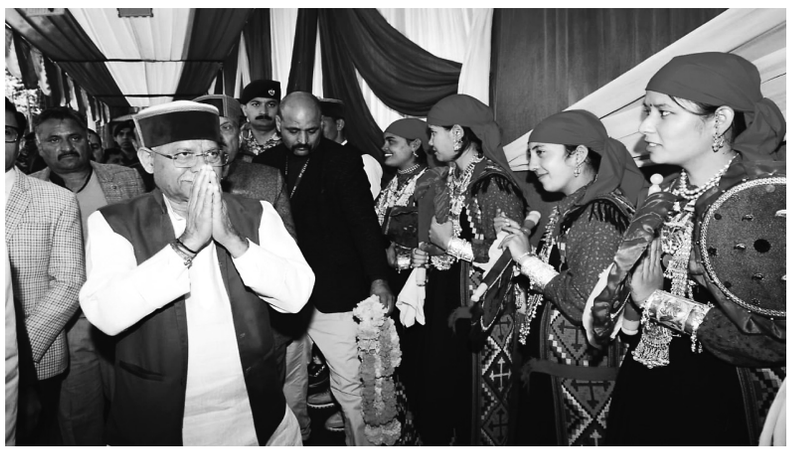

शिमला। राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल ने आज शिमला जिले के रामपुर बुशहर में चार दिवसीय अंतरराष्ट्रीय लवी मेले का शुभारम्भ किया। इस अवसर पर राज्यपाल ने कहा कि लवी मेले का सांस्कृतिक और व्यापारिक महत्व है और यह राज्य की गौरवशाली परंपराओं का जीवंत प्रतीक है। उन्होंने कहा कि यह ऐतिहासिक आयोजन न केवल व्यापार का उत्सव है, बल्कि एक समृद्ध परंपरा भी है।

राज्यपाल ने पूर्व मुख्यमंत्री स्वर्गीय वीरभद्र सिंह के योगदान को याद करते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में ही इस मेले को अंतरराष्ट्रीय दर्जा प्राप्त हुआ। उन्होंने कहा कि पहले लवी मेले का आयोजन व्यापारियों और स्थानीय समुदायों के बीच आपसी समझ से होता था। आज, यह लोगों की सामूहिक भावना और एकता का प्रतीक बन चुका है। राज्यपाल ने विभिन्न जिलों के कलाकारों द्वारा प्रस्तुतियों के माध्यम से हिमाचल की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को प्रदर्शित करने के लिए आयोजकों की सराहना की। उन्होंने कहा कि ऐसे उत्सव पारंपरिक कला, संगीत और शिल्प को बढ़ावा देने का एक मंच प्रदान करते हैं, जिससे परिवारों और समुदायों को एक सूत्र में पिरोने वाले रीति-रिवाजों और मूल्यों को जीवित रखा जा सकता है। उन्होंने कहा कि हमारी परंपराएं पीढ़ियों को जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं और लवी जैसे उत्सव यह सुनिश्चित करते हैं कि यह विरासत युवा पीढ़ी तक पहुंच सके।

शिव प्रताप शुक्ल ने प्रदेश में नशीले पदार्थों के बढ़ते खतरे पर चिंता व्यकत करते हुए कहा कि नशे को जड़ से मिटाने के लिए एकजुट प्रयासों का आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि पुलिस अवैध मादक पदार्थों के व्यापार में शामिल लोगों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई कर रही है, लेकिन इस सामाजिक बुराई को पूरी तरह से जड़ से उखाड़ने के लिए मजबूत सामुदायिक भागीदारी आवश्यक है। उन्होंने कहा कि हमें चिट्टा जैसी लत फैलाने वाली ताकतों के खिलाफ एकजुट होना चाहिए, जो परिवारों को बर्बाद कर रही हैं।

राज्यपाल ने पर्यावरण संरक्षण के महत्व पर भी बल देते हुए कहा कि अगर हम पर्यावरण की रक्षा करेंगे, तो हिमाचल स्वयं सुरक्षित और समृद्ध रहेगा। उन्होंने दिल्ली में हाल ही में हुए विस्फोट पर दुख व्यक्त किया और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की।

श्री शुक्ल ने लवी मेले की पारंपरिक भावना को बनाए रखने और नए आकर्षण जोड़ने के लिए जिला प्रशासन और आयोजन समिति के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि स्थानीय शिल्प, ऊनी उत्पादों और सूखे मेवों का प्रदर्शन न केवल हिमाचल की सांस्कृतिक संपदा को उजागर करता है, बल्कि कारीगरों और किसानों को अपने उत्पादों के विपणन के बहुमूल्य अवसर भी प्रदान करता है। राज्यपाल ने विभिन्न सरकारी विभागों और संगठनों द्वारा लगाई गई प्रदर्शनियों का भी शुभारम्भ किया और उनकी पहलों और कल्याणकारी योजनाओं में गहरी रुचि दिखाई। राज्य वित्त आयोग के अध्यक्ष एवं स्थानीय विधायक नंद लाल ने अपने स्वागत भाषण में कहा कि लवी मेले का ऐतिहासिक और व्यावसायिक महत्व है, जो विशेष रूप से ऊनी वस्तुओं के व्यापार के लिए जाना जाता है। उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त की कि अब मेले में खेल गतिविधियों को शामिल किया जा रहा है, जिससे युवाओं के बीच इसका आकर्षण बढ़ रहा है। इससे पूर्व, उपायुक्त और अंतरराष्ट्रीय लवी मेला आयोजन समिति के अध्यक्ष अनुपम कश्यप ने राज्यपाल का स्वागत करते हुए उन्हें सम्मानित किया तथा उन्हें मेले के दौरान आयोजित होने वाली विभिन्न गतिविधियों और कार्यक्रमों की जानकारी दी। इस अवसर पर हिमाचल के विभिन्न क्षेत्रों के लोक कलाकारों ने राज्य की समृद्ध परंपराओं और उत्सव की भावना को प्रदर्शित करते हुए रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं।

जिला परिषद अध्यक्ष चंद्रप्रभा नेगी, नगर परिषद अध्यक्ष मुस्कान नेगी, राज्यपाल के सचिव सी.पी. वर्मा, पुलिस अधीक्षक संजीव गांधी और अन्य गणमान्य भी इस अवसर पर उपस्थित थे।

आपदा प्रभावित स्कूल भवनों की मरम्मत और पुनर्निर्माण कार्यों को दी जा रही विशेष प्राथमिकता: रोहित ठाकुर

शिमला। शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर ने आज यहां शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए कहा कि प्रदेश सरकार शिक्षा क्षेत्र में गुणात्मक सुधार के लिए महत्त्वपूर्ण कदम उठा रही है ताकि सरकारी शिक्षण संस्थानों में पढ़ रहे बच्चों को भविष्य की प्रतिस्पर्धात्मक चुनौतियों के लिए तैयार किया जा सके। सरकार शैक्षणिक मानकों में और सुधार के लिए प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है।

उन्होंने कहा कि इस मॉनसून सीजन के दौरान प्रदेश के लगभग 1411 शैक्षणिक संस्थानों में 126.73 करोड़ रुपये की क्षति का आकलन किया गया है। उन्होंने कहा कि आपदा प्रभावित स्कूल भवनों की मरम्मत और पुनर्निर्माण कार्यों को प्राथमिकता दी जा रही है। इन शैक्षणिक संस्थानों में पढ़ने वाले विद्यार्थियों की शिक्षा बाधित न हो, इसके दृष्टिगत उप-निदेशकों को इनके पुनर्निर्माण और मरम्मत कार्यों के लिए हिमुडा को धनराशि शीघ्र जारी करने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने बच्चों की सुविधा के लिए हिमुडा के अधिकारियों को इन कार्यों का शीघ्र निष्पादन करने के निर्देश दिए।

शिक्षा मंत्री ने कहा कि वर्तमान प्रदेश सरकार के कार्यकाल के दौरान शिक्षा क्षेत्र का कायाकल्प हो रहा है। प्रदेश सरकार द्वारा प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में अत्याधुनिक सुविधाओं से परिपूर्ण राजीव गांधी डे-बोर्डिंग स्कूल स्थापित किए जा रहे हैं। राज्य में 94.46 करोड़ रुपये की लागत से 42 स्थानों पर डे-बोर्डिंग स्कूलों का निर्माण कार्य प्रगति पर है। इन स्कूलों का उद्देश्य विद्यार्थियों का समग्र विकास सुनिश्चित करना है। इन विद्यालयों में स्मार्ट क्लासरूम, पुस्तकालय और विभिन्न प्रकार की खेल सुविधाएं उपलब्ध होंगी।

उन्होंने कहा कि सरकारी विद्यालयों में पढ़ने वाले विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य को ध्यान में रखते हुए प्रदेश सरकार ने 100 विद्यालयों में सीबीएसई पाठ्यक्रम शुरू करने का निर्णय लिया है। सरकार द्वारा 45 स्कूलों को एफिलिएटिड किया गया है। यह कदम हिमाचल प्रदेश को शिक्षा के क्षेत्र में उज्जवल भविष्य की दिशा में अग्रसर करेगा। इन स्कूलों में बच्चों को शिक्षा प्रदान करने के लिए विषय विशेषज्ञ अध्यापक नियुक्त किए जाएंगे।

शिक्षा मंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार विद्यार्थियों को गुणात्मक शिक्षा उपलब्ध करवाने के लिए पर्याप्त शैक्षणिक स्टाफ की उपलब्धता सुनिश्चित कर रही है। उन्होंने उप-निदेशकों को शैक्षणिक सत्र के दौरान नियमित रूप से स्कूलों की समीक्षा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिन स्कूलों के परिणाम 25 प्रतिशत से कम हैं, उन पर विशेष ध्यान केन्द्रित किया जाए ताकि विद्यार्थियों के परीक्षा परिणाम को बेहतर किया जा सके। इसके दृष्टिगत शिक्षकों द्वारा विद्यार्थियों की अतिरिक्त कक्षाएं लेना सुनिश्चित किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि खराब परिणाम देने वाले स्कूलों के शैक्षणिक स्टाफ की जवाबदेही सुनिश्चित की जाएगी।

शिक्षा मंत्री ने कहा कि बीएड/डीएलएड विद्यार्थियों को उनके पैतृक स्थान में शैक्षणिक पद्धतियों का अभ्यास करने के लिए भेजा जाएगा। उन्होंने यह भी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए कि एक स्कूल में पांच से अधिक बीएड/डीएलएड विद्यार्थियों को नहीं भेजा जाएगा।

शिक्षा मंत्री ने कहा कि बच्चों को शिक्षा के बेहतर अवसर प्रदान करने तथा स्कूल के संसाधनों का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित करने के लिए कॉम्प्लेक्स स्कूल प्रणाली को शुरू किया गया है। उन्होंने कहा कि विभाग द्वारा मर्ज किए गए स्कूलों के विद्यार्थियों को समीपवर्ती स्कूलों में दाखिला दिलवाना सुनिश्चित किया जा रहा है। उन्होंने प्रधानाचार्यों के अंतर्गत प्राथमिक, माध्यमिक एवं उच्च कॉम्प्लेक्स स्कूल प्रणाली के तहत आने वाले स्कूलों का दौरा करने के निर्देश दिए। अध्यापकों को इस प्रणाली की विस्तृत जानकारी प्रदान करने के लिए जिला स्तर पर सम्मेलन आयोजित करवाए जाएंगे।

रोहित ठाकुर ने शैक्षणिक संस्थानों में बच्चों को प्रताड़ित करने वाले अध्यापकों के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई में तेजी लाने के निर्देश दिए।

अध्यापकों के गैर शैक्षणिक कार्यों के दबाव को कम करने के दृष्टिगत भी बैठक में समीक्षा की गई और इन कार्यों को सरल करने की संभावनाओं को तलाशने के बारे में दिशा-निर्देश दिए गए। इसके लिए उप-निदेशकों से 10 दिनों के भीतर सुझाव देने को कहा गया है।

इस अवसर पर शैक्षणिक संस्थानों को तम्बाकू फ्री बनाने के उद्देश्य से राज्य कार्यक्रम अधिकारी एनएचएम डॉ. रविन्द्र कुमार ने प्रस्तुति भी दी। बैठक में सचिव शिक्षा राकेश कंवर, समग्र शिक्षा अभियान के परियोजना निदेशक राजेश शर्मा, निदेशक स्कूल शिक्षा आशीष कोहली, शिक्षा विभाग तथा हिमुडा के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

प्रदेश विश्वविद्यालय ने सहयोगात्मक अनुसंधान एवं विकास पहलों को बढ़ावा देने के लिए भारतीय सेना के साथ एमओयू पर हस्ताक्षर किए

शिमला। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू की उपस्थिति में आज हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, शिमला और भारतीय सेना के बीच सहयोगात्मक अनुसंधान एवं विकास पहलों को बढ़ावा देने के लिए एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए।

ब्रिगेडियर अनुराग पांडे ने भारतीय सेना जबकि कुलपति प्रोफेसर महावीर सिंह ने प्रदेश विश्वविद्यालय की ओर से समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह समझौता भारतीय सेना और प्रदेश विश्वविद्यालय के बीच एक सहक्रियात्मक साझेदारी की शुरुआत का प्रतीक है, जिसका उद्देश्य विविध क्षेत्रों में सहयोगात्मक अनुसंधान एवं विकास को बढ़ावा देना है।

इसके मुख्य क्षेत्रों में भारत-तिब्बत संबंधों पर संयुक्त ऐतिहासिक शोध, निवेश और सतत विकास को प्रोत्साहित करने के लिए हिमाचल प्रदेश के सीमावर्ती क्षेत्रों पर आर्थिक और विकासात्मक अध्ययन, ड्रोन प्रौद्योगिकी और ड्रोन-रोधी उपायों की खोज और तैनाती, साइबर सुरक्षा की सर्वोत्तम प्रथाओं का विकास और कार्यान्वयन तथा हरित ऊर्जा और पर्यावरण के प्रति जिम्मेदार प्रथाओं को बढ़ावा देने के लिए पहल शामिल हैं।

यह प्रभावी सूचना प्रसार, अनुसंधान एवं शैक्षणिक सहयोग के लिए संकाय एवं कर्मचारियों के आदान-प्रदान तथा संयुक्त संगोष्ठियों, कार्यशालाओं एवं प्रशिक्षण कार्यक्रमों के आयोजन के लिए रणनीतिक एवं जनसंचार पहलों पर भी बल देता है। यह समझौता ज्ञापन भारतीय सेना के कर्मियों को हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, शिमला में शैक्षणिक पाठ्यक्रम करने का अवसर प्रदान करेगा।

राजस्व मंत्री जगत सिंह नेगी, मुख्य सचिव संजय गुप्ता, लेफ्टिनेंट जनरल अनिंद्य सेनगुप्ता, लेफ्टिनेंट जनरल डीजी मिश्रा और सचिव, शिक्षा राकेश कंवर इस अवसर पर उपस्थित थे।

सेना सीमावर्ती क्षेत्रों में 20 स्थानों पर विंड टरबाइन परियोजनाएं स्थापित करेगी

मुख्यमंत्री ने सेना की परियोजनाओं की समीक्षा की, सीमा पर्यटन पहलों पर हुई चर्चा

शिमला। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू ने आज भारतीय सेना की सेंट्रल कमांड के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक कर हिमाचल प्रदेश में सेना द्वारा कार्यान्वित की जा रही विभिन्न परियोजनाओं की समीक्षा की।

मुख्यमंत्री ने सेना की परियोजनाओं के क्रियान्वयन में राज्य सरकार के पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया। बैठक में जानकारी दी गई कि सेना सीमावर्ती क्षेत्रों में 20 स्थानों पर विंड टरबाइन परियोजनाएं स्थापित करने पर विचार कर रही है जिसके लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार कर ली गई है। इस परियोजना से सालाना 68,000 से 80,000 किलोवाट घंटे ऊर्जा उत्पन्न होने की उम्मीद है, जो 120 से 160 घरों को बिजली प्रदान करने के लिए पर्याप्त है।

श्री सुक्खू ने संतोष व्यक्त किया कि राज्य सरकार और भारतीय सेना द्वारा संयुक्त रूप से शुरू की गई सीमा पर्यटन पहल उत्साहजनक परिणाम दे रही है। सीमावर्ती क्षेत्रों में पर्यटकों की आमद में उल्लेखनीय वृद्धि देखने में आई है। वर्ष 2024 में सैलानियों की संख्या लगभग 21,000 थी जो 2025 में साढ़े तीन गुना वृद्धि बढ़कर 70,000 से अधिक हो गई।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को सीमावर्ती क्षेत्रों में आने वाले पर्यटकों के लिए अच्छी सुविधाएं सुनिश्चित करने का निर्देश दिया ताकि उनका समग्र अनुभव बेहतर हो सके। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार ने शिपकी-ला के माध्यम से व्यापार गतिविधियों को फिर शुरू करने के संबंध में केंद्र सरकार को पत्र लिखा है और सकारात्मक संकेत मिले हैं। राज्य सरकार के निरंतर प्रयासों के कारण, भारत और चीन दोनों लिपुलेख दर्रे, शिपकी-ला दर्रे और नाथू-ला दर्रे के माध्यम से सीमा व्यापार को फिर से खोलने पर सहमत हुए हैं।

डा. अभिषेक जैन ने केलंग पुस्तकालय में आधुनिक तकनीकें उपलब्ध कराने पर बल दिया

शिमला। सचिव (वित्त, अर्थशास्त्र एवं सांख्यिकी तथा योजना) डा. अभिषेक जैन ने आज क्षेत्रीय संग्रहालय एवं पुस्तकालय, केलांग का दौरा किया और जनजातीय क्षेत्र की संस्कृति, कला और साहित्य में गहरी रुचि दिखाई। उन्होंने संग्रहालय एवं पुस्तकालय के संचालन व्यवस्था का निरीक्षण करते हुए कई महत्वपूर्ण सुझाव दिए जिनमें पुस्तकालय में कंप्यूटर की व्यवस्था और पाठन क्षेत्र को विस्तारित करने की आवश्यकता को विशेष रूप से रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि आधुनिक तकनीक से पुस्तकालय को सुसज्जित करने से अनुसंधान एवं अध्ययन गतिविधियों में तेजी आएगी तथा विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी। उन्होंने जनजातीय क्षेत्र के सांस्कृतिक संरक्षण को बढ़ावा देने तथा कलात्मक धरोहर के प्रचार-प्रसार के लिए संग्रहालय में नवीन प्रदर्शनी एवं शैक्षिक कार्यक्रम आयोजित करने का सुझाव भी दिया। संग्रहालय की दुर्लभ वस्तुओं एवं साहित्यिक कृतियों को सुरक्षित रखने के लिए उन्होंने रिकॉर्डिंग एवं डिजिटलीकरण को आवश्यक बताया और पुस्तकालय में अधिक जगह उपलब्ध कराने के लिए संबंधित अधिकारियों को तत्काल कार्यवाही सुनिश्चित करने को कहा।

आपदा प्रभावित परिवारों के लिए मंडी जिला में एक्सिस बैंक बनाएगा 57 मौसम-रोधी आश्रय स्थल

शिमला। एक्सिस बैंक के उत्तरी क्षेत्र प्रमुख अभिषेक पाराशर और राज्य प्रमुख वरुण शर्मा ने आज मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू से ओक ओवर में भेंट की। उन्होंने आपदा प्रभावित मंडी जिले, विशेषकर सिराज विधानसभा क्षेत्र को निगमित सामाजिक दायित्व (सीएसआर) के तहत 57 मौसम-रोधी आश्रय स्थलों के निर्माण के लिए सहयोग प्रदान किया। इन आश्रय स्थलों में तापरोधी इन्सुलेशन, पीसीसी फर्श, रसोई स्लैब और बुनियादी विद्युत फिटिंग की व्यवस्था होगी, जिससे विस्थापित परिवारों को सुरक्षित और सम्मानजनक आवास की सुविधा उपलब्ध होगी।

इसके अतिरिक्त, बैंक 15 सामुदायिक शौचालय इकाइयां भी स्थापित करेगा। प्रत्येक इकाई में तीन से छह परिवारों के लिए सुविधा उपलब्ध होगी। इनमें पानी की टंकियां, स्टेनलेस स्टील के सिंक और सीपीवीसी पाइप की फिटिंग होंगी ताकि समुचित स्वच्छता सुनिश्चित हो सके। एक्सिस बैंक प्रभावी कार्यान्वयन के लिए लॉजिस्टिक्स और प्रशासनिक सहयोग भी प्रदान करेगा, जिसमें लाभार्थियों की पहचान, पर्यवेक्षण और प्रभावी मूल्यांकन शामिल है।

मुख्यमंत्री कार्प मत्स्य पालन योजना: ग्रामीण आजीविका व स्वरोजगार की नई राह

हिमाचल प्रदेश में मछली पालन से बदलेगा ग्रामीण अर्थव्यवस्था का स्वरूप

शिमला। हिमाचल प्रदेश सरकार द्वारा आरंभ की गई मुख्यमंत्री कार्प मत्स्य पालन योजना राज्य के युवाओं, किसानों व ग्रामीण आबादी के लिए आजीविका का नया द्वार खोल रही है। सरकार का उद्देश्य पारंपरिक कृषि के साथ-साथ मत्स्य पालन को एक स्थायी व लाभकारी व्यवसाय के रूप में विकसित करना है। इस योजना के अंतर्गत प्रदेश के उष्ण जलवायु वाले क्षेत्रों में मीठे पानी में कार्प मछली पालन को प्रोत्साहन दिया जा रहा है।

80 प्रतिशत तक अनुदान, युवाओं को प्राथमिकता: मत्स्य पालन विभाग के अनुसार, योजना के तहत तालाब निर्माण व प्रारंभिक वर्ष की इनपुट लागत (मछली बीज, चारा, औषधि आदि) पर सरकार द्वारा 80 प्रतिशत तक सब्सिडी दी जा रही है। प्रति हेक्टेयर 12.40 लाख रुपये की यूनिट लागत निर्धारित की गई है, जिसमें तालाब निर्माण के लिए 8.40 लाख रुपये तथा इनपुट सामग्री के लिए 4 लाख रुपये शामिल हैं। राज्य सरकार का लक्ष्य है कि अधिक से अधिक युवा मत्स्य पालन से जुड़ें और आत्मनिर्भर बनें। ग्रामीण क्षेत्रों में इस योजना से न केवल रोजगार सृजन हो रहा है, बल्कि पोषण सुरक्षा भी सुनिश्चित हो रही है। योजना के तहत लाभार्थी के पास स्वामित्व भूमि या न्यूनतम सात वर्षों के लिए पट्टे पर ली गई भूमि होना आवश्यक है। आवेदन में बेरोजगार युवाओं, महिलाओं और अनुसूचित वर्ग के आवेदकों को प्राथमिकता दी जाती है। प्रति लाभार्थी न्यूनतम 0.05 हेक्टेयर और अधिकतम 1 हेक्टेयर तक तालाब निर्माण की अनुमति दी जाती है। योजना में शामिल होने से पहले मत्स्य विभाग द्वारा स्थल निरीक्षण व तकनीकी सलाह दी जाती है।

मत्स्य विभाग द्वारा लाभार्थियों को तकनीकी प्रशिक्षण, मत्स्य बीज आपूर्ति, रोग नियंत्रण, चारा प्रबंधन तथा विपणन सहायता भी उपलब्ध करवाई जा रही है। इसके अतिरिक्त, मत्स्य सहकारी समितियों और समूहों को भी योजना में भागीदारी के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है ताकि सामूहिक रूप से उत्पादन व विपणन नेटवर्क सुदृढ़ किया जा सके।

मत्स्य पालन से आर्थिक सशक्तिकरण: तहसील नूरपुर गाँव परगना डाकघर बदुई के लवली कुमार बताते हैं कि उन्हें मुख्यमंत्री कार्प मत्स्य पालन योजना के तहत एक लाख 39 हजार रुपये की सब्सिडी प्राप्त हुई है। विभाग द्वारा उन्हें मत्स्य बीज एवं अन्य आवश्यक सहायता भी प्रदान की गई है। लवली कुमार बताते हैं कि वे अब मछली पालन का कार्य सफलतापूर्वक कर रहे हैं, जिससे न केवल उन्हें स्वरोजगार मिला है, बल्कि वे दो अन्य व्यक्तियों को भी रोजगार का अवसर दे पा रहे हैं। वे इस योजना के लिए मुख्यमंत्री श्री सुखविंदर सिंह सुक्खू जी का आभार व्यक्त करते हुए कहते हैं कि इस योजना से गाँव के युवाओं को आय के नए साधन प्राप्त हो रहे हैं और वे आर्थिक आत्मनिर्भरता की दिशा में अग्रसर हो रहे हैं।

इसी प्रकार तहसील नूरपुर के गाँव परगना के राकेश कुमार बताते हैं कि उनके परिवार ने विभाग की सहायता से मुख्यमंत्री मत्स्य पालन योजना के अंतर्गत तालाब का निर्माण करवाया है। इस योजना के तहत उन्हें सरकार द्वारा एक लाख 24 हजार रुपये की सब्सिडी प्रदान की गई है। राकेश कुमार बताते हैं कि इस कार्य में उनके साथ दो अन्य व्यक्ति भी जुड़े हुए हैं, जिससे स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसरों में वृद्धि हुई है। वे भी मुख्यमंत्री श्री सुखविंदर सिंह सुक्खू जी के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हैं।

वहीं, तहसील फतेहपुर के गाँव जखाड़ा के रमेश चंद्र बताते हैं कि उन्हें इस योजना के तहत एक लाख 3 हजार रुपये की सब्सिडी प्राप्त हुई है, जिसके माध्यम से उन्होंने लगभग 1,050 वर्ग मीटर क्षेत्रफल में तालाब का निर्माण करवाया है।

आवश्यक सूचना

ब्याठकों को सलाह दी जाती है कि किसी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया से पहले विज्ञापन में प्रकाशित किसी उत्पाद या सेवा के बारे में पूरी तरह जांच पड़ताल कर लें। यह समाचार पत्र उत्पाद या सेवा की गुणवत्ता आदि के विवरण के बारे में विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे उल्लेख की पुष्टि या समर्थन नहीं करता। समाचार पत्र उपरोक्त विज्ञापनों के बारे में किसी भी प्रकार से उत्तरदायी नहीं होगा।

RNI NO: HARHIN/2002/08034, Postal Regd No. HR/AB/54/23-25 , स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक एकान्ति राय गर्ग द्वारा जनपथ पब्लिशर्स, बूथ नं.: 437-पी (बी.पी.पेट्रोल पंप के पीछे) सेक्टर-8, पंचकूला से प्रकाशित। सम्पादक:- एकान्ति रॉय गर्ग, मुख्य कार्यालय: बूथ नं: 437-पी (बी.पी.पेट्रोल पंप के पीछे) सेक्टर-8 पंचकूला-134109(हरियाणा)। मो.: 9915606900, email : hindjanpath@gmail.com, argarg1610@gmail.com ।

न्यूज डायरी

फरीदाबाद बना भारत की पहली डिजिटल जनगणना का परीक्षण केंद्र - मृत्युंजय कुमार नारायण

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। केन्द्रीय गृह मंत्रालय के अधीन पंजीयक जनरल एवं जनगणना आयुक्त कार्यालय द्वारा आगामी भारत की जनगणना 2027 की तैयारियों के तहत पूर्व परीक्षण (Pre -Test Census 2027) का कार्य 10 नवम्बर से 30 नवम्बर, 2025 तक किया जा रहा है। जिसके तहत आज फरीदाबाद, सेक्टर- 29 हाउसिंग बोर्ड में डिजिटल जनगणना को लेकर पूर्व-परीक्षण जनगणना की ट्रेनिंग कार्यक्रम में केन्द्रीय रजिस्ट्रार जनरल और जनगणना आयुक्त मृत्युंजय कुमार नारायण ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत की। उनके साथ जनगणना संचालन एवं नागरिक पंजीकरण हरियाणा के निदेशक श्री ललित जैन और उपायुक्त श्री विक्रम सिंह भी मौजूद रहे।

जनगणना आयुक्त श्री मृत्युंजय कुमार नारायण ने कहा कि जनगणना एक अत्यंत व्यापक और राष्ट्रहित से जुड़ा कार्य है। भारत जैसे विशाल देश में लगभग 140 करोड़ लोगों की गणना करना एक ऐतिहासिक एवं प्रशासनिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण कार्य है। इस प्रक्रिया की सटीकता और सुचारू संचालन सुनिश्चित करने के लिए पूर्व परीक्षण किया जा रहा है। यह 'रिहर्सल' हमारी प्रणालियों की कमजोरियों को पहचानने और उन्हें सुधारने का एक महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करता है।

उन्होंने बताया कि इस बार की जनगणना पूरी तरह डिजिटल माध्यम से की जाएगी, जिसमें मोबाइल एप्लिकेशन के माध्यम से आंकड़े सीधे दर्ज किए जाएंगे। इससे आंकड़ों की गुणवत्ता में सुधार होगा, त्रुटियाँ न्यूनतम होंगी और डेटा प्रोसेसिंग में काफी समय की बचत होगी। यह भारत की पहली डिजिटल जनगणना होगी। पहले जहां पेपर शेड्यूल के माध्यम से सूचनाएं एकत्रित की जाती थीं, वहीं अब डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म के उपयोग से यह प्रक्रिया और अधिक सटीक, तेज़ तथा पारदर्शी बनेगी।

उन्होंने बताया कि जनगणना दो चरणों में संपन्न होगी - पहला हाउस लिस्टिंग ऑपरेशन, जो अप्रैल 2026 से प्रारंभ होगा, और दूसरा जनसंख्या गणना (Population Enumeration), जो फरवरी 2027 में आयोजित की जाएगी।

अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि जनगणना के आंकड़े न केवल सरकारी नीतियों की दिशा तय करते हैं, बल्कि यह भी दर्शाते हैं कि योजनाएं कितनी प्रभावशाली रूप से लागू हुई हैं और किन क्षेत्रों पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। अतः हर व्यक्ति की सहभागिता आवश्यक है, क्योंकि जनगणना का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि एक भी व्यक्ति छूटे नहीं।

जनगणना संचालन एवं नागरिक पंजीकरण हरियाणा के निदेशक श्री ललित जैन ने बताया कि हरियाणा राज्य के तीन जिलों नामतः फरीदाबाद, हिसार और पंचकूला में इस समय पूर्व परीक्षण कार्य संचालित किया जा रहा है। यह प्री-टेस्ट आगामी जनगणना की तैयारी के रूप में एक ड्रेस रिहर्सल है, जिसका उद्देश्य वास्तविक जनगणना से पूर्व समस्त व्यवस्थाओं और प्रणालियों का परीक्षण करना है। रजिस्ट्रार जनरल ऑफ इंडिया के नेतृत्व में विकसित इन एप्लीकेशनों की फील्ड टेस्टिंग हरियाणा के फरीदाबाद, हिसार और पंचकूला जिलों में 30 नवम्बर,2025 तक जारी रहेगी।

उन्होंने कहा कि इस अभियान में जिला प्रशासन, नगर निगम फरीदाबाद, अतिरिक्त आयुक्त, एसडीएम और शिक्षा विभाग का विशेष सहयोग प्राप्त हुआ है। स्कूलों से चयनित प्रगणक (Enumerators) और पर्यवेक्षक (Supervisors) इस कार्य में सक्रिय रूप से भाग ले रहे हैं।

हरियाणा महिला विकास निगम द्वारा चलाई जा रही व्यक्तिगत ऋण स्कीम

1.80 लाख रुपये से कम वार्षिक आय वाली महिलाएं, ले सकती है स्कीम का लाभ

हिन्द जनपथ
पंचकूला (ब्यूरो)। हरियाणा महिला विकास निगम द्वारा चलाई जा रही व्यक्तिगत ऋण स्कीम की जानकारी देते हुए निगम की जिला प्रबन्धक कमलेश कुमारी ने बताया कि वर्ष 2025-26 के लिए 60 केसों (20 अन्य श्रेणी व 40 अनुसूचित जाति) का लक्ष्य रखा गया है। जिन महिलाओं की वार्षिक आय 1.80 लाख रुपये से अधिक न हो तथा उसके परिवार का कोई सदस्य आयकर दाता न हो इस योजना के अन्तर्गत 1.50 लाख रुपये का आवेदन कर सकती है। इस पर निगम द्वारा 25 प्रतिशत (अधिकतम 10,000 रुपये अन्य श्रेणी व 25,000 रुपये अनुसूचित जाति) अनुदान राशि विभिन्न क्रियाकलापों के लिए जैसे की सिलाई, कढ़ाई, करियाना, मनियारी, रेडीमेट गारमैन्टस, कपड़े की दुकान, स्टेशनरी, बुटीक व जनरल स्टोर इत्यादि के लिए दी जाती है। 10 प्रतिशत लाभार्थी को स्वयं वहन करना पड़ता है। शेष राशि की व्यवस्था राष्ट्रीयकृत/ सहकारी बैंकों से करवाई जाती है।

यह ऋण योजना शहरी/ग्रामीण दोनों के लिए उपलब्ध है। अधिक जानकारी के लिए निगम के जिला प्रबन्धक, हरियाणा महिला विकास निगम, कमरा न0 52, तीसरी मंजिल, नई बिल्डिंग, मिनी सचिवालय सैक्टर-1 पंचकूला, फोन न0 0172-2585271 पर सम्पर्क कर सकते हैं।

एमसीएम ने 'विचार से प्रभाव तक' में स्टार्टअप से जुड़ी प्रेरणादायक जानकारियाँ साझा की

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। मेहरचंद महाजन डीएवी महिला महाविद्यालय के स्टार्टअप सेल ने स्नातकोत्तर वाणिज्य विभाग के सहयोग से तथा इंस्टीट्यूशन इनोवेशन काउंसिल (आईआईसी) के तत्वावधान में 'आइडिया टू इंपैक्ट : व्हाई स्टार्टअप सोर और सिंक' शीर्षक से एक ज्ञानवर्धक सत्र का आयोजन किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में यह समझ विकसित करना था कि किसी स्टार्टअप की सफलता या असफलता को कौन-से प्रमुख कारक निर्धारित करते हैं। इस सत्र में विद्यार्थियों को नवोन्मेषी विचारों को प्रभावशाली परियोजनाओं में बदलने के लिए भी प्रेरित किया।

इस सत्र में 143 विद्यार्थियों ने भाग लिया। आर.सी.एनडेवर सर्विसेज प्रा. लि. के मैनेजिंग डायरेक्टर, डॉ. चारु नारंग ठाकुर ने सत्र का संचालन किया। उन्होंने अपने समृद्ध पेशेवर अनुभव के आधार पर स्टार्टअप इकोसिस्टम की गतिशीलता पर प्रकाश डाला। जेप्टो, पेटीएम, अर्बन कंपनी और ज़ेरोधा जैसे प्रमुख स्टार्टअप्स के उदाहरणों का हवाला देते हुए उन्होंने "स्पेक्ट्रम ऑफ़ सक्सेस टू नॉन सक्सेस" की व्याख्या की और बताया कि हर सफल स्टार्टअप की नींव तीन महत्वपूर्ण चरणों पर टिकी होती है — आधार , क्रियान्वयन और विकास । यह संवादात्मक और प्रेरणादायक सत्र विद्यार्थियों के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध हुआ, जिसने उन्हें स्थायी एवं प्रभावी उद्यम विकसित करने की दिशा में नई दृष्टि प्रदान की।

कार्यवाहक प्राचार्या श्रीमती नीना शर्मा ने स्टार्टअप सेल और वाणिज्य विभाग के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने विद्यार्थियों को अपनी रचनात्मकता को पहचानने, समस्या-समाधान की सोच विकसित करने और भारत के बढ़ते नवाचार पारितंत्र में सार्थक योगदान देने के लिए प्रेरित किया।

पिंजौर की पावन भूमि से शुरू हुई 'हिंद की चादर' श्री गुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहीदी वर्ष की पवित्र नगर कीर्तन यात्रा

24 नवंबर को कुरुक्षेत्र में होगा समापन, 25 नवंबर को प्रधानमंत्री होंगे महासमागम में मुख्य अतिथि

हिन्द जनपथ
पंचकूला (ब्यूरो)। 'हिंद की चादर' श्री गुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहीदी वर्ष के पावन अवसर पर मंगलवार को दूसरी पवित्र नगर कीर्तन यात्रा का शुभारंभ हरियाणा के पंचकूला जिले के पिंजौर स्थित पावन भूमि से हुआ। इस अवसर पर हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी की उपस्थिति में गुरुद्वारा श्री गुरु नानक दरबार, गांव गोरखनाथ में अरदास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मुख्यमंत्री ने श्री गुरु ग्रंथ साहिब के समक्ष अरदास करते हुए प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की।

कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने गवर्नमेंट पॉलिटेक्निक, अंबाला का नाम श्री गुरु तेग बहादुर जी के नाम पर रखने की घोषणा भी की।

मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि श्री गुरु तेग बहादुर जी केवल सिख समुदाय या भारत के ही नहीं, बल्कि पूरे विश्व के मानवाधिकारों के प्रथम महानायक हैं। उन्होंने धर्म और देश की रक्षा हेतु सर्वोच्च बलिदान दिया। मुख्यमंत्री ने बताया कि पिंजौर से आरंभ की गई यह दूसरी नगर कीर्तन यात्रा, गुरु जी के तप, त्याग, विचार और धर्म रक्षा के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का व्यापक अभियान है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी होंगे श्री गुरु तेग बहादुर जी के शहीदी वर्ष पर कुरुक्षेत्र महासमागम के मुख्य

अतिथि

उन्होंने बताया कि श्री गुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहीदी वर्ष के उपलक्ष्य में प्रदेशभर में चार पवित्र नगर कीर्तन यात्राएं निकाली जा रही हैं जो हरियाणा के सभी जिलों से गुजरेंगी। इन यात्राओं का समापन 24 नवंबर को कुरुक्षेत्र में होगा। अगले दिन, 25 नवंबर को श्री गुरु तेग बहादुर जी के शहीदी वर्ष पर कुरुक्षेत्र में महासमागम का आयोजन होगा, जिसमें प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि श्री गुरु तेग बहादुर जी का हरियाणा की पावन धरा से गहरा संबंध रहा है। वर्ष 1665 में उन्होंने सिख पंथ के मुख्यालय को धमतान (परगना जींद, बांगर देश दृ वर्तमान हरियाणा) में स्थानांतरित किया था। उसी वर्ष उन्होंने बांगर देश से लोहगढ़ की यात्रा करते हुए जींद, कैथल, चीका, कराह, सियाना सईदा और पिहोवा में संगत से मिलकर उन्हें धर्म मार्ग पर चलने का संदेश दिया। इसके पश्चात गुरु जी ने कुरुक्षेत्र जिले के बारना गांव, थानेसर, लाडवा और यमुनानगर क्षेत्र में भी दौरा किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणावासियों का यह परम सौभाग्य है कि श्री गुरु तेग बहादुर जी के पावन चरण इस भूमि पर कई बार पड़े। उन्होंने अपने प्रवास के दौरान संगतों को दिव्य ज्ञान प्रदान किया और धर्म की रक्षा के लिए प्रेरित किया। जहां-जहां वे पधारे, वहां स्थापित गुरुघर आज भी उनकी शिक्षाओं और आदर्शों की ज्योति को प्रज्वलित कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि हरियाणा सरकार द्वारा हमारे महापुरुषों और गुरुओं के पर्वों को भव्य स्तर पर मनाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि प्रदेश सरकार ने श्री गुरु नानक देव जी की 550वीं जयंती को बड़े ही श्रद्धा और सम्मान के साथ राज्य स्तर पर मनाने का काम किया। अब श्री गुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहीदी वर्ष को भी राज्य स्तर पर अत्यंत भव्य रूप से आयोजित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस आयोजन की अगुवाई हरियाणा सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के प्रधान सरदार जगदीश सिंह झिंडा कर रहे हैं, जो लगातार इन यात्राओं को आगे बढ़ा रहे हैं। कमेटी द्वारा गुरुओं की वाणी, शिक्षाओं और इतिहास को जन-जन तक पहुंचाने का सराहनीय कार्य किया जा रहा है। प्रदेश सरकार की ओर से किए गए विभिन्न कार्यों का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि सिरसा स्थित चैधरी देवीलाल विश्वविद्यालय में श्री गुरु तेग बहादुर जी के नाम से एक अनुसंधान पीठ (चेयर) स्थापित की गई है, ताकि आने वाली पीढ़ियाँ उनके जीवन, दर्शन और योगदान पर शोध कर सकें और गुरुओं के इतिहास से आने वाली पीढ़ियां प्रेरणा प्राप्त करें। यमुनानगर में बन रहे मेडिकल कॉलेज का नाम भी श्री गुरु तेग बहादुर जी के नाम पर रखा गया है, जो शीघ्र ही पूर्ण होकर जनता को समर्पित किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि पंचकूला से पोंटा साहिब तक की सड़क का नाम श्री गुरु गोविंद सिंह जी के नाम पर रखा गया है। इसी प्रकार, असंध स्थित एक कॉलेज का नाम श्री गुरु गोविंद सिंह जी के छोटे पुत्र के नाम पर रखा गया है। साथ ही, गुरु गोविंद सिंह जी की ननिहाल लखनौर साहिब में माता गुजरी देवी के नाम से वी.एल.डी.ए. कॉलेज की स्थापना की गई है, जो गुरु परंपरा और हमारी सांस्कृतिक विरासत के सम्मान का प्रतीक है।

पंचकूला जिले में 11 से 14 नवंबर तक निकलेगी नगर कीर्तन यात्रा

यह नगर कीर्तन यात्रा 11 नवंबर को गुरुद्वारा श्री नानक दरबार गांव गोरखनाथ से शुरू होकर गांव मंढावाला, नानकपुर, करणपुर, जोहलुवाल, कीर्तपुर, लोहगढ़, खेड़ा बसला से होती हुई गुरुद्वारा श्री मंजीसाहिब पिंजोर पहुंचेगी, जहाँ रात्रि विश्राम होगा। इसी तरह दूसरे दिन 12 नवंबर को नगर कीर्तन यात्रा गुरुद्वारा श्री मंजीसाहिब पिंजोर से शुरू होकर कालका, टिपरा, मल्लामोड़, हिमशिखा, सीआरपीएफ कैम्प से होती हुई गुरुद्वारा सिंह साहिब बख्शीवाला पहुंचेगी, जाकर रात्रि ठहराव होगा। तीसरे दिन 13 नवंबर को नगर कीर्तन यात्रा गुरुद्वारा सिंह साहिब बख्शीवाला से शुरू होगी और गुरुद्वारा हिमशिखा, गुरुद्वारा डीएलएफ, अमरावती, चण्डी मंदिर, ओल्ड पंचकूला, माजरी चैंक से होते हुए गुरुद्वारा श्री नाडा साहिब पंचकुला पहुंचेगी, जहाँ रात्रि विश्राम होगा।

महापौर कुलभूषण गोयल ने ग्रामीण क्षेत्रों को दी दो नई सौगातें

हिन्द जनपथ
पंचकूला (ब्यूरो)। महापौर कुलभूषण गोयल ने मंगलवार को शहर व ग्रामीण क्षेत्रों में विकास कार्यों का सिलसिला जारी रखते हुए दो नए सामुदायिक केंद्रों का उद्घाटन किया। नगर निगम द्वारा तैयार इन केंद्रों को अब आम जनता के लिए खोल दिया गया है।

महापौर ने सबसे पहले गांव सुखदर्शनपुर में करीब 1 करोड़ 98 लाख रुपये की लागत से बने आधुनिक सामुदायिक केंद्र का शुभारंभ किया। स्थानीय ग्रामीणों ने इस सुविधा के लिए महापौर का आभार जताया और कहा कि यह उनकी वर्षों पुरानी मांग थी, जो अब पूरी हो गई है।

इसके बाद महापौर गोयल ने गांव नग्गल में 1 करोड़ 15 लाख रुपये की लागत से बने सामुदायिक केंद्र का उद्घाटन किया। इस अवसर पर नगर निगम आयुक्त आर.के. सिंह ने कहा कि ये केंद्र ग्रामीणों के पारिवारिक व सामाजिक कार्यक्रमों के लिए अत्यंत उपयोगी साबित होंगे। कार्यक्रम में पार्षद सलीम खान, मनोनीत पार्षद सतबीर चौधरी, जगदीश शर्मा सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे। महापौर ने कहा कि निगम का लक्ष्य ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में समान रूप से विकास कार्यों को आगे बढ़ाना है ताकि पंचकूला का हर इलाका सुविधाओं से सुसज्जित हो सके। उन्होंने बताया कि ग्रामीण क्षेत्रों में भी विकास की रफ्तार तेज रही है। गांव माणक्यां, जलौली, अलीपुर, खटौली और डबकौरी में सामुदायिक केंद्र बनाए गए हैं, जबकि बुढनपुर और रामगढ़ में दो-दो धर्मशालाओं का निर्माण किया गया है। सेक्टर 15 में 4 करोड़ 65 लाख रुपये की लागत से एक भव्य सामुदायिक केंद्र तैयार किया गया है। गोयल ने बताया कि हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण के माध्यम से सेक्टर 17, 21, 23, 28, 31 और मनसा देवी कंपलेक्स 6 में भी सामुदायिक केंद्रों का निर्माण कराया गया है। वर्तमान में सेक्टर 7 और 10 में कार्य जारी है, जबकि सेक्टर 21, 25 और गांव टोका के सामुदायिक केंद्र जल्द जनता को समर्पित किए जाएंगे। इसके अलावा, सेक्टर 19 के पुराने सामुदायिक केंद्र को तोड़कर पुनर्निर्माण की प्रक्रिया का टेंडर जारी हो चुका है।

मिशन चढ़दी कला ने पंजाब भर में बाढ़ प्रभावित परिवारों को पहुंचाई बड़ी राहत

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। मुख्यमंत्री स. भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में पंजाब सरकार ने राज्य के 1012 गांवों में राहत वितरण प्रक्रिया को सफलतापूर्वक मुकम्मल कर लिया है। जनता के कल्याण के प्रति अपनी दृढ़ प्रतिबद्धता को दोहराते हुए राज्य सरकार यह सुनिश्चित कर रही है कि हर पात्र परिवार को उनके घरों, फसलों और पशुओं के नुकसान के लिए समय पर मुआवजा मिले।

इस संबंध में जानकारी देते हुए आज यहां एक सरकारी प्रवक्ता ने बताया कि पंजाब देश का पहला राज्य बन गया है जिसने रिकॉर्ड समय में सबसे अधिक मुआवजा वितरित किया है और सरकार द्वारा "मिशन चढ़दी कला" के तहत करोड़ों रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान की गई है ताकि हर प्रभावित परिवार तक राहत पहुंचाई जा सके।

उन्होंने बताया कि राज्य सरकार ने एक महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए क्षतिग्रस्त घरों के लिए वित्तीय सहायता 6,500 रुपये से बढ़ाकर 40,000 रुपये प्रति घर कर दी

है। देश के इतिहास में पहली बार पंजाब ने अपने किसानों को एक प्रगतिशील पहल "जिसदा खेत, उसदी रेत" के तहत अपने खेतों से रेत निकालने का अधिकार दिया है, जिससे किसान अपनी भूमि को पुनः बहाल कर सकें और अगले बुवाई सीजन के लिए खेतों को तैयार कर सकें। राज्य सरकार ने फसल नुकसान के लिए प्रभावित किसानों को प्रति एकड़ 20,000 रुपये मुआवजा देने का निर्णय लिया है, जो अब तक देश में दिया गया सबसे अधिक फसली मुआवजा है। प्रभावित परिवारों की आजीविका को बहाल करने के उद्देश्य से पशुहानि के लिए प्रति दुग्धारू पशु 37,500 रुपये, प्रति गैर-दुग्धारू पशु 32,000 रुपये, प्रति बछड़ा 20,000 रुपये और प्रति पोल्ट्री पक्षी 100 रुपये मुआवजा निर्धारित किया गया है।

उन्होंने बताया कि जिलों में राहत वितरण को तेज करते हुए आज पंजाब के वित्त मंत्री एडवोकेट हरपाल सिंह चीमा ने दिड़बा हलके के 11 गांवों के 81 बाढ़ प्रभावित किसानों को 22.71 लाख रुपये की मुआवजा राशि के मंजूरी पत्र सौंपे। कैबिनेट मंत्री एवं आम आदमी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष अमन अरोड़ा ने सुनाम के 11 गांवों के 82 प्रभावित परिवारों को 17.47 लाख रुपये वितरित किए। अजनाला में विधायक कुलदीप सिंह धालीवाल ने कई गांवों के 594 परिवारों को 2.09 करोड़ रुपये दिए, जबकि महल कलां हलके में विशेष अधिकार समिति के चेयरमैन कुलवंत सिंह पंडोरी ने 27 लाभार्थियों को 5.49 लाख रुपये वितरित किए, जिससे महल कलां हलके में कुल 41 बाढ़ पीड़ितों को 9.82 लाख रुपये का मुआवजा दिया गया है।

घनौर हलके में विधायक गुरलाल घनौर और पी.आर.टी.सी. के चेयरमैन रंजोध सिंह हडाना ने 3,478 एकड़ फसली क्षेत्र के नुकसान के मुआवजे के रूप में 11 बाढ़ प्रभावित गांवों के 2,113 लाभार्थियों को 5.15 करोड़ रुपये के मंजूरी पत्र सौंपे।

भदौर हलके में विधायक लाभ सिंह उग्गोके ने 16 गांवों के बाढ़ प्रभावित किसानों को 32 लाख रुपये वितरित किए। बाढ़ प्रभावित लोगों ने पंजाब सरकार का कठिन समय में उनके साथ डट कर खड़े रहने के लिए धन्यवाद किया।

हंसाली खेल दौड़ 2025 का सफल समापन, हज़ारों लोगों ने साथ जुड़कर दिया

हिन्द जनपथ
मोहाली / श्री फतेहगढ़ साहिब (ब्यूरो)। हंसाली खेल दौड़ 2025 का दो दिवसीय मैराथन आज भव्य तरीके से संपन्न हुआ। इसमें हज़ारों धावकों, खेल प्रेमियों और स्वास्थ्य प्रेमियों ने भाग लिया। इस अवसर पर न केवल पंजाब से, बल्कि अन्य राज्यों से भी लोग पहुंचे।

यह भव्य आयोजन हंसाली साहिब ट्रस्ट द्वारा संत बाबा परमजीत सिंह जी हंसाली साहिब वालों के नेतृत्व में ब्रह्म ज्ञानी संत बाबा अजीत सिंह जी हंसाली साहिब वालों के आशीर्वाद से आयोजित किया गया था। इस आयोजन को पंजाब पर्यटन, पैरागॉन सीनियर सेकेंडरी स्कूल सेक्टर 69 मोहाली और इंडिया रन फेस्टिवल का सहयोग प्राप्त था।

इस दौड़ का उद्देश्य नशामुक्त पंजाब का संदेश फैलाना, कैंसर के प्रति जागरूकता बढ़ाना और 100 वर्षीय महान धावक स्व. फौजा सिंह जी को श्रद्धांजलि देना था।

5, 10, 21 और 42 किलोमीटर की श्रेणियों में 4,000 से ज़्यादा प्रतिभागियों, जिनमें सभी आयु वर्ग के पुरुष और

महिलाएं शामिल थे, ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। दौड़ पूरी करने वाले प्रत्येक धावक को एक पदक प्रदान किया गया, जबकि प्रत्येक श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वालों को ट्रॉफी, पदक और नकद पुरस्कार दिए गए।

10 किलोमीटर श्रेणी में प्रथम पुरस्कार 5100 रुपए, द्वितीय 2500 रुपए और तृतीय 1100 रुपए था। 21 किलोमीटर श्रेणी में प्रथम पुरस्कार 11000 रुपए, द्वितीय 5100 रुपए और तृतीय 3100 रुपए था। इसी प्रकार, 42 किलोमीटर मैराथन के लिए प्रथम पुरस्कार 15000 रुपए, द्वितीय 10100 रुपए और तृतीय 5000 रुपए था।

पुरुषों (18-34 वर्ष) की 42 किलोमीटर श्रेणी में, रहीम के.एस. ने 2:45:40 के शानदार समय के साथ प्रथम स्थान प्राप्त किया। दिनेश जंगा 2:49:20 के समय के साथ दूसरे और राघव ज्योत 2:50:44 के समय के साथ तीसरे स्थान पर रहे।

इस अवसर पर संत बाबा परमजीत सिंह जी हंसाली साहिब वाले ने कहा कि 'यह दौड़ केवल एक खेल नहीं है, यह युवाओं को स्वास्थ्य और अनुशासन के प्रति जागृत करने का एक आह्वान है और हर कदम मानवता के कल्याण की ओर है।'

इंडिया रन फेस्टिवल के दीप शेरगिल ने कहा कि यह दौड़ आस्था और फिटनेस को जोड़ने वाली एक कड़ी है, जिसने समाज में सकारात्मक बदलाव का संदेश दिया।

उन्होंने कहा कि इन खेलों का अगला उत्सव बड़े पैमाने पर आयोजित किया जाएगा, ताकि अधिक से अधिक लोग इस मिशन से जुड़ सकें और एक स्वस्थ और नशामुक्त पंजाब का सपना साकार हो सके। यह उत्सव 8 नवंबर 2025 को हंसाली स्टेडियम में बिब एक्सपो के साथ शुरू हुआ, जहां धावकों को उनकी रनिंग किट प्रदान की गई। सुजुकी, टोयोटा, अल्ट्रा वायलेट और ट्रायम्फ जैसी कंपनियों ने अपनी नई बाइक और कारों के प्रदर्शन से इस आयोजन को और भी बेहतर बना दिया।

गैंगस्टर-आतंकी नेटवर्क से जुड़े दो और सदस्य गिरफ्तार; ग्लॉक पिस्तौल बरामद

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़/अमृतसर(ब्यूरो)। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के निर्देशों के तहत पंजाब को सुरक्षित राज्य बनाने के लिए चल रही मुहिम के दौरान, स्टेट स्पेशल ऑपरेशन सेल (एस एस ओ सी) अमृतसर ने काउंटर इंटेलिजेंस (सी आई) पठानकोट के साथ संयुक्त अभियान में राज्य के कई जिलों में सक्रिय एक गैंगस्टर-आतंकी मॉड्यूल से जुड़े दो और व्यक्तियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से एक आधुनिक 9 मिमी ग्लॉक पिस्तौल, तीन मैगजीन और पांच जिंदा कारतूस बरामद किए हैं। यह जानकारी पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) पंजाब गौरव यादव ने आज यहां दी।

गिरफ्तार व्यक्तियों की पहचान हरप्रीत सिंह निवासी बाउपुर अफगाना, गुरदासपुर और नवप्रीत सिंह निवासी गांव माछीवाल, अमृतसर के रूप में हुई है।

डीजीपी गौरव यादव ने बताया कि प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आरोपी अपने यूके-आधारित हैंडलर के निर्देशों पर काम कर रहे थे, जिसने उन्हें हथियार उपलब्ध कराए थे और गुरदासपुर, बटाला और अमृतसर क्षेत्रों में कुछ व्यक्तियों की रेकी करने का काम सौंपा था। उन्होंने आगे बताया कि गिरफ्तार आरोपी राज्य में दहशत फैलाने और सामाजिक शांति भंग करने के लिए मिलकर हत्याओं की योजना बना रहे थे।

डीजीपी ने कहा कि इससे पहले भी इसी मॉड्यूल के दो सदस्यों को गिरफ्तार किया गया था, जिनसे एक हैंड ग्रेनेड और पिस्तौल बरामद की गई थी। उन्होंने बताया कि इस मामले की आगे की जांच के दौरान अब और गिरफ्तारियां की गई हैं।

श्री गुरु तेग बहादुर जी का 350वां शहीदी दिवस: पंजाब के 35 हजार स्कूलों में नौवें पातशाह की महान शिक्षाओं का प्रसार

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। ऐतिहासिक और आध्यात्मिक वातावरण में डूबे पंजाब के 35,000 से अधिक स्कूलों में आज विशेष प्रार्थना सभाएँ आयोजित की गईं, जिनमें 70 लाख विद्यार्थियों को श्री गुरु तेग बहादुर साहिब जी के जीवन, अमर शहादत और शिक्षाओं से अवगत कराया गया। यह पहल 15-दिवसीय शिक्षा कार्यक्रम के तहत की गई है। उल्लेखनीय है कि राज्य के सभी बोर्डों से संबद्ध सरकारी, निजी और सहायता प्राप्त स्कूलों में—नर्सरी से लेकर 12वीं कक्षा तक—यह अनिवार्य शिक्षा कार्यक्रम शुरू किया गया है, ताकि विद्यार्थियों में सत्य, न्याय, अधिकार और नैतिक मूल्यों की भावना विकसित की जा सके।

इस कार्यक्रम को मिली व्यापक प्रतिक्रिया पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए पंजाब के शिक्षा मंत्री स हरजोत सिंह बैंस ने कहा, "आज जो दृश्य हमने देखा, वह केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि एक आंदोलन है। पंजाब के भविष्य—70 लाख से अधिक विद्यार्थियों—ने सामूहिक रूप से उस नौवें पातशाह श्री गुरु तेग बहादुर साहिब जी के जीवन और दर्शन के बारे में जाना, जिन्होंने धर्म, सत्य और न्याय के लिए अपने प्राण न्योछावर कर दिए। यह क्षण न केवल भावनात्मक है, बल्कि पंजाब की शिक्षा नीति का आधार भी है, जिसके अंतर्गत हम केवल विद्वान ही नहीं, बल्कि चरित्रवान और मूल्यनिष्ठ नागरिक तैयार कर रहे हैं।"

उन्होंने आगे कहा कि इस अनमोल ज्ञान को विद्यालयों की दिनचर्या में शामिल कर, राज्य सरकार बच्चों को एक ऐसी नैतिक दिशा प्रदान कर रही है जो जीवनभर उनका मार्गदर्शन करती रहेगी। यह राज्यव्यापी पहल मुख्यमंत्री स भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली सरकार के उस सतत प्रयास का हिस्सा है, जिसके तहत शिक्षा में नैतिक मूल्यों और पंजाब की समृद्ध विरासत को जोड़ा जा रहा है, ताकि युवाओं को श्री गुरु तेग बहादुर जी की शाश्वत विरासत से जोड़ा जा सके।

यह शिक्षा कार्यक्रम 30 नवंबर 2025 तक चलेगा। इसके अंतर्गत प्रतिदिन सुबह की सभा में 10–12 मिनट तक विद्यार्थियों को श्री गुरु तेग बहादुर जी के जीवन, शहादत, माता गुजरी जी के जीवन और खालसा पंथ की स्थापना के इतिहास के बारे में बताया जाएगा। इसके अतिरिक्त विशेष भाषण, कविता पाठ, वक्तृत्व प्रतियोगिताएँ, निबंध लेखन तथा ऐतिहासिक पुस्तकों के वितरण जैसे कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे।

संपादकीय

भारत के खिलाफ नापाक हरकतों से बाज आए पाकिस्तान

राष्ट्रविरोधी ताकतें भारत में रक्तपात के जरिए अस्थिरता फैलाने की गहरी साजिश में जुटी हुई हैं. ये ताकतें लाख कोशिशें कर लें, अपने मंसूबों में कभी सफल नहीं हो पाएंगी. ये राष्ट्रविरोधी तत्व पाकिस्तान के इशारे पर भारत में अपने नापाक मंसूबों को पूरा करने में जुटी हुई हैं. उन्हें यह समझ लेना चाहिए कि भारत एक मजबूत देश है.

भारतीय सेना, सुरक्षा बल, खुफिया एजेंसियां तथा देश का एक-एक जवान अपने राष्ट्र की रक्षा के लिए किसी भी सीमा तक जाकर बलिदान करने को तैयार रहता है. इन राष्ट्रविरोधी ताकतों के ताजा षड्यंत्र को रविवार और सोमवार को हमारी खुफिया एजेंसी एवं सुरक्षा बलों ने नाकाम कर दिया.

गुजरात एटीएस ने चीन से डॉक्टरी की पढ़ाई करके आए एक व्यक्ति सहित तीन आतंकवादियों को गिरफ्तार कर भारत में भीषण तबाही मचाने की साजिश को नाकाम कर दिया. इस बार आतंकी जहर तैयार कर बड़ी संख्या में लोगों की जान लेने की साजिश रच रहे थे. ये लोग 'रिसिन' नामक अत्यधिक जहरीला रसायन बना रहे थे.

इन लोगों ने लखनऊ, दिल्ली और अहमदाबाद सहित देश के कई नगरों में संवेदनशील स्थानों की रेकी की थी. रविवार को ही सुरक्षा बलों ने कश्मीर में सिम कार्ड के माध्यम से आतंक फैलाने की साजिश को विफल कर दिया. इस सिलसिले में सोमवार को भी कश्मीर में बड़े पैमाने पर कार्रवाई हुई और 7 संदिग्ध आतंकियों को गिरफ्तार कर लिया गया. आतंकवादी अपनी गतिविधियों के लिए छोटे शहरों को अपना कार्य क्षेत्र बना रहे हैं. दिल्ली के पास फरीदाबाद के धौजगांव में सोमवार को करीब 360 किलो विस्फोटक बरामद किए गए. दूसरी ओर कश्मीर में सोमवार को करीब तीन हजार किलो विस्फोटक बनाने वाली सामग्री जब्त की गई. आतंकियों ने अपनी साजिश को अंजाम देने के लिए नए पैंतरे अपनाने शुरू कर दिए हैं.

अपने विनाश और बर्बादी की पटकथा लिखता खुद कंगाल पाकिस्तान

संजीव ठाकुर

स्वतंत्रता के पश्चात ही पाकिस्तान अपनी गलत नीतियों, गलत आर्थिक नियोजन और भारत के विरोध की चालों के कारण आज जर्जर हालत में दक्षिण एशिया के सर्वाधिक कंगाल एवं गरीब देश की श्रेणी में खड़ा हो गया है।

पाकिस्तान अपने अस्तित्व के सबसे गहरे संकट से गुजर रहा है। आर्थिक, राजनीतिक और सामाजिक दृष्टि से वह एक ऐसी अव्यवस्था में डूब चुका है, जहाँ से निकलने के लिए अब केवल आत्ममंथन और दिशा परिवर्तन की आवश्यकता है। कभी इस्लामी एकता और सामरिक शक्ति का दंभ भरने वाला यह राष्ट्र अब अपनी ही गलतियों का शिकार बन गया है। स्वतंत्रता के बाद से पाकिस्तान की राजनीति में विकास नहीं, बल्कि विरोध और वैमनस्य की भावना का वर्चस्व रहा है। उसने अपने सीमित संसाधनों और मानवीय क्षमता को शिक्षा, उद्योग और नागरिक विकास में लगाने के बजाय हथियारों, आतंकवाद और सैन्य विस्तार में झोंक दिया। नतीजतन वहाँ लोकतंत्र बार-बार सैन्य तख्तों के नीचे कुचला गया और जनता गरीबी, बेरोजगारी तथा महंगाई की दलदल में धंसती चली गई।

इमरान खान की सरकार के तीन वर्ष पाकिस्तान के इतिहास के सबसे गर्त में डूबे हुए वर्ष साबित हुए। आर्थिक स्थिति इतनी विकट हो गई कि रोजमर्रा की वस्तुएँ भी आम आदमी की पहुँच से बाहर हो गईं। गेहूं, चावल, आटा, शक्कर और फल जैसी बुनियादी चीज़ें अब विलासिता की श्रेणी में आ गई हैं। पेट्रोल-डीज़ल की कीमतों ने परिवहन और उद्योग दोनों को प्रभावित किया है, जिससे वस्तुओं की आपूर्ति ठप पड़ गई है। इमरान सरकार के पतन के बाद जनता को उम्मीद थी कि शाहबाज शरीफ कुछ सुधार करेंगे, पर यह सरकार तो और अधिक असमर्थ और दिशाहीन साबित हुई। पाकिस्तान के विदेशी मुद्रा भंडार में अब केवल कुछ अरब डॉलर शेष हैं, जिससे सरकार को रोजमर्रा का खर्च चलाने के लिए भी अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के आगे हाथ फैलाने पड़ रहे हैं। कराची में बलूच आतंकवादियों द्वारा किए गए बम विस्फोट में चीनी नागरिकों की मौत के बाद पाकिस्तान का सबसे विश्वसनीय सहयोगी देश–चीन भी उससे दूरी बना चुका है। चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे की कई परियोजनाएँ ठप हो गई हैं, और आर्थिक सहायता तत्काल प्रभाव से रोक दी गई है। चीन के बाद सऊदी अरब, तुर्की और अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने भी पाकिस्तान की मदद को अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया है। इस आर्थिक अलगाव ने पाकिस्तान को कूटनीतिक स्तर पर भी हाशिए पर पहुँचा दिया है। अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस, कनाडा और यूरोपीय देशों के साथ उसके संबंध पहले से ही शिथिल थे। भारत के प्रति उसकी कटुता ने उसे दक्षिण एशिया में भी अकेला कर दिया है। इसी बीच पाकिस्तान प्राकृतिक आपदाओं के भीषण दौर से गुजर रहा है। बिजली उत्पादन ठप है, जलस्रोत सूख चुके हैं, और विभिन्न प्रांतों में तापमान 50 डिग्री सेल्सियस तक पहुँच गया है। बिजली की कमी के कारण पानी की आपूर्ति बाधित है, जिससे सिंध, पंजाब और बलूचिस्तान जैसे प्रमुख कृषि क्षेत्र भयंकर सूखे और भुखमरी का सामना कर रहे हैं। फसलों का विनाश इतना व्यापक है कि अब खेत केवल राख और धूल में बदल चुके हैं। सिंध के मुख्यमंत्री के सलाहकार मंजूर वासन ने स्वीकार किया है कि पानी की कमी और भीषण गर्मी से कपास की पूरी फसल नष्ट हो चुकी है। चावल, गेहूं, गन्ना और आम जैसी प्रमुख फसलें भी झुलसकर बर्बाद हो गई हैं। इस विनाश ने पाकिस्तान की कृषि-आधारित अर्थव्यवस्था की रीढ़ तोड़ दी है। किसान आसमान की ओर देखते हैं, लेकिन वहाँ से राहत नहीं बरसती–सिर्फ धूप और निराशा गिरती है। मीडिया और जनता दोनों ही अब सरकार से पूरी तरह निराश हैं। शाहबाज शरीफ का मंत्रिमंडल अनुभवहीन और विभाजित है, और जनता के मुद्दों से कट चुका है। नवाज शरीफ की सलाहें अप्रासंगिक साबित हो रही हैं, जबकि शाहबाज शरीफ का प्रशासनिक कौशल इस संकट की गंभीरता के सामने फीका पड़ गया है। राजनीतिक अस्थिरता, आंतरिक आतंकवाद और बढ़ती बेरोजगारी ने आम नागरिक को निराशा के गर्त में धकेल दिया है। पाकिस्तान की मीडिया जो कभी सुधार की उम्मीद कर रही थी, अब सरकार की बखिया उधेड़ने में लगी है। जनता के बीच यह धारणा मजबूत हो चुकी है कि उनके नेता केवल भारत-विरोध के सहारे सत्ता में बने रहना चाहते हैं, न कि जनता की भलाई के लिए शासन चला रहे हैं। पाकिस्तान की मौजूदा स्थिति आत्मविनाश की पराकाष्ठा है। एक ओर वह अंतरराष्ट्रीय सहायता के लिए गिड़गिड़ा रहा है, तो दूसरी ओर अपने ही पड़ोसी भारत के खिलाफ अनर्गल बयानबाज़ी जारी रखे हुए है। शाहबाज शरीफ का यह कहना कि वह अपनी कमीज बेचकर भी जनता को रोटी देंगे, अब व्यंग्य बड़ा प्रासंगिक हो गया है, क्योंकि देश के पास रोटी देने की क्षमता तो दूर, बिजली और पानी तक की उपलब्धता नहीं रह गई है। यदि पाकिस्तान को वास्तव में अपनी स्थिति सुधारनी है, तो उसके पास एक ही विकल्प बचा है कि वह अपनी पुरानी दुश्मनी और कट्टर मानसिकता को त्यागकर भारत से व्यापारिक और सांस्कृतिक संबंध स्थापित करे। भारत अतीत में भी पाकिस्तान को कपास, गेहूं और चावल जैसी वस्तुएँ रियायती दरों पर उपलब्ध कराता रहा है। भारत ने श्रीलंका जैसे देशों की आर्थिक मदद कर उनके पुनर्निर्माण में सहयोग दिया है। पाकिस्तान चाहे तो उसी मार्ग पर चलकर आर्थिक स्थिरता प्राप्त कर सकता है। पर इसके लिए उसे अपनी नीति, दृष्टि और व्यवहार में आमूल परिवर्तन करना होगा। पाकिस्तान को अब यह समझना चाहिए कि उसकी सबसे बड़ी ताकत उसकी जनता, उसके खेत और उसके संसाधन हैं न कि उसकी बंदूकें। जब तक वह अपने लोगों को भोजन, रोजगार और शिक्षा नहीं देगा, तब तक उसकी कोई भी सरकार टिक नहीं सकती। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष, चीन या सऊदी अरब की सहायता भी तब तक निष्फल रहेगी, जब तक पाकिस्तान स्वयं आत्मनिर्भरता की दिशा में ठोस कदम नहीं उठाएगा। पाकिस्तान की दुर्दशा किसी बाहरी शक्ति की साज़िश नहीं, बल्कि उसके आत्मघाती निर्णयों का परिणाम है। धर्म और कट्टरता के नाम पर नीतियाँ बनाना, आतंकवाद को प्रश्रय देना और भारत के साथ निरंतर वैमनस्य बनाए रखना–यही उसकी सबसे बड़ी भूलें रही हैं।

अफगान सिनेमा का अन्धकार दूर कर सकता है भारत

विश्व सिनेमा

– डॉ. मनीष जैसल

लेखक मीडिया शिक्षक एवं फिल्म समीक्षक हैं।

काबुल की किसी पुरानी गली में आज भी कोई बुज़ुर्ग यह याद करता होगा कि कैसे कभी वहाँ भारतीय फिल्मों के पोस्टर टंगे रहते थे । राज कपूर, धर्मेंद्र या मधुबाला के नाम पर सिनेमा हॉल खचाखच भर जाते थे । अफ़ग़ानिस्तान और भारत के बीच यह रिश्ता सिर्फ़ सीमाओं का नहीं, भावनाओं का भी था। दोनों देशों की जनता ने एक-दूसरे की कहानियों में अपना अक्स देखा जिसमें संघर्ष, प्रेम, उम्मीद और ज़िंदगी के रंग भी शामिल थे । लेकिन बीते दो दशकों में यह रिश्ता बहुत कुछ खो चुका है। तालिबान की वापसी के बाद अफ़ग़ानिस्तान ने न केवल अपने लोकतांत्रिक संस्थान खोए, बल्कि अपनी सिने-संस्कृति की आत्मा भी ख़त्म सी कर ली । एक समय जो देश ओसामा, अर्थ एंड ऐशेज़ और हवा, मरियम, आयशा जैसी फिल्मों से दुनिया को प्रभावित कर रहा था, वहाँ अब कैमरे खामोश हैं और परदे अंधेरे में डूब चुके हैं ।

हाल के महीनों में भारत और अफ़ग़ानिस्तान के बीच राजनैतिक बातचीत फिर से शुरू हुई हैं। भारत ने मानवीय सहायता के साथ स्वास्थ्य और शिक्षा के क्षेत्र में नई परियोजनाओं की घोषणा की है । लेकिन असली सवाल यह है कि क्या यह सहयोग केवल आर्थिक और राजनीतिक रहेगा, या फिर भारत उस सांस्कृतिक पुनर्जागरण में भी हाथ बढ़ाएगा, जिसने सिनेमा के ज़रिए कभी दोनों देशों को जोड़ा था । अफ़ग़ानिस्तान के लिए सिनेमा सिर्फ़ कला नहीं, आत्मपहचान का माध्यम था। और भारत, जो दुनिया की सबसे बड़ी फिल्म उद्योगों में से एक है, तकनीकी मदद, प्रशिक्षण और संयुक्त निर्माण के ज़रिए उस पहचान को फिर से रोशनी में ला सकता है ।

अफ़ग़ानिस्तान में सिनेमा की शुरुआत 1960 के दशक में हुई थी, जब अफगान फिल्म ऑर्गेनाइजेशन की स्थापना हुई। यह संस्था देश में फिल्म निर्माण, संरक्षण और कलाकारों के प्रशिक्षण का केंद्र बनी। 1970 से 1980 के दशक तक अफ़ग़ानिस्तान ने अपनी पहचान बनानी शुरू की थी। लेकिन युद्ध और सामाजिक अस्थिरता ने इस उभरते सिनेमा को तोड़ दिया।

2001 के बाद जब अंतरराष्ट्रीय समुदाय की मदद से अफ़ग़ानिस्तान में थोड़ी स्थिरता लौटी, तो वहाँ की फिल्म इंडस्ट्री ने भी फिर से साँस ली। युद्ध और दमन के बीच, कुछ फिल्मकारों ने उम्मीद की लौ जलाए रखी। सिद्धिक बर्मक की 'ओसामा' (2003) वह फिल्म थी जिसने तालिबान शासन में महिलाओं की त्रासदी को बेहद मार्मिक ढंग से दिखाया। इस फिल्म ने गोल्डन ग्लोब अवॉर्ड जीतकर न केवल अफ़ग़ान सिनेमा को वैश्विक पहचान दिलाई, बल्कि यह साबित किया कि कैमरा बंदूक से ज़्यादा असरदार हो सकता है। इसके बाद अतीक रहिमी की 'अर्थ एंड एशेज़' (2004) और 'द पेशेंस स्टोन' (2012) जैसी फिल्मों ने अफ़ग़ान समाज की संवेदनशील परतों को दुनिया के सामने रखा–जहाँ युद्ध, स्मृति और मानवीय जिजीविषा एक साथ सांस लेते हैं। लेकिन 2021 में तालिबान के दोबारा सत्ता में लौटते ही यह उभरती हुई सिनेमाई संस्कृति फिर से बिखर गई। देश की एकमात्र फ़िल्म संस्था ढ्ढद्दद्धड्डठ्ठ स्नद्बद्यद्द ह्लद्दड्डठ्ठद्ब5ड्डह्लद्बश्ठ्ठ को भंग कर दिया गया, सिनेमाघर बंद हुए, महिलाओं की भागीदारी पर रोक लगी, और सैकड़ों कलाकारों को देश छोड़ना पड़ा। काबुल, हेरात और मजार-ए-शरीफ़ के पुराने सिनेमा हॉल अब खंडहरों में बदल चुके हैं। फिल्म निर्माण लगभग ठप है, पर रचनात्मकता अभी भी निर्वासन में ज़िंदा है। इन्हीं कठिन हालात में अफ़ग़ान फिल्मकारों ने सीमित संसाधनों के बावजूद वैश्विक मंचों पर अपनी आवाज़ बुलंद की। सिद्दिक बर्मक की 'ओसामा' को गोल्डन ग्लोब के साथ ही कान फ़िल्म महोत्सव में विशेष उल्लेख मिला। अतीक रहिमी की 'अर्थ एंड ऐशेज़' को कान फ़िल्म महोत्सव में प्रिक्स दू रिगार्ड वेर ल'आवेनिर अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। रूया सादात की 'ए लेटर टू द प्रेसिडेंट' (2017) को टोक्यो फ़िल्म महोत्सव में सराहा गया, जबकि सहरा करिमी की 'हवा, मरियम, आयशा' (2019) वेनिस फ़िल्म महोत्सव में प्रदर्शित हुई। वहीं सलिम शहीन, जिन्हें अफ़ग़ानिस्तान का 'नथिंगवुड किंग' कहा जाता है, ने बेहद सीमित साधनों में सौ से अधिक स्थानीय फ़िल्में बनाकर लोगों के मनोबल को ज़िंदा रखा। भारत और अफ़ग़ानिस्तान के रिश्ते सिर्फ़ कूटनीतिक या रणनीतिक नहीं, सांस्कृतिक भी रहे हैं। भारत ने अफ़ग़ान फिल्मकारों को न सिर्फ़ तकनीकी सहायता दी, बल्कि भारतीय फिल्म संस्थानों एफटी टी आई और सत्यजीत रे फिल्म एंड टेलीविजन इंस्टिट्यूट में अफ़ग़ान छात्रों को प्रशिक्षण दिया। भारत सरकार की सहायता से कई अफ़ग़ान डॉक्यूमेंट्री और सांस्कृतिक फिल्में बनीं, जिनमें बामियान बुद्ध मूर्तियों और काबुल के ऐतिहासिक स्थलों का दस्तावेजीकरण हुआ। तालिबान काल से पहले भारत ने काबुल में भारतीय सांस्कृतिक केंद्र के माध्यम से फिल्म प्रदर्शन, अभिनय कार्यशालाएँ और तकनीकी सहयोग जारी रखा था। अफ़ग़ानिस्तान भारतीय सिनेमा की कल्पना में हमेशा एक रहस्यमय, वीर और भावनात्मक भूमि के रूप में रहा है। भारतीय फिल्मों ने वहाँ की धरती को परदे पर उतारकर दोनों देशों के बीच दोस्ती का एक कलात्मक पुल बनाया। 1975 में आई फिरोज खान की 'धर्मात्मा' इस परंपरा की शुरुआत थी। यह संभवतः पहली भारतीय फिल्म थी जो अफ़ग़ानिस्तान में शूट हुई, बामियान और कंधार के मनोहर दृश्यों में फिल्माए गए दृश्य आज भी यादगार हैं। फिल्म में बुज़कशी खेल और अफ़ग़ान कबायली जीवन का जीवंत चित्रण हुआ था। फिर 1992 में आई 'खुदा गवाह' ने तो इतिहास बना दिया। अमिताभ बच्चन और श्रीदेवी पर आधारित यह फिल्म काबुल, मजार-ए-शरीफ़ और अफ़ग़ान एयरबेस में फिल्माई गई थी। तत्कालीन राष्ट्रपति नजीबुल्लाह ने इसकी शूटिंग के लिए विशेष अनुमति दी थी। अफ़ग़ान दर्शक आज भी इस फिल्म को भारत की ओर से सम्मान के प्रतीक के रूप में देखते हैं। 21वीं सदी में निर्देशक कबीर ख़ान की 'काबुल एक्सप्रेस' (2006) ने युद्धोत्तर अफ़ग़ानिस्तान को पहली बार यथार्थ के रूप में दिखाया। काबुल और पंजशीर घाटी में फिल्माई गई इस फिल्म में स्थानीय नागरिकों का सहयोग इसे विशिष्ट बनाता है। वहीं हाल के वर्षों में फिल्म 'टोरबाज़' (2020) ने युद्धग्रस्त बच्चों की कहानी कहकर अफ़ग़ान समाज के दर्द को फिर से उजागर किया। भले ही फिल्म उज्बेकिस्तान में शूट हुई, पर इसकी आत्मा अफ़ग़ान मिट्टी से जुड़ी थी।

आज जब तालिबान शासन ने सिनेमा को फिर से संदेह की दृष्टि से देखा है, तब भारत के सामने अवसर है कि वह अफ़ग़ान सिनेमा को संरक्षण देने में एक सांस्कृतिक सहयोगी की भूमिका निभाए। भारत अपने नेशनल फिल्म आर्काइव, फिल्म्स डिविजन और आईसी सी आर जैसी संस्थाओं के ज़रिए अफ़ग़ान फिल्मों को डिजिटल रूप में सुरक्षित कर सकता है।

वर्ग पहेली 5910

1	2	3		■	4	5	6
7			■	■	8		
	■	9					■
10	11		■	■	12		13
14		■	15	16	■	■	
■	■	17			18		■
19	20	■				■	22
23				■	26		

संकेत: बाएं से दाएं
1. राष्ट्रीय गीत को सर्वप्रथम कांग्रेस के अधिवेशन में यहां गाया गया था (4)
4. पुराणानुसार गांधार देश के एक राजा जो शकुनि और गांधारी के पिता थे (3)
7. किसी मात्रा में, किस परिणाम में (3)
8. संसार के सभी लोग या लोक समूह को यह भी कहते है (3)
9. डकैत से सांसद बनी एक भारत की राजनेता (5)
10. कृपणता, अनुदारता, शूमी (3)
12. विवाह के समय वधू का वर को अंगीकार करना, यदि ऐसा न होगा तो (3)
14. ठगठनाहट, खनखन (2)
15. ऋग्वेद के अनुसार एक प्रकार का पेय जो देव और दानव दोनों को प्रिय था, चंद्रमा का एक नाम (2)
17. मध्यप्रदेश कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता जो क 16 वी लोकसभा के सबसे लंबे समय तक सेवारत सदस्य थे (5)
19. देह के बाल, रोआं (2)
21. मुखिया, नेता, अभिनेता (3)
23. सार्वजनिक मार्ग, राहगुजर (4)
24. महाराष्ट्र का गोदावरी नदी के तट पर बसा एक नगर (3)

ऊपर से नीचे
1. कोयल की तरह मधुर स्वर वाला या वाली (5)
2. बुरी आदत, दुर्व्यसन, चसका (2)
3. जो बात कान के पास आकर धीरे से कही जाए (4)
4. भगतसिंह के साथ इन्हें भी फांसी पर चढ़ाया गया था (4)
5. बलिष्ठ, उर्जस्वी (4)
6. भाग्य को अंग्रेजी में यह कहते है (2)
11. बेला, वक्त (2)
13. संबंध से, हेतु, वास्ते (2)
15. प्रसिद्ध द्वादश ज्योतिर्लिंगों में से एक काठियावाड के पश्चिमी तट पर स्थित है (4)
16. दक्षिण पवन, दक्षिण भारत का एक पर्वत (3)
18. घेराबंदी करना (3)
19. प्रतिदिन, नित्य, गुलाब (2)
20. अंतकरण, हृदय, दिल, चित्त (2)
22. पत्र आदि पहुंचाने की सरकारी व्यवस्था (2)

वर्ग पहेली 5909 का हल

र	डा	र	■	गो	दा	व	री
म	क	स	द	■	व	र	ना
■	खा	द	र	■	त	क	■
घा	ना	■	कि	ला	■	न्या	य
न	■	वि	ना	य	क	■	था
■	अ	द	र	क	■	भा	व
म	जा	ल	■	■	सू	र	त
■	न	न	सा	र	■	त	■

व्यावसायिक विकास में पिछड़ रही हैं मानवीय भावनाएं?

अदिति सिंह भदौरिया

आज के समय में 'व्यावसायिक विकास' या 'प्रोफेशनल ग्रोथ' को जीवन की सफलता का प्रमुख मापदंड माना जाने लगा है। हर व्यक्ति अपने क्षेत्र में आगे बढ़ना चाहता है, अधिक पद, अधिक वेतन, और अधिक प्रतिष्ठा प्राप्त करना उसकी प्राथमिकता बन चुकी है। परंतु इस दौड़ में एक बड़ा प्रश्न उठता है–क्या इस निरंतर प्रगति के बीच मानवीय भावनाएँ पीछे छूटती जा रही हैं? क्या हम पेशेवर बनते-बनते संवेदनशील इंसान रह ही नहीं गए?

व्यावसायिक विकास का अर्थ है ,अपने कार्यक्षेत्र में निरंतर निपुणता प्राप्त करना, नए कौशल सीखना और उच्च पदों तक पहुँचना। इसमें कोई संदेह नहीं कि यह हर व्यक्ति के जीवन के लिए आवश्यक है, क्योंकि आज के प्रतिस्पर्धात्मक युग में बिना प्रगति के टिके रहना कठिन है। परंतु समस्या तब उत्पन्न होती है जब यह 'प्रगति' केवल आर्थिक लाभ और भौतिक उपलब्धियों तक सीमित रह जाती है, और इंसान अपने भीतर की भावनाओं, संवेदनाओं तथा रिश्तों की गर्माहट से दूर होने लगता है।

कार्यालयों में आज 'प्रोफेशनलिज़्म' का अर्थ प्रायः भावनाओं को दबाने से लगाया जाने लगा है। कर्मचारियों से अपेक्षा की जाती है कि वे केवल कार्य के प्रति समर्पित रहें, व्यक्तिगत जुड़ाव न दिखाएँ, और हर परिस्थिति में 'फॉर्मल' व्यवहार करें। इससे धीरे-धीरे कार्यस्थलों पर मानवीय संबंधों की आत्मीयता कम होती जा रही है। सहकर्मियों के बीच वह अपनापन, जो पहले सामूहिक कार्य का आधार होता था, अब 'टारगेट' और 'डेडलाइन' की भीड़ में खो गया है।

तकनीकी विकास ने भी इस दूरी को बढ़ाया है। ईमेल, चैट और ऑनलाइन मीटिंग्स ने संवाद को सरल तो बना दिया, परंतु मानवीय स्पर्श और आत्मीय वार्तालाप को लगभग समाप्त कर दिया। जहाँ पहले किसी सहकर्मी के दुख-सुख में सहभागी होना सहज था, वहीं अब हर किसी के पास 'समय की कमी' का बहाना है। इंसान काम में इतना उलझ गया है कि दूसरों की भावनाएँ समझने का धैर्य ही नहीं बचा।

व्यावसायिक सफलता की यह अंधी दौड़ कई बार हमें अपने परिवार और मित्रों से भी दूर कर देती है। नौकरी में उत्कृष्ट प्रदर्शन की चाह में हम अपने प्रियजनों के साथ बिताने वाला समय खो देते हैं। माता-पिता, जीवनसाथी या बच्चे–सभी धीरे-धीरे हमारे 'शेड्यूल' का हिस्सा बन जाते हैं, जबकि पहले वे हमारी भावनाओं का केंद्र हुआ करते थे। इससे व्यक्ति भले ही बाहरी रूप से सफल दिखाई दे, पर भीतर से अकेलापन और असंतोष बढ़ता जाता है। यह स्थिति केवल व्यक्तिगत नहीं, बल्कि सामाजिक स्तर पर भी चिंताजनक है। जब समाज के अधिकतर लोग भावनाओं की बजाय लाभ और प्रतिष्ठा को प्राथमिकता देने लगते हैं, तो सामूहिक संवेदना कमजोर होती है। दूसरों की सहायता, सहानुभूति और करुणा जैसी मानवीय विशेषताएँ धीरे-धीरे दुर्लभ हो जाती हैं। परिणामस्वरूप, समाज अधिक यांत्रिक और स्वार्थी बनता जा रहा है। फिर भी यह कहना गलत होगा कि व्यावसायिक विकास और मानवीय भावनाएँ साथ नहीं चल सकतीं।

आज का राशिफल

मेष

परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आलस्य का त्याग करें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा।

वृष

जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आय-व्यय समान रहेगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। सुख-आनंद कारक समय है। अपने काम पर ध्यान दीजिए। अंधविश्वासी न बनें।

मिथुन

लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी।

कर्क

किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा। बुद्धि और धन का दुरूपयोग न करें व्यर्थ के आडम्बरों से बचें। अपनी परिसंपत्ति को संभालकर रखें। परिवार में किसी का स्वास्थ्य खराब हो सकता हैं। मानसिक तनाव में बढ़ोतरी होगी। पुराने मित्र से मिलन होगा।

सिंह

कुछ पिछले संकट अब सिर उठा सकते हैं। निकट जनों के लिए अर्थव्यवस्था हेतु जोड़-तोड़ करना पड़ेगा। अपने संघर्ष में स्वयं को अकेला महसूस करेंगे। विशेष परिश्रम से ही अभिष्ट कार्य सिद्ध होंगे। नौकरी में अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा।

कन्या

सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होंगी। अल्प-परिश्रम से ही लाभ होगा। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। आर्थिक ङ्क्षचताएं कम होगी।

तुला

भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। कार्यसिद्धि में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। यात्रा का योग।

वृश्चिक

शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में कोई मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे।

धनु

लाभ में आशातीत वृद्धि तय हैं मगर नकारात्मक रुख न अपनाएं। किसी पुराने संकल्प को पुरा कर लेने का दिन हैं। %आगे-आगे गौरख जागे' वाली कहावत चरितार्थ होगी। निष्ठा से किया गया कार्य पराक्रम व आत्मविश्वास बढ़ाने वाला होगा। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा।

मकर

कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों का समागम भी। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी।

कुंभ

विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। शुभ कार्यों में अड़चनें और परिवार के बुजुर्ग जनों से मतभेद रहेगा। भय तथा शत्रुहानि की आशंका रहेगी। जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। बनते हुए कार्यों में बाधा आएगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा।

मीन

कार्य साधक दिन है व्यर्थ न गंवाएे। विश्वस्त लोगों के कहे अनुसार चलें। राजकीय कार्यों में सतर्कता बरतें। मान-सम्मान को ठेस लग सकती है। जोश से कम व होश में रहकर कार्य करें। नये आगंतुकों से लाभ होगा। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी।

7 साल बाद बोनस शेयर दे रही कंपनी, मिलेंगे 1 पर 5 शेयर फ्री

नई दिल्ली, एजेंसी। बीते एक साल में निवेशकों को 1000 प्रतिशत से अधिक का रिटर्न देने वाली कंपनी ऑटोराइडर्स इंटरनेशनल लिमिटेड ने बोनस शेयर देने का ऐलान किया है। कंपनी की तरफ से 8 साल के बाद एक बार फिर से निवशकों को बोनस शेयर दिया जाएगा। इस बार कंपनी ने 1 शेयर पर योग्य निवेशकों को 5 शेयर बोनस देने का फैसला किया है। 10 नंवबंर को कंपनी की बोर्ड मीटिंग में फैसला हुआ कि 10 रुपये के फेस वैल्यू वाले एक शेयर पर योग्य निवेशकों को 5 शेयर बोनस दिया जाएगा। इससे पहले कंपनी ने 2017 में निवेशकों को बोनस शेयर दिया था। तब कंपनी की तरफ से हर एक शेयर पर योग्य निवेशकों को एक पर एक शेयर बोनस बांटा गया था। ऑटोराइडर्स इंटरनेशनल लिमिटेड ने एक्सचेंज को दी जानकारी में कहा है कि बोर्ड की मीटिंग में 18 नवंबर की तारीख को रिकॉर्ड डेट तय हुआ है। यानी जिन निवेशकों के पास 18 नवंबर को कंपनी के शेयर रहेंगे उन्हें बोनस शेयर का फायदा मिलेगा। इस कंपनी की शेयर बाजार में धूम मची हुई है। कंपनी के शेयरों में महज 3 महीने के अंदर ही 337 प्रतिशत की तेजी आई है। वहीं, 6 महीने में 1326 प्रतिशत की उछाल देखने को मिली है। 1 साल में कंपनी के पोजीशनल निवेशकों को 3393 प्रतिशत का फायदा हुआ है। सोमवार को बाजार के बंद होने के समय पर यह स्टॉक 1.92 प्रतिशत की गिरावट के साथ 4989.35 रुपये के लेवल पर बंद हुआ था। बता दें, कंपनी का 52 वीक हाई 5087.60 रुपये और 52 वीक लो लेवल 149.90 रुपये है। कंपनी का मार्केट कैप 289 करोड़ रुपये का है। ऑटोराइडर्स इंटरनेशन लिमिटेड के शेयर इसी सितंबर के महीने में एक्स-डिविडेंड ट्रेड की थी। तब कंपनी ने एक शेयर पर एक रुपये का डिविडेंड दिया था।

घाटे से मुनाफे में आई स्मॉलकैप कंपनी, रेखा झुनझुनवाला का कंपनी पर बड़ा दांव

नई दिल्ली, एजेंसी। दिग्गज निवेशक रेखा झुनझुनवाला के दांव वाली स्मॉलकैप कंपनी बाजार स्टाइल रिटेल घाटे से मुनाफे में आ गई है। बाजार स्टाइल रिटेल को चालू वित्त वर्ष की सितंबर तिमाही में 51 करोड़ रुपये का कंसॉलिडेटेड मुनाफा हुआ है। एक साल पहले की समान अवधि में कंपनी को 9 करोड़ रुपये का घाटा हुआ था। सालाना आधार पर बाजार स्टाइल रिटेल का रेवेन्यू 71 पर्सेंट बढ़ा है। सितंबर 2025 तिमाही में कंपनी का रेवेन्यू 532 करोड़ रुपये रहा है।

एक साल पहले की समान अवधि में यह 311 करोड़ रुपये था। तिमाही आधार पर 2405 प्रतिशत बढ़ा है कंपनी का मुनाफा तिमाही आधार पर टैक्स भुगतान के बाद बाजार स्टाइल रिटेल का मुनाफा 2405 पर्सेंट बढ़ा है। चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में बाजार स्टाइल रिटेल को 2 करोड़ रुपये का प्रॉफिट हुआ था। बाजार स्टाइल रिटेल का रेवेन्यू तिमाही आधार पर 41 पर्सेंट बढ़ा है। चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में कंपनी का रेवेन्यू 378 करोड़ रुपये था। जुलाई-सितंबर 2025 तिमाही में कंपनी के एक्सपेंसेज 522 करोड़ रुपये रहे, जो कि पहली तिमाही में 377 करोड़ रुपये थे। वहीं, एक साल पहले की समान अवधि में एक्सपेंसेज 325 करोड़ रुपये थे। बाजार स्टाइल रिटेल के शेयर सोमवार को 328.60 रुपये पर बंद हुए हैं।

पिछले 6 महीने में बाजार स्टाइल रिटेल के शेयरों में करीब 7 पर्सेंट का उछाल देखने को मिला है। दिग्गज निवेशक रेखा झुनझुनवाला का बाजार स्टाइल रिटेल पर बड़ा दांव है। रेखा झुनझुनवाला के पास बाजार स्टाइल रिटेल के 25,32,500 शेयर हैं। कंपनी में रेखा झुनझुनवाला की हिस्सेदारी 3.39 पर्सेंट है।

एसबीआई जनरल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड का भी बाजार स्टाइल रिटेल पर दांव है। एसबीआई जनरल इंश्योरेंस के पास रिटेल कंपनी के 8,90,231 शेयर हैं। कंपनी में उसकी 1.19 पर्सेंट हिस्सेदारी है।

शेयरहोल्डिंग का यह डेटा सितंबर 2025 तिमाही तक का है।

2 लाख से सीधे 40 लाख की छलांग, 10 गुना से ज्यादा बढ़ाकर 40 लाख तक पहुंचा दी है

बीएससी-बीएड की डिग्री से नहीं, इस काम से मिला दाम...?

नई दिल्ली, एजेंसी।
बीकानेर के छोटे से गांव फुलडेसर के मुकेश गर्वा ने आधुनिक खेती की ताकत से अपनी किस्मत बदल दी है। क़रू. और क़श्वस्र. कर चुके मुकेश ने दो हेक्टेयर की पुश्तैनी जमीन पर होने वाली 2-3 लाख रुपये की पारंपरिक मूंगफली-सरसों की खेती को छोड़ दिया। उन्होंने कृषि विभाग के प्रशिक्षण शिविरों से प्रेरित होकर पॉलीहाउस तकनीक अपनाई। तीन पॉलीहाउस में खीरे और बेमौसमी सब्जियों की खेती और ड्रिप सिंचाई जैसी वैज्ञानिक विधियों का इस?तेमाल करके मुकेश ने अपनी सालाना इनकम 10 गुना से ज?यादा बढ़ाकर 40 लाख रुपये तक पहुंचा दी है। आज वह अपने गांव के युवाओं के लिए न केवल एक सफल किसान बल्कि रोजगार और नवाचार का प्रतीक बन चुके हैं। आइए, यहां मुकेश गर्वा की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं।

कुछ नया करने का किया फैसला

बीकानेर की लूणकरणसर तहसील के फूलदेसर गांव के मुकेश गर्वा की कहानी निराशा को आशा में बदलने की है। एक मध्यमवर्गीय परिवार में जन्मे मुकेश ने बीएससी और बीएड की डिग्री ली। लेकिन, उनके पास आजीविका का साधन केवल दो हेक्टेयर पुश्तैनी जमीन थी। इस जमीन पर पारंपरिक रूप से मूंगफली और सरसों की खेती होती थी। इसकी सालाना आय सिर्फ 2 लाख से 3 लाख रुपये थी। यह इनकम परिवार के भरण-पोषण के लिए भी

नाकाफी थी। मौसम पर अत्यधिक निर्भरता, उत्पादन की ऊंची लागत और लगातार बारिश या सूखे का डर मुकेश को पारंपरिक खेती से दूर ले गया। उन्होंने महसूस किया कि केवल शिक्षा का इस?तेमाल करके ही इस आर्थिक कमजोरी को दूर किया जा सकता है। इसके बाद उन्होंने खेती में कुछ नया करने का फैसला किया।

अपने शैक्षणिक ज्ञान का लाभ उठाते हुए मुकेश ने कृषि विभाग की ओर से आयोजित प्रशिक्षण शिविरों में भाग लेना शुरू किया। यहीं से उन्हें प्रोटेक्टेड फार्मिंग यानी संरक्षित खेती की नई दिशा मिली। कृषि विभाग की मदद से उन्होंने 4,000 वर्ग मीटर के तीन पॉलीहाउस स्थापित किए और उसमें खीरे की खेती शुरू की। पॉलीहाउस का सबसे बड़ा फायदा यह है कि यह किसान को मौसम पर नियंत्रण देता है। इससे मुकेश बेमौसमी खीरा और अन्य सब्जियां (जैसे टिंडा और तोरई) उगा सके। बेमौसमी फसलों की बाजार में ऊंची मांग होती है। साबित कर दिया है कि आधुनिक कृषि और नवाचार ग्रामीण क्षेत्रों में समृद्धि और रोजगार का सशक्त जरिया बन सकता है।

कमाई को लगे चार चांद

राजस्थान जैसे शुष्क क्षेत्र में खेती की सफलता के लिए जल प्रबंधन सबसे बड़ी चुनौती है। मुकेश ने इसका समाधान ड्रिप सिंचाई प्रणाली अपनाकर किया। इससे पानी की बर्बादी शून्य हो गई। इसके अलावा, उन्होंने 118×118 फीट का गहरा गड्ढा खोदकर रेनवाटर हार्वेस्टिंग (वर्षा जल संचयन) की व्यवस्था की। वह पॉलीहाउस की छत से बारिश का पानी जमा करते हैं और सिंचाई में इस?तेमाल करते हैं। इससे पानी की कमी दूर हो गई और उत्पादन लागत कम हुई। इन आधुनिक तकनीकों के बल पर मुकेश के तीन पॉलीहाउस से सालाना 2,400 क?वि?टल खीरे का उत्पादन होने लगा। 2,500 रुपये प्रति क?वि?टल के औसत बाजार मूल्य पर उनकी कुल आय लगभग 60 लाख रुपये पहुंची। इसमें से उत्पादन लागत (18 लाख रुपये) घटाने के बाद शुद्ध वार्षिक आय 42 लाख रुपये दर्ज की गई।

गांव के युवाओं के लिए बने आदर्श

मुकेश गर्वा की कड़ी मेहनत और तकनीकी समझ ने न केवल उनकी आर्थिक स्थिति बदली है, बल्कि पूरे गांव की सोच को भी बदल दिया है। जब उन्होंने पारंपरिक खेती छोड़ पॉलीहाउस अपनाया था तो गांव वालों ने इसे एक जोखिम भरा कदम माना था। लेकिन, आज बंपर इनकम के साथ वह गांव के युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत बन चुके हैं। उन्होंने अब कई स्थानीय मजदूरों को भी रोजगार दिया है। इसमें पॉलीहाउस प्रबंधन, सिंचाई, पैकेजिंग और मार्केटिंग जैसे काम शामिल हैं।

निवेश और वैश्विक भागीदारी से बढ़ेगी विकास की रफ्तार

भारतीय अर्थव्यवस्था में सुधार के संकेत

नई दिल्ली, एजेंसी।
भारत की अर्थव्यवस्था में अब सुधार के संकेत दिखने लगे हैं। एचएसबीसी म्यूचुअल फंड की एक रिपोर्ट के अनुसार, घरेलू विकास चक्र अपने निचले स्तर से ऊपर उठने की ओर है। रिपोर्ट में कहा गया है कि कम ब्याज दरें, पर्याप्त तरलता, कच्चे तेल की गिरती कीमतें और सामान्य मानसून जैसे कारक आने वाले महीनों में विकास को रफ्तार दे सकते हैं।

आने वाले वर्षों में भारत का निवेश चक्र मजबूत रहने की संभावना

रिपोर्ट में कहा गया है कि भले ही वैश्विक व्यापार अनिश्चितता फिलहाल निजी निवेश (कैपेक्स) के लिए चुनौती बनी हुई हैं, लेकिन मध्यम अवधि में भारत का निवेश चक्र मजबूत बना रहने की संभावना है। इसमें बताया गया है कि सरकार की ओर से बुनियादी ढांचे और विनिर्माण क्षेत्र में बढ़ता निवेश, निजी क्षेत्र की निवेश गतिविधियों में तेजी और रियल एस्टेट सेक्टर में सुधार

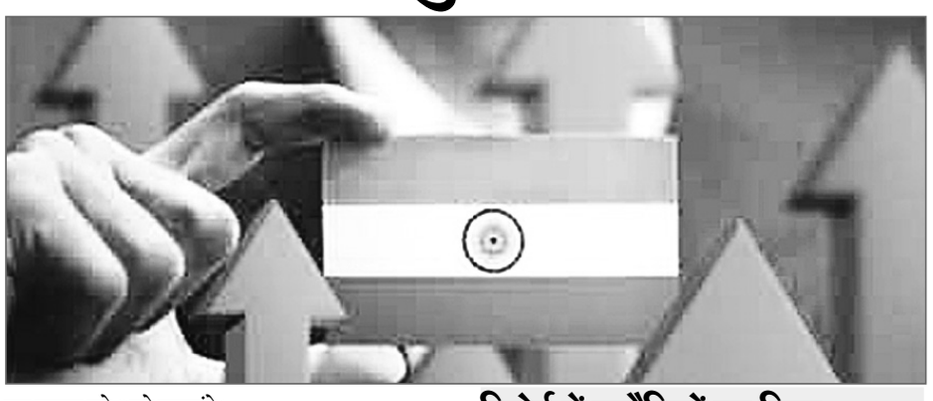

इस रुझान को आगे बढ़ाएंगे।

एचएसबीसी को उम्मीद है कि नवीकरणीय ऊर्जा और इससे संबंधित सप्लाई चेन में अधिक निजी निवेश, उच्च-स्तरीय प्रौद्योगिकी घटकों के स्थानीय उत्पादन व वैश्विक आपूर्ति शृंखला में भारत की बढ़ती भूमिका, इस विकास को गति देगी। रिपोर्ट के अनुसार निफ्टी का मूल्यांकन अपने 10-वर्षीय औसत से थोड़ा ऊपर हैं। आने वाले वर्षों में यह भारतीय इक्विटी के लिए सकारात्मक बना हुआ है।

रिपोर्ट में चुनौतियों का जिक्र

कारकों का भी जिक्र है, जो विकास की गति पर असर डाल सकती है। कमजोर वैश्विक विकास दर से भविष्य में मांग पर दबाव बने रहने की संभावना है। इसके अलावा, वैश्विक नीतिगत अनिश्चितता, जिसमें टैरिफ का जोखिम, कुछ देशों की व्यपार नीतियां और चल रहे भू-राजनीतिक संघर्ष शामिल हैं।

डिफेंस कंपनी का 60 प्रतिशत हिस्सा खरीदने का ऐलान

नई दिल्ली, एजेंसी। सिरमा एसजीएस टेक्नोलॉजी लिमिटेड के शेयरों में आज मंगलवार को 6 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली है। इस उछाल के पीछे की वजह कंपनी से जुड़ी दो बड़ी खबर है। बता दें, कंपनी के नेट प्रॉफिट में सितंबर तिमाही के दौरान 77 प्रतिशत का इजाफा हुआ है। वहीं, सिरमा एसजीएस टेक्नोलॉजी लिमिटेड ने डिफेंस और टेक्नोलॉजी कंपनी में 60 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदने का ऐलान किया है।बीएसई में सिरमा एसजीएस टेक्नोलॉजी लिमिटेड के शेयर आज बीएसई में बढ़त के साथ 825.80 रुपये के लेवल पर खुला। दिन में कंपनी के शेयरों का भाव 6 प्रतिशत की तेजी के बाद 856 रुपये के लेवल पर पहुंच गया। आज कंपनी के शेयर 52 वीक हाई 873.80 रुपये के लेवल के करीब पहुंच गए हैं। बता दें, इस कंपनी का 52 वीक लो लेवल 355.05 रुपये है। सिरमा एसजीएस टेक्नोलॉजी लिमिटेड सितंबर तिमाही के दौरान कंपनी का नेट प्रॉफिट 64 करोड़ रुपये रहा है। एक साल पहले इसी तिमाही में कंपनी का नेट प्रॉफिट 36.20 करोड़ रुपये रहा था। सालाना आधार पर कंपनी के प्रॉफिट में 77 प्रतिशत की तेजी की आई है। सितंबर तिमाही के दौरान कंपनी का रेवन्यू 37.60 प्रतिशत के इजाफे के बाद 1145.80 करोड़ रुपये रहा है। एक साल पहले इसी तिमाही में कंपनी का रेवन्यू 832.70 करोड़ रुपये रहा था।

सोने का दाम 1.25 लाख के पार, चांदी की कीमतों में भी उछाल, और बढ़ेगा भाव!

नई दिल्ली, एजेंसी। सोने की कीमतों में फिर से आज तेजी देखने को मिली है। एमसीएक्स गोल्ड का भाव करीब 1 प्रतिशत तक चढ़ गया है। इस उछाल के बाद 10 ग्राम गोल्ड का रेट 1,25,007 रुपये हो गया है। एमसीएक्स गोल्ड दिसंबर कॉन्ट्रैक्ट्स का भाव 0.94 प्रतिशत की तेजी के साथ 125,137 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर ट्रेड कर रहा थ। बता दें, सिर्फ सोने की कीमतों में ही नहीं चांदी का रेट भी आज बढ़ गया है। सिल्वर का रेट 1.12 प्रतिशत की उछाल के बाद 155407 रुपये प्रति किलोग्राम हो चुका है। इंटरनेशनल मार्केट में गोल्ड की कीमतो में तेजी के पीछे की वजह फेड रिजर्व की तरफ से ब्याज दरों में कटौती की संभावना को माना जा रहा है। रिपोर्ट के अनुसार दिसंबर के महीने में अमेरिकी सेंट्रल बैंक की तरफ से ब्याज दरों में कटौती की जा सकती है। इसके अलावा डॉलर का स्थिर रहना और यूएस बॉन्ड यील्ड ने भी गोल्ड की कीमतों को सपोर्ट किया है। भारत में शादियों का सीजन शुरू हो गया है। जिसकी वजह से अब एक बार से बाजार में गोल्ड ज्वेलरी की डिमांड बढ़ जाएगी। शादियों के इस लम्बे सीजन की वजह से भी गोल्ड की कीमतों में तेजी की संभावना है। बता दें, दशहरा और धनतेरस के बाद बाजार में गोल्ड खरीदारों की संख्या में गिरावट आई थी। गोल्ड की कीमतों में इस साल आई तेजी के पीछे की बड़ी वजहों में ब्याज दरों की गई कटौती एक है। अमेरिका से आए कुछ नए डाटा बताते हैं कि जॉब मार्केट की स्थिति अच्छी नबीं है। वहीं, कंज्यूमर सेंटीमेंट भी कमजोर है। जिससे एक बार फिर से ब्याज दरों में कटौती की जा सकती है।

टाटा ग्रुप की एक और कंपनी की शेयर बाजार में एंट्री

नई दिल्ली, एजेंसी। टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स लिमिटेड की लिस्टिंग के बाद अब कॉमर्शियल यूनिट की भी लिस्टिंग की तारीख सामने आ गई है। कंपनी ने कल सोमवार को दी जानकारी में बताया कि कॉमर्शियल यूनिट (टाटा मोटर्स लिमिटेड इसका नाम है) की लिस्टिंग 12 नवंबर को होगी। बता दें, टाटा मोटर्स ने बीते महीने अपनी कॉमर्शियल यूनिट और पैसेंजर यूनिट को अलग-अलग कर दिया था। पैसेंजर यूनिट की लिस्टिंग 14 अक्टूबर को हो गई थी। लेकिन कॉमर्शियल यूनिट की लिस्टिंग अभी तक नहीं हुई है। टाटा ने कॉमर्शियल यूनिट का नाम टाटा मोटर्स रखा है। रिकॉर्ड डेट पर जिन निवेशकों के पास टाटा मोटर्स के एक शेयर रहे होंगे उन्हें कंपनी एक शेयर कॉमर्शियल यूनिट और एक शेयर पैसेंजर यूनिट का देने का फैसला किया था।

उत्तर रेलवे

खुली निविदा सूचना संख्या ETrU-T-09-2025-26

वरि. मंडल विद्युत अभियंता/क.वि./उत्तर रेलवे, अम्बाला छावनी द्वारा भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखित कार्यों के लिए ई–टेंडरिंग के माध्यम से निविदायें आमंत्रित करते हैं। इन निविदाओं को प्रत्येक कार्य के आगे दर्शाई गई तिथि को **15:00 बजे** तक **www.ireps.gov.in** पर अपलोड किया जा सकता। इनको **15:00 बजे** के उपरांत तत्काल खोला जायेगा।

क्र. सं. 1. : निविदा संख्या : ETrU-T-09-2025-26
कार्य का विवरण : 25 केवी एसी 50 हर्ट्ज ओएचई का डिजाइन, आपूर्ति, परीक्षण और कमीशनिंग के संबंध में i) दोराहा, खन्ना, चावापाल और बरवाला में पर एफओबी का प्रावधान, ii) LC नंबर C-100, C-18 और C-59 पर सीमित ऊंचाई वाले सबवे का प्रावधान, iii) ब्रिज नंबर 71, 172, 57 A और 57 B के स्टील गर्डर को PSC स्लैब से बदलना, iv) UMB - SRE के सेक्शन पर सरसावा – कलानौर स्टेशन के बीच IBS की व्यवस्था हेतु कार्य।
निविदा बंद/खुलने की तिथि : 03.12.2025
लगभग लागत : रु. 60,20,478.07/-
धरोहर राशि : रु. 1,20,400/-
कार्य पूरा करने की अवधि : 06 महीने
वैधता अवधि : 60 दिन
टेण्डर फॉर्म की कीमत : Downloading through IREPS portal -NIL, (Rs. 5,000/- Sr.DEE/TRD/UMB ऑफिस से हार्ड कॉपी के लिए)

1. निविदाकार को सभी जरूरी योग्यता दस्तावेज एवं PAN/GSTIN की Scanned Copies IREPS पोर्टल पर अपलोड करनी है। **2.** निविदाकार के पास ई–निविदा में भाग लेने के लिए क्लास-III Digital Signature Certificate होनी चाहिए। **3.** कार्य में GST, BOCWW, INcome Tax एवं नियमानुसार आवश्यक टैक्स लागू होंगे। **4.** कार्य में सिमिलर नेचर कंडीशन लागू हैं एवं इस प्रकार हैः "Design, supply, erection, testing & commissioning of 50Hz, single phase 25 KV AC OHE". **5.** टेंडर डॉक्यूमेंट एवं निविदा सूचना की विस्तृत जानकारी के लिए रेलवे वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर जाये।

सं.: ETrU-T-09-2025-26 दिनांक: 11.11.2025 **3502/2025**

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

उत्तर रेलवे

ई. निविदा

खुली निविदा संख्या 40–अम्बाला/2025–26 दिनांक 11.11.2025

वरिष्ट मंडल अभियंता–समन्वय/अम्बाला के द्वारा भारत के राष्ट्रपति की ओर से ई–निविदा के माध्यम से इच्छुक ठेकेदारों से निम्नलिखित कार्यों हेतु खुली निविदायें आमंत्रित की जाती है जो कि उन कार्यों के सामने दी गयी तिथि को 15:00 बजे तक खुली रहेगी और उसके बाद खोली जाएगी।

क्र. सं.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (Rs.)	अग्रिम राशि (Rs.)	कार्य समाप्ति का समय	निविदा खुलने की तिथि
1	नंगल डैम में नए अधिकारी विश्राम गृह का प्रावधान, नंगल डैम में मौजूदा ओआरएच का नवीनीकरण, तथा एसआईआर–डीएलपीसी सेक्शन पर आनंदपुर साहिब में विश्राम कक्ष का सुधार/नवीनीकरण।	75,87,255	1,51,800	06 महीने	03.12.2025
2	एडीईएन/एसआईआर के अधीन एसआईआर–एनएलडीएम खंड पर किमी 101/8–9 पर स्थानांतरित स्थान पर रेलवे ट्रैक/भूमि के नीचे 800 मिमी आंतरिक व्यास के पहले एमएस आवरण पाइप और 1000 मिमी आंतरिक व्यास के दूसरे एमएस आवरण पाइप के माध्यम से 250 मिमी व्यास डीआई के–9 जल आपूर्ति पाइप लाइन को पार करना।	28,49,687	57,000	04 महीने	03.12.2025
3	सुनाम उधम सिंह वाला में एफओबी के शेष कार्य का प्रावधान।	2,13,09,974	2,56,600	10 महीने	03.12.2025
4	(i) एसआईआर–डीएलपीसी सेक्शन पर किमी 1.05 पर पुल संख्या 1, स्पान 1x5.91+ 5x12.19+1x5.91 मीटर के लिए पीएससी स्लैब के साथ स्टील गर्डर का प्रतिस्थापन। (ii) एसआईआर–डीएलपीसी सेक्शन पर किमी 53.024 पर पुल संख्या 128, स्पान 2x9.10 मीटर और किमी 54.170 पर पुल संख्या 131, स्पान 2x9.15 मीटर के लिए 25 टन लोडिंग के लिए उपयुक्त बनाने के लिए उप–संरचना को मजबूत करने के साथ–साथ पीएससी स्लैब के साथ स्टील गर्डर का प्रतिस्थापन।	3,18,44,047	3,09,200	08 महीने	03.12.2025

नोट :– 1. ठेकेदार को शर्तों के अनुसार निविदा योग्यता पूरी करने हेतु सभी जरूरी सम्बंधित डॉक्यूमेंटों के स्कैनिंग कॉपी को रेलवे वेबसाइट **IREPS** पर अपलोड करनी जरूरी है। **2.** अग्रिम राशि ऑन लाइन पेमेन्ट नेट बैंकिंग/गेटवे पेमेन्ट के द्वारा ही स्वीकार्य होंगे। **3.** निविदा की विस्तृत जानकारी हेतु रेलवे वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर लोग ऑन करें। **4.** ठेकेदार को ई – निविदा में भागीदारी हेतु (क्लास-III) डिजिटल सिगनेचर सार्टिफिकेट द्वारा लोग ऑन करना होगा। **5.** जी. एस. टी. एक्ट 2017 के अनुसार लागू होगी। **3497/2025**

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

ऑनलाइन शॉपिंग में अब नहीं होगी दिक्कत

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत में ई-कॉमर्स प्लैटफॉर्म्स के लिए कंट्री ऑफ ओरिजिन (यानी सामान किस देश में बना है) का फिल्टर देना अनिवार्य हो जाएगा। उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय ने इसे लेकर एक नया प्रस्ताव रखा है। इस कदम का मकसद ऑनलाइन बाजार में और ज्यादा पारदर्शिता लाना है। यह बदलाव इसलिए किया जा रहा है ताकि ग्राहक ऑनलाइन शॉपिंग करते समय आसानी से जान सके कि कोई प्रोडक्ट किस देश का है और सोच-समझकर खरीदारी का फैसला ले सके।

मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि नए नियमों के ड्राफ्ट के मुताबिक, विदेश से मंगाकर सामान बेचने वाली हर ई-कॉमर्स कंपनी को अपने प्रोडक्ट्स के साथ कंट्री ऑफ ओरिजिन का एक ऐसा फिल्टर देना होगा, जिससे ग्राहक आसानी से प्रोडक्ट्स को खोज कर सके और इसे छांट सकें। इस फीचर से ग्राहकों का ढेर सारे प्रोडक्ट्स के बीच ऐसी जानकारी ढूंढने में लगने वाला समय बचेगा।

GOVERNMENT OF HIMACHAL PRADESH
JAL SHAKTI DEPARTMENT

"Notice Inviting e-tender"

The Executive Engineer **Jal Shakti Vibhag Division Nalagarh** invites online tenders on behalf of Governor of Himachal Pradesh from approved eligible contractors for the following work (s) through e-tendering process:-

S/No	Description of work	Estimated cost	Earnest Money	Stipulated Time period	Cost of tender forms
1	**Name of Work: - Providing Lift Water Supply Scheme to Village Chamdhar,** in Tehsil Ramshehar Distt. Solan (HP) (SH:- Construction of Percolation well, Dyke, Pump house cum attendant quarter Construction of Sump well, construction of Main storage tank at **Nanoa**, Sector storage tank of various capacities at various locations, construction of Retaining / breast walls, laying, jointing, testing and commissioning of GMS pipes conforming to BIS : 1239 in Rising main, gravity main and distribution system, Supply and erection of submersible and Centrifugal pumping machinery along with allied accessories and replacement of old existing pumping machinery along with its accessories).	2,43,73,047/-	3,18,730/-	Six Months	5000/-

1 Last date of filing / uploading the tender through e-tendering: **- 25-11-2025 upto 11:00 AM.** The tender forms and other detailed conditions can be obtained from the website **www.hpiph.org.**

HIM SUCHNA AVAM JAN SAMPARK

Executive Engineer,
JSV Divn. Nalagarh,
Distt. Solan (HP).

R.No. 4282/2025-2026

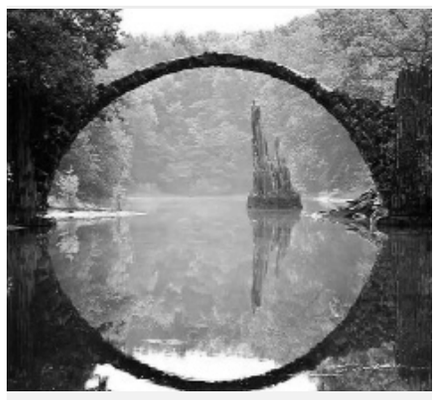

रहस्यमयी है जर्मनी का डेविल ब्रिज

जर्मनी हमेशा से ही अपने महलों और गिरिजाघरों, त्योहारों और कार्निवाल, स्मारकों के लिए पहचाना जाता रहा है। हालांकि, एक रहस्यमयी जगह है जो इन सभी से हटकर है। यह है जर्मनी का डेविल ब्रिज। यह एक इतिहास, अनसुलझे रहस्य और हाल ही में, इंस्टाग्राम के कारण एक पॉपुलर साइट के रूप में सामने आया है। पूर्वी जर्मनी में गैबलेनज़ के पास क्रॉमलॉयर पार्क में स्थित, यह ब्रिज रहस्यमय रूप से आकार में सेमी सर्कल है और पानी में इसका प्रतिबिंब एक परफेक्ट सर्कल बनाता है। यह 200 एकड़ चौड़ा है और पूरा पुल मानव निर्मित है, लेकिन लोगों की मान्यता यह है कि इस ब्रिज को शैतान द्वारा ही बनाया गया है। इस ब्रिज को लेकर ऐसी कई कथाएं प्रचलित हैं जो कि इसे डरावनी बनाती है।

चीन, अमेरिका ही नहीं भारत में भी है कांच का बना ब्रिज

चीन, अमेरिका जैसे देशों में ग्लास ब्रिज का अनुभव बेहतरीन होता है। कई लोगों के लिए रोंगटे खड़े कर देने वाला होता है। आपको यह अनुभव करने के लिए वीजा और प्लेन टिकट की जरूरत नहीं है क्योंकि भारत का पहला ग्लास स्काईवॉक पूर्वोत्तर राज्य सिक्किम में है। यह सिक्किम के पेलिंग में है और चेनरेजिंग की 137 फीट ऊंची प्रतिमा के ठीक सामने स्थित है। हिमालय के हीच, ग्लास स्काईवॉक बौद्ध तीर्थ स्थल का सुंदर दृश्य देता है। पूरा परिसर समुद्र तल से 7200 फीट की ऊंचाई पर स्थित है। यह स्काईवॉक इस दर्शनीय धार्मिक स्थल के आकर्षण को बढ़ाता है। हालांकि ग्लास स्काईवॉक कमजोर दिल वालों के लिए नहीं है क्योंकि जब इस ब्रिज से नीचे देखते हैं, तो दिल की धड़कनें बढ़ जाती है।

कम लोग जानते हैं को सोने जैसी धातु पृथ्वी पर कभी बनी ही नहीं सकती है. हकीकत ये है कि सोने की खान में मिलने वाला सोना ज्वालामुखी घटनाओं के कारण पृथ्वी के अंदर से ऊपर की ओर आया था. लेकिन यह सोना सूर्य के पैदा होने से पहले ही न्यूट्रॉन तारों के टकराव से बना था. इसके अलावा इसके बनने की कोई और प्रक्रिया ही नहीं है.

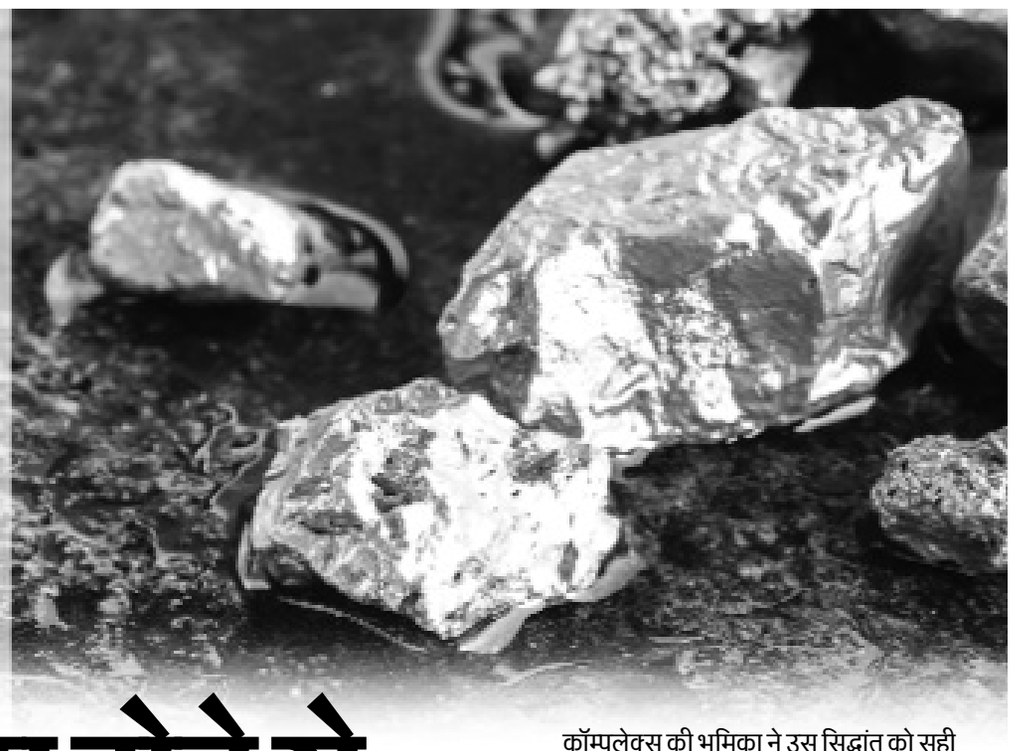

सूर्य के पैदा होने से पहले न्यूट्रॉन तारों के टकराव से बना था सोना

क्या आप जानते हैं कि पृथ्वी पर जितनी भी सोने की खाने हैं वहां जो सोना मिला है और जो मिलने वाला है, वह पृथ्वी पर नहीं बना था. तो क्या यह सोना क्षुद्रग्रहों से आया था जैसा कि कई अध्ययन दावा करते है कि पृथ्वी पर बहुत सारा पानी क्षुद्रग्रहों के जरिए आया था. इसका जवाब है नहीं क्योंकि वैज्ञानिको को कभी किसी भी क्षुद्रग्रह में इतना सोना नहीं मिला कि माना जाए कि उनसे सोना यहां पहुंचा था. वैज्ञानिक यह तो जानने में कामयाब हो चुके हैं कि सोना पृथ्वी के मैंटल से पर्पटी के ऊपरी हिस्से तक आया, लेकिन कैसे हुआ इसका खुलासा अब हुआ है.

सुलझ गई एक उलझी कहानी

अंतरराष्ट्रीय शोधकर्ताओं की टीम ने सोने और सल्फर यानी गंधक के बीच की जटिल और उलझी कहानी का पता लगाया है जिससे वे साफ तौर पर यह समझ सके हैं कि सोना मेंटल से पृथ्वी की ऊपरी सतह पर कैसे आया? वे यह भी जानते हैं ब्रह्माण्ड में सोना अंतरिक्ष में दो न्यूट्रॉन तारों के टकराव के हालात की जटिल प्रक्रियाओं में ही बन पाता है.

पृथ्वी के मेंटल के बाद की पहेली

पृथ्वी पर मौजूद सारा सोना करोड़ों अरबों साल पहले ही आ गया था और वह तमाम प्रक्रियाओं से गुजर कर पृथ्वी के अंदर मेंटल में पहुंच गया था. लेकिन यहां से वह पृथ्वी की सतह तक कैसे पहुंचा यह एक बड़ा रहस्य ही था. वैज्ञानिक पहले ही इसकी पड़ताल कर रहे थे, लेकिन वे किसी निर्णायक नतीजे पर नहीं पहुंच पा रहे थे.

सटीक प्रक्रिया की तलाश

प्रशांत रिंग ऑफ फायर में जमे सोने के अयस्क पृथ्वी की गहराई में मेंटल से निकला और मैग्मा से सतह के ऊपर की ओर आया था. वैज्ञानिक इसी की सटीक प्रक्रिया जानना चाह रहे थे और नए अध्ययन में उन्हें इसी सफलता मली थी. यह अध्ययन प्रोसिडिग्स ऑफ द नेशनल एकेडमी ऑफ साइंस में प्रकाशित हुआ है.

वह खास तरह का मॉडल

इस अध्ययन में वैज्ञानिकों ने न्यूमेरिकल मॉडलिंग का उपयोग कर उन हालातों का पता लगाया जिनमें सोने से भरपूर मैग्मा सतह तक ऊपर आया. इस मॉडल से पता चला कि गोल्ड ट्राइसल्फर कॉम्पलेक्स की भूमिका ने उस सिद्धांत को सही साबित किया जिसका पहले अनुमान लगाया था. लेकिन पहले इस सिद्धांत के सही होने काफी विवाद हो गया था.

ऊपर आने या ना आने की चाह?

आमतौर पर सोना स्वतंत्र रूप में रह कर मेंटल में ही रहना पसंद करता है, लेकिन जब सल्फर से इसकी अंतरक्रिया होती है तो तब यह उससे रिएक्शन कर गोल्ड ट्राइसल्फर कॉम्पलेक्स में बदल जाता है. इस स्वरूप में आने के बाद वह अस्थिर होता है और सटीक हालात मिलने पर मैग्मा के साथ ऊपर आने लगता है.

सतह पर पहुंचने के हालात

लेकिन यह हर जगह से ऊपर नहीं आ सकता इसके लिए सबसे अच्छी जगह वह इलाका होता है जहां एक टेक्टोनिक प्लेट दूसरे के अंदर घुसने की कोशिश कर रही होती है. इसे सबडक्शन जोन कहते हैं. इस गोल्ड ट्राइसल्फर कॉम्पलेक्स को सक्रिय ज्वालामुखी के 50 से 80 किलोमीटर के नीचे दबाव और तापमान के सटीक हालात चाहिए होते हैं. ऐसे हालात में तापमान 875 डिग्री सेल्सियस का होना जरूरी है. यही तापमान आमतौर पर मैग्मा का भी होता है. इससे सोना मैंटल से मैग्मा के साथ ऊपर की ओर सतह तक आता है.

सोना तेजी से ट्राइसल्फर से जुड़ जाता है और चटिल पदार्थ बना लेता है जिससे यह मैग्मा में आसानी सी घूम सकता है. शोधकर्ताओं का कहना है कि यह पहली बार है जब इस पूरी प्रकिया में गोल्ड ट्राइसल्फर कॉम्पलेक्स की भूमिका बताई जा रही है, जिसके बारे में वे भी पहले नहीं जानते थे. इससे यह भी साफ होता है कि सबडक्शन जोन के वातावरण में भी कुछ खास तरह के खनिजों में पास ही सोना अधिक क्यों मिलता है.

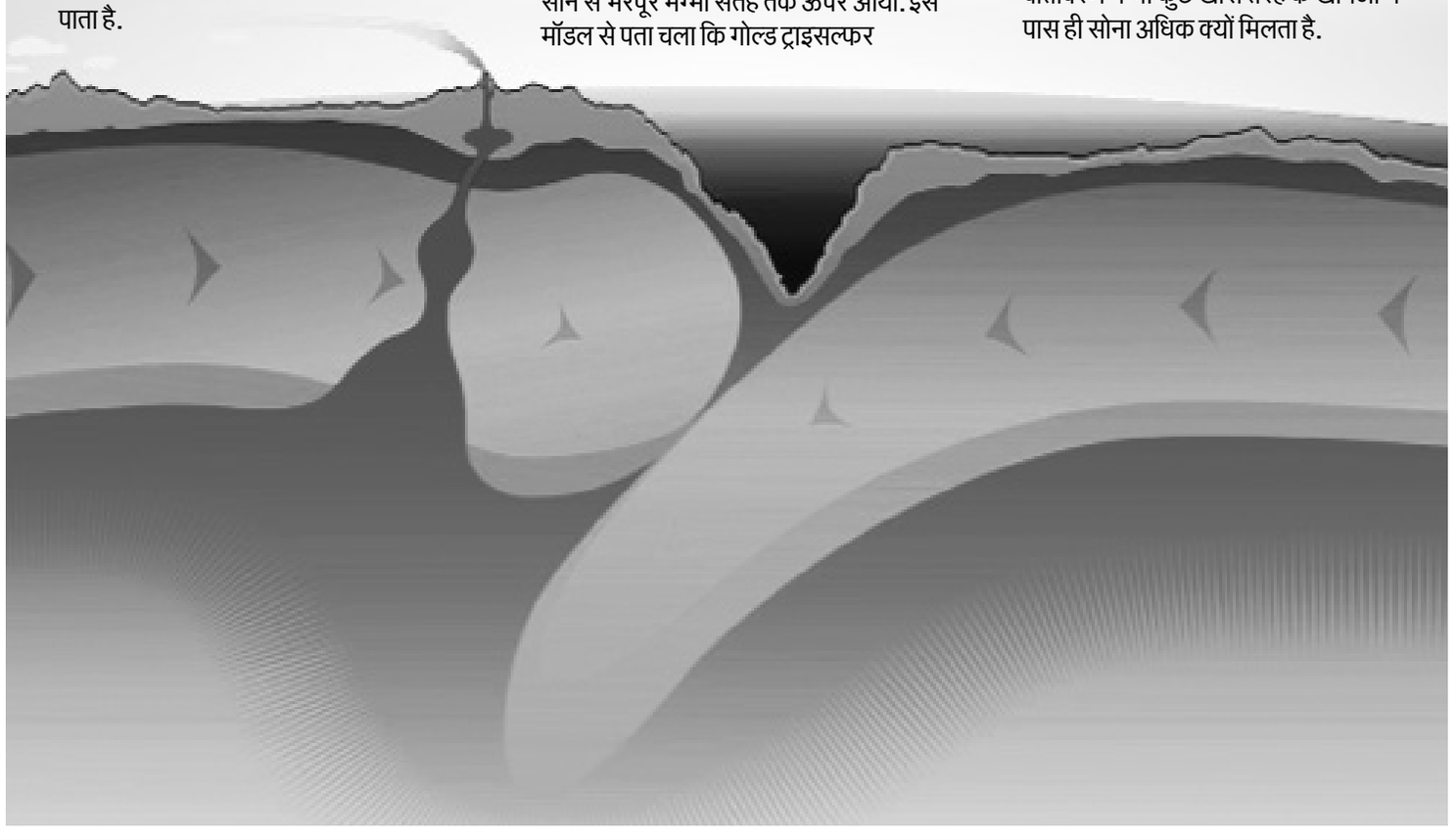

क्या आप जानते हैं ट्रेनों पर लिखें नंबरों का मतलब

ट्रेन के नंबर बोलते हैं। जी हां, ट्रेन के डिब्बों (बोगी) पर आपने नंबर लिखे देखे होंगे, आपको नहीं लगता कि ये आपको कुछ इशारा करते हैं। कभी मन में आपके ये सवाल भी उठे होंगे, लेकिन हाथों हाथ जवाब नहीं मिला होगा। यहां हम आपको ट्रेन के डिब्बों पर लिखे नंबरों का महत्व बताएंगे। आप समझ जाएंगे कि आपको ये जानकारी ही नहीं देते बल्कि सुविधाजनक भी हैं। जैसे आपको बर्थ या सीट का नंबर टिकट पर लिखा मिलता है, जो आपको बताता है कि आप कहां बैठेंगे या लेटेंगे। ठीक वैसे ही डिब्बों पर लिखे इन अंकों में कई पहचान छिपी होती हैं। कहने का मतलब यह है कि पांच अंक के ये नंबर इतिहास बताते हैं।

बोगी कितनी पुरानी है और कैटेगरी क्या है

किसी ट्रेन के डिब्बे पर लिखे नंबर की शुरुआत 04 या 99 है, तो आप समझ जाइये कि ये बोगी 2004 या 1999 में बनी है। आप जब स्टेशन पर कोई ट्रेन पकड़ने जाते हैं, तो बोगी पर लिखे नंबर पर आपका ध्यान जाता है, लेकिन आप पढ़कर भी नजर अंदाज कर देते हैं। अब आप नंबर पढ़ते ही पहचान जाएंगे कि ये नंबर आपसे क्या बोल रहे हैं। जैसे किसी ट्रेन के डिब्बे पर लिखे नंबर की शुरुआत 04 या 99 है, तो आप समझ जाइये कि ये बोगी 2004 या 1999 में बनी है। मतलब यह कि शुरुआती दो नंबर आपको बताते हैं कि बोगी कितनी पुरानी है। वहीं, इन दो नंबरों के बाद यदि 497 लिखा है, तो ये नंबर आपको बताते है कि ये जनरल बोगी या सामान्य डिब्बा है। रेलवे ने 497 कोड जनरल कैटेगरी के लिए तय किया हुआ है।

और भी हैं कई कैटेगरी, नंबर जिन्हें देते हैं पहचान

ट्रेन में हर डिब्बे या बोगी की क्लास या कैटेगरी तय है। ट्रेन में हर डिब्बे या बोगी की क्लास या कैटेगरी तय है। आप इस कैटेगरी को नंबर के जरिए भी पहचान सकते हैं। बस आपको डिब्बे पर लिखी आखिरी तीन डिजिट ध्यान से देखनी होंगी। जैसे 001–025, ये नंबर बताते हैं कि ये फर्स्ट एसी के डिब्बे हैं। 026–050 ङ्क ये नंबर लिखे हों, तो समझ जाओ कि ये कंपोजिट फर्स्ट एसी या एसी–टूटी का डिब्बे हैं। 051–100 ये अंतिम तीन नंबर एसी–टूटी कोच को मिलते हैं। 101–150 ये नंबर बताते हैं कि ये डिब्बा एसी–थ्री को कैटिगराइज हैं। 151–200 यदि डिब्बे पर ये नंबर आखिरी में लिखे हों, तो पता चल जाता है कि ये डिब्बे सीसी या एसी चेयर कार के हैं। 201–400 नंबर सेकंड स्लीपर या एसएस कैटेगरी के कोच को दिए जाते हैं। कोच पर यदि ये 401–600 नंबर लिखे हों,तो इसका मतलब है कि ये जनरल सेकंड क्लास या जीएस के डिब्बे हैं। 601–700 अंतिम नंबर हों, तो ये डिब्बे सेकंड क्लास सिटिंग /जनशताब्दी चेयर कार यानी टूएस के कोच को दर्शाते हैं। 701–800 के नंबर के आखिरी तीन डिजिट हों, तो पता चलता है कि सिटिंग कम लगेज रेक्स हैं। यदि कोच पर 801 या इससे बड़े नंबर आखिरी तीन स्थान पर हों, तो पेंट्री कार, जेनरेटर और मेल के कोच की जानकारी देते हैं।

डिब्बे के रंग भी क्या कहते हैं जानें

डिब्बों के नंबर ही नहीं उनके रंग भी कई जानकारी देते हैं। किसी डिब्बे का रंग हरा होता है, तो किसी का नीला और किसी का लाल। डिब्बों या कोच के ये रंग ट्रेन की क्लास को बताते हैं। ऐसा नहीं है कि रंग हर बार केवल क्लास ही बताते हैं। रंग ये भी बताते हैं कि ट्रेन किस फैक्ट्री में तैयार की गई है।

हम पर नजर रख रहे हैं हजारों प्रकाश वर्ष दूर बैठे एलियन

एलियन को लेकर अक्सर खबरें सामने आती रहती हैं। अब इस बीच एक बेहद हैरान करने वाला दावा किया गया है। एक अध्ययन में कहा गया है कि हजारों प्रकाश वर्ष दूर बैठे एलियन हम पर नजर रख रहे हैं। हालांकि वो इंसानों को 3000 साल से देख रहे हैं।

अध्ययन के मुताबिक, साल 2025 में धरती पर स्थित कोई जगह एलियन के टेलीस्कोप में साल 5024 में नजर आएगी। इसका मतलब यह है कि अगर एलियन इस समय धरती पर किसी चीज को देख रहे होंगे, तो वो तीन हजार साल पुरानी होगी। एक्टा एस्ट्रोनॉटिका के मार्च 2025 संस्करण में क्या एडवांस एलियन सभ्यताएं हमें देख सकती हैं? इस नाम से एक लेख प्रकाशित किया गया है। इस अध्ययन में शोधकर्ता जेडएन उस्मानोव ने हैरान करने वाला खुलासा किया है। उन्होंने कहा कि भौतिक विज्ञान के नियमों के अनुसार, किसी भी एलियन सभ्यता द्वारा धरती पर गतिविधियों का पता लगाने के लिए अधिकतम दूरी कम से कम 3,000 प्रकाश वर्ष है। उन्होंने कहा कि इसका मतलब यह है कि अगर एलियन अपने विशाल टेलीस्पोक से आज धरती पर देखते हैं, तो उन्हें रोमन या उसके समकालीन भारतीय, ग्रीक अथवा मिस्र की सभ्यता नजर आ रही होगी।

वैज्ञानिकों के मुताबिक, एक आकाशगंगा दूसरी आकाशगंगा से हजारों प्रकाश वर्ष दूर स्थित है। इन आकाशगंगाओं में स्थित तारों या पिंडों का प्रकाश लंबा सफर तय करके धरती तक पहुंचता है। रात में दिखने वाले चमक रहे तारे सैकड़ों साल पुराने हो सकते हैं। इसी तरह कोई हजारों प्रकाश वर्ष दूर धरती पर इंसानों को देख रहा होगा तो वह हजारों साल बाद ही देख सकेगा।

क्यों नहीं मिले जीवन के संकेत

इसकी वजह हो सकता है कि दशकों के अथक कोशिश के बाद भी हमें एलियन जीवन के कोई संकेत क्यों नहीं मिल पाए। शायद वह धरती से बहुत दूर हैं या तकनीक में इंसानों से बहुत उन्नत हैं। यह भी हो सकता है कि वह धरती पर रहे इंसानों को नोटिस करने के इच्छुक नहीं हैं। तो वहीं इंसानों को संकेत भेजने के लिए प्रेरित कर सकता है, कोई संकेत पकड़ सकते हैं या प्रतिक्रिया दें। अध्ययन का निष्कर्ष यह है कि एलियंस उन्नत तकनीक से हमारी सभ्यताओं पर नजर रख रहे हैं, लेकिन 3,000 साल के देरी के साथ। इसका मतलब यह है कि ब्रह्मांड में इंसान अकेले नहीं हैं, बल्कि ब्रह्मांडीय पड़ोसियों के साथ अभी तालमेल नहीं है। इंसान उनसे एक अलग समय, अलग वास्तविकता में और अलग इतिहास में रह रहे हैं।

जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम स्पोर्ट्स सिटी बनेगी

खेल जगत में बड़े बदलाव के संकेत

● सरकार ने शुरू की तैयारियां

नई दिल्ली, एजेंसी। खेल मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने सोमवार को बताया कि इस परियोजना के तहत मौजूदा स्टेडियम को तोड़कर दोबारा बनाया जाएगा, ताकि यहां सभी प्रमुख खेलों के लिए सुविधाएं और खिलाड़ियों के ठहरने के लिए आवासीय परिसर तैयार किए जा सकें।

देश की राजधानी स्थित प्रतिष्ठित जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम (जेएलएन स्टेडियम) को अब एक स्पोर्ट्स सिटी के रूप में विकसित किया जाएगा। खेल मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने सोमवार को बताया कि इस परियोजना के तहत मौजूदा स्टेडियम को तोड़कर दोबारा बनाया जाएगा, ताकि यहां सभी प्रमुख खेलों के लिए सुविधाएं और खिलाड़ियों के ठहरने के लिए आवासीय परिसर तैयार किए जा सकें।

बड़े बदलाव की तैयारी में खेल मंत्रालय

मंत्रालय के सूत्र के अनुसार, यह योजना फिलहाल प्रस्ताव स्तर पर है, इसलिए अभी इसकी लागत और समयसीमा तय नहीं की गई है। सूत्र ने बताया, स्टेडियम को तोड़ा जाएगा। इसके अंदर मौजूद सभी दफ्तर जैसे नेशनल एंटी डोपिंग एजेंसी (नाडा), नेशनल डोप टेस्टिंग लेबोरेटरी (एनडीटीएल) और आयकर विभाग को परियोजना शुरू होने पर अन्य जगह स्थानांतरित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि फिलहाल स्टेडियम की 102 एकड़ जमीन का उपयोग उसकी पूरी क्षमता के अनुसार नहीं हो रहा है। नया स्पोर्ट्स सिटी प्रोजेक्ट सुनिश्चित करेगा कि यहां अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताएं, खिलाड़ियों के प्रशिक्षण की सुविधाएं, एथलीट्स के रहने की व्यवस्था और यहां तक कि मनोरंजन से जुड़े कार्यक्रम भी आयोजित हो सकें। वर्तमान में स्टेडियम में भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) का मुख्यालय और सरकार की खेलो इंडिया परियोजना का दफ्तर भी स्थित है। सूत्रों के मुताबिक, यह परियोजना कई मंत्रालयों, विशेषकर शहरी विकास मंत्रालय के सहयोग से पूरी होगी। इसलिए इसके तुरंत शुरू होने की संभावना कम है।

नेशनल कार्टिंग में रच दिया 9 साल की अर्शी ने इतिहास

खिताब जीतने वाली पहली भारतीय महिला बनीं

नई दिल्ली, एजेंसी। बित्ते भर की लड़की और कारनामे बड़े-बड़े, ये कहावत फरीदाबाद की 9 साल की अर्शी गुप्ता पर पूरी तरह फिट बैठती है, जिन्होंने इस छोटी सी उम्र में रिकॉर्डतोड़ कारनामा कर दिया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, अर्शी गुप्ता महज 9 साल की उम्र में नेशनल कार्टिंग चैंपियनशिप खिताब जीतने वाली भारत की पहली महिला रेसर बन गई हैं। फरीदाबाद निवासी अर्शी ने यह कारनामा महज लड़कियों के खिलाफ नहीं किया बल्कि उन्होंने लड़के-लड़कियों, दोनों की मौजूदगी वाली माइक्रो मैक्स क्लास कैटगरी में खिताब जीतने का इतिहास रचा है।

● कार्टिंग करते हुए महज दूसरा साल

फरीदाबाद में 18 अक्तूबर, 2016 को जन्मी अर्शी दिल्ली पब्लिक स्कूल में पढ़ती हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक, अर्शी को कार्टिंग के कॉम्पिटेटिव सर्किट में रेस करते हुए यह महज दूसरा साल हुआ है।

उन्होंने साल 2024 में कार्टिंग की शुरुआत की थी। वे लीपफ्रॉग रेसिंग के तहत रेस करती हैं। उन्होंने अगस्त, 2025 में भी उस समय सभी को चौंका दिया था, जब मद्रास इंटरनेशनल कार्टिंग एरिना में अर्शी ने राउंड 3 जीता था।

एटीपी फाइनल्स : सिनर की शानदार शुरुआत, अलियासिमे को 7-5, 6-1 हराया

टयूरिन, एजेंसी। इटली के स्टार खिलाड़ी जैनिक सिनर ने फेलिक्स ऑगर-अलियासिमे को 7-5, 6-1 से शिकस्त देकर एटीपी फाइनल्स में आत्मविश्वास से भरी शुरुआत की है। सिनर ने चोट से जूझ रहे कनाडा के फेलिक्स ऑगर-अलियासिमे को 1 घंटे 41 मिनट तक चले मुकाबले में शिकस्त दी। इस जीत के साथ जैनिक सिनर ने ब्योर्न बोर्ग ग्रुप में अपना रिकॉर्ड 1-0 कर लिया है।

24 वर्षीय इतालवी खिलाड़ी अब लगातार 27 मैचों से जीत की लय में हैं। उन्होंने 2023 के फाइनल में नोवाक जोकोविच से हारने के बाद से एटीपी फाइनल्स में एक भी सेट नहीं गंवाया है। जैनिक सिनर और ऑगर-अलियासिमे ने पहले सेट में कड़ा संघर्ष किया। कनाडाई खिलाड़ी ने 3-2 पर दो ब्रेक प्वाइंट और 5-4 पर एक सेट प्वाइंट बचाने के लिए कड़ी मेहनत की, लेकिन वह 12वें गेम में सिनर को निर्णायक ब्रेक नहीं दे पाए। इस बीच उन्होंने अपने बाएं पैर में दर्द महसूस किया। फेलिक्स ऑगर-अलियासिमे ने पहले सेट के अंत में ऑफ-कोर्ट मेडिकल टाइम-आउट लिया। फेलिक्स ऑगर-अलियासि दूसरे सेट के दूसरे गेम में सर्विस गंवाने के बाद उबर नहीं पाए। वह बाईं पिंडली में दर्द से परेशान थे। ऐसे में कोर्ट पर ही उनका उपचार किया गया। परेशानी के बावजूद उन्होंने लगातार संघर्ष किया, लेकिन सेट को 1-6 से गंवा बैठे। मुकाबला जीतने के बाद सिनर ने ऑगर-अलियासिमे के बारे में कहा, मुझे उम्मीद है कि उनकी चोट ज्यादा गंभीर नहीं होगी। मैं उनके जल्द स्वस्थ होने की कामना करता हूं। उम्मीद करता हूं कि वह पूरी तरह से स्वस्थ हो जाएं। इनाल्पी एरिना में जीत के साथ सिनर ने एटीपी ईयर-एंड नंबर 1 के लिए कार्लोस अल्काराज को पछाड़ने की अपनी संभावनाओं को भी बरकरार रखा है।

इंडिया के लिए वैभव सूर्यवंशी करेंगे टी20 डेब्यू, इस दिन खेलेंगे पहला मैच

नई दिल्ली, एजेंसी। वैभव सूर्यवंशी ने पहली बार बिहार की तरफ से खेलते हुए टी20 में डेब्यू किया था. उन्होंने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में राजस्थान के खिलाफ अपना पहला मैच खेला, जिसमें 13 रन बनाए थे. उसके बाद उन्होंने IPL 2025 में लखनऊ सुपर जाइंट्स के खिलाफ डेब्यू किया था. जिसमें उन्होंने 20 गेंदों में 34 रन बनाए थे. अब वो नीली जर्सी में डेब्यू करते दिखेंगे. वैभव सूर्यवंशी पहली बार भारत की किसी टीम के लिए टी20 खेलते नजर आएंगे. राइजिंग स्टार्स एशिया कप में 14 साल के वैभव सूर्यवंशी का डेब्यू देखने को मिल सकता है.

राइजिंग स्टार्स एशिया कप में डेब्यू

राइजिंग स्टार्स एशिया कप 14 नवंबर से शुरू हो रहा है. इस टूर्नामेंट के लिए इंडिया ए की टीम में वैभव सूर्यवंशी को भी जगह मिली है. यह पहला मौका होगा जब वैभव नीली जर्सी में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे. उनकी स्किल्स और प्रदर्शन को देखते हुए, टीम मैनेजमेंट और चयनकर्ताओं को उनसे काफी उम्मीदें हैं.

वैभव नीली जर्सी में इस दिन खेलेंगे पहला मैच- नीली जर्सी में वैभव सूर्यवंशी का टी20 डेब्यू राइजिंग स्टार्स एशिया कप के पहले मुकाबले में ही दिख सकता है.

57 साल, 43 मुकाबलों का इंतजार **रणजी ट्रॉफी में पहली बार दिल्ली को हराया**

जम्मू कश्मीर ने रचा इतिहास

नई दिल्ली, एजेंसी। रणजी ट्रॉफी 2025 के चौथे मुकाबले में जम्मू कश्मीर की टीम ने दिल्ली को हराकर इतिहास रच दिया है। 57 साल के इंतजार के बाद जम्मू कश्मीर ने दिल्ली को इस टूर्नामेंट में मात दी है। दिल्ली के अरुण जेठली स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में पारस डोगरा की कप्तानी वाली जम्मू कश्मीर की टीम ने 7 विकेट से शानदार जीत दर्ज की। पारस डोगरा और कामरान इकबाल की शतकीय पारियों ने इसमें अहम भूमिका निभाई।

42 मैचों के बाद खत्म हुआ इंतजार

इस मैच से पहले तक दिल्ली ने जम्मू कश्मीर के खिलाफ रणजी ट्रॉफी में कुल 42 मैचों में से 37 में जीत दर्ज की थी और चार मैच ड्रॉ हुए थे। जबकि एक मुकाबला बेनतीजा था। यानी 42 मैचों के इंतजार के बाद अब 43वें मुकाबले में जम्मू कश्मीर ने ऐतिहासिक जीत दर्ज करते हुए पहली बार दिल्ली को रणजी ट्रॉफी मैच में मात दी है। टीम को सभी खिलाड़ियों के शानदार ऑलराउंड प्रदर्शन से जीत मिली।

पारस डोगरा और कामरान इकबाल के शतक

इस मैच की बात करें तो जम्मू कश्मीर की तरफ से पहली पारी में कप्तान पारस डोगरा ने 106 रन की शतकीय पारी खेली थी। उसके बाद दूसरी पारी में 179 रन का लक्ष्य चेज करते हुए ओपनर कामरान इकबाल ने 147 गेंदों पर नाबाद 133 रन बना दिए। टीम ने सिर्फ तीन विकेट खोकर लक्ष्य हासिल किया। अंत में कामरान के साथ कप्तान पारस डोगरा भी 10 रन बनाकर नाबाद थे। इस मैच की बात करें तो पहले खेलते हुए दिल्ली की टीम सिर्फ 211 रन पर ही सिमट गई थी। आकिब नबी ने 5 विकेट अपने नाम किए थे। उसके बाद जम्मू कश्मीर ने अपनी पहली पारी में पारस डोगरा के शतक की बदौलत 310 रन बनाए थे और 99 रन की बढ़त ली थी। फिर दूसरी पारी में दिल्ली की टीम 277 रन ही बना पाई और वंशज शर्मा ने जम्मू कश्मीर के लिए 6 विकेट लिए। फिर 179 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए जम्मू कश्मीर ने कामरान के शतक की बदौलत आसानी से मुकाबला 7 विकेट से जीत लिया।

शमी को टीम से बाहर रखने का कोई कारण नहीं

वो अब भी सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजों में से एक : सौरव गांगुली

नई दिल्ली, एजेंसी। पूर्व भारतीय कप्तान और क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ बंगाल के अध्यक्ष सौरव गांगुली ने तेज़ गेंदबाज़ मोहम्मद शमी को लेकर बड़ा बयान दिया है। गांगुली का मानना है कि शमी अब भी भारत के सबसे फिट और प्रभावी गेंदबाज़ों में से एक हैं, और उन्हें टीम से बाहर रखने का कोई औचित्य नहीं है। उन्होंने कहा कि शमी लगातार रणजी ट्रॉफी में शानदार गेंदबाज़ी कर रहे हैं और भारत की तीनों फॉर्मेट की टीम में वापसी के हकदार हैं।

शमी वही हैं, जैसे पहले थे : कोलकाता में आयोजित एक इवेंट के दौरान सौरव गांगुली ने कहा, मोहम्मद शमी बहुत अच्छे फॉर्म में हैं। अगर आपने रणजी ट्रॉफी देखी हो तो वे अकेले दम पर बंगाल के मैच जिता रहे हैं। फिटनेस और स्किल के मामले में वे बिल्कुल वही शमी हैं, जिन्हें हम हमेशा जानते हैं। मुझे कोई कारण नहीं दिखता कि वे भारत के लिए टेस्ट, वनडे या टी20 क्यों नहीं खेल सकते। गांगुली ने यह भी कहा कि उन्हें यकीन है चयनकर्ता शमी के प्रदर्शन पर नजर रख रहे हैं और दोनों पक्षों के बीच बातचीत जारी है।

टीम इंडिया से बाहर और संचार की कमी?

शमी आखिरी बार भारत के लिए 2023 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल में खेले थे। इसके बाद से उन्हें न तो वेस्टइंडीज टेस्ट सीरीज़ में मौका मिला और न ही ऑस्ट्रेलिया की हालिया व्हाइट-बॉल सीरीज़ में। इस बीच, शमी ने मीडिया से कहा था कि वह पूरी तरह फिट हैं और टीम के लिए खेलने को तैयार हैं, इस बयान ने टीम मैनेजमेंट और उनके बीच संचार की कमी की ओर इशारा किया।

सम्राट 10 मीटर एयर पिस्टल में विश्व चैंपियन

मनु-ईशा पदक से चूकीं, पांचवें स्थान पर भारत

काहिरा, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के बागपत के रहने वाले भारत के वरुण तोमर ने 221.7 अंक हासिल कर कांस्य पदक जीता। इस बेहद रोमांचक फाइनल में तीनों निशानेबाजों का स्थान लगातार ऊपर-नीचे होता रहा। युवा भारतीय निशानेबाज सम्राट राणा ने सोमवार को आईएसएसएफ विश्व चैंपियनशिप में पुरुषों की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक जीता। करनाल के सम्राट ने फाइनल में 243.7 अंक हासिल कर चीन के हू काई को पछाड़ा। काई ने 243.3 अंक हासिल कर रजत पदक जीता। उत्तर प्रदेश के बागपत के रहने वाले भारत के वरुण तोमर ने 221.7 अंक हासिल कर कांस्य पदक जीता। इस बेहद रोमांचक फाइनल में तीनों निशानेबाजों का स्थान लगातार ऊपर-नीचे होता रहा।

मनु और ईशा पदक से चूकीं

दो बार की ओलंपिक पदक विजेता निशानेबाज मनु भाकर और कई एशियाई खेलों की पदक विजेता ईशा सिंह सोमवार को आईएसएसएफ विश्व चैंपियनशिप में महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल फाइनल में पदक जीतने से चूक गयी। पेरिस ओलंपिक में 10 मीटर एयर पिस्टल व्यक्तिगत और मिश्रित टीम कांस्य पदक विजेता मनु का फाइनल में प्रदर्शन अच्छा चल रहा था लेकिन 14वें निशाने में 8.8 का खराब स्कोर करने के कारण वह शीर्ष स्थान से फिसलकर सातवें स्थान पर आ गई और 139.5 अंक के साथ पदक की दौड़ से बाहर हो गयी।

हाल ही में चीन के निंगबो में विश्व कप स्वर्ण पदक जीतने वाली ईशा भी दबाव में धैर्य नहीं दिखा सकी। 20 वर्षीय यह निशानेबाज आठ निशानेबाजों के फाइनल में 10.7 के शानदार प्रदर्शन के बाद 14वें निशाने में 8.4 अंक ही बना पाई और छठे स्थान पर रहीं। चीन की 20 वर्षीय याओ कियानक्सुन ने 243.0 अंक हासिल करके अपने करियर का सबसे बड़ा पदक जीता, जबकि हांगकांग-चीन की हो चिंग शिंग (241.2) और वेई कियान (चीन, 221.4) ने क्रमशः रजत और कांस्य पदक जीते। भारत को टीम स्पर्धा में रजत पदक जीतकर थोड़ी सांत्वना मिली जिसमें ईशा (583), मनु (580) और विश्व की नंबर एक खिलाड़ी सुरुचि इंदर सिंह (577) ने 1740 अंक हासिल करके दूसरा स्थान हासिल किया।

ईशा और मनु दोनों ही क्वालिफिकेशन में अपने दमदार प्रदर्शन के दम पर फाइनल में पहुंचीं। ईशा ने क्वालिफिकेशन चरण में 583 अंकों के साथ चौथा स्थान हासिल किया। उन्होंने इस दौरान तीसरी सीरीज में परफेक्ट-100 भी हासिल किया।

मनु ने क्वालिफिकेशन में 580 अंक हासिल किए और छठे स्थान के साथ आठ निशानेबाजों के फाइनल में जगह बनाई। उन्होंने फाइनल में 13वें निशाने पर शानदार 10.7 अंक के साथ बढ़त बनाई, लेकिन अगले निशाने (8.8 अंक) के कारण उन्हें बाहर होना पड़ा। इस साल चार विश्व कप स्वर्ण पदक जीतकर रैंकिंग में शीर्ष स्थान पर पहुंची 19 साल की सुरुचि ने संतोषजनक 577 अंक हासिल किए। वह 99 निशानेबाजों के बीच 14वें स्थान पर रही।भारत एक स्वर्ण, तीन रजत और दो कांस्य पदकों के साथ पदक तालिका में पांचवें स्थान पर है। चीन छह स्वर्ण, तीन रजत और दो कांस्य पदकों के साथ शीर्ष पर है।

पाकिस्तान में क्रिकेटर नहीं हैं सुरक्षित

श्रीलंका सीरीज से पहले हुई फायरिंग, पाक गेंदबाज का घर गोलियों से भूना गया

नई दिल्ली, एजेंसी। पाकिस्तान में अभी भी भारतीय क्रिकेट टीम जाकर नहीं खेलती है। वहीं दुनिया के कई देश आज भी यहां जाकर क्रिकेट खेलने में कतराते हैं। 2009 में श्रीलंकाई क्रिकेट टीम की बस पर हुई गोलीबारी की घटना के बाद हर टीम के अंदर पाकिस्तान जाकर खेलने से डर रहता है। फिर भी पिछले एक दो साल में पाकिस्तान में जाकर कुछ देशों ने क्रिकेट खेला है। वहीं श्रीलंका की टीम वनडे सीरीज के लिए अभी पाकिस्तान के दौरे पर है। सीरीज की शुरुआत से कुछ घंटों पहले ही पाकिस्तान के एक बड़े खिलाड़ी का घर गोलियों से भून दिया गया। आपको बता दें कि श्रीलंका और पाकिस्तान के बीच पहला वनडे मैच रावलपिंडी में 11 नवंबर को खेला जाना है।

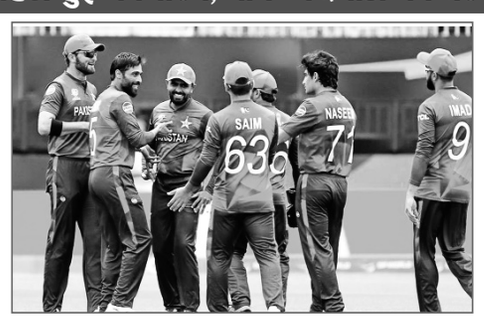

जबकि सोमवार 10 नवंबर को पाकिस्तानी गेंदबाज नसीम शाह के घर के बाहर गोलीबारी का मामला सामने आया है। हालांकि, नसीम इस वक्त टीम के साथ हैं मगर जब यह फायरिंग उनके घर पर हुई तो पूरा परिवार अंदर ही मौजूद था।

एशियाई तीरंदाजी चैंपियनशिप - भारत का शानदार प्रदर्शन, रिकर्व पुरुष और कंपाउंड महिला टीमें फाइनल में

ढाका, एजेंसी। एशियाई तीरंदाजी चैंपियनशिप में सोमवार को भारत का प्रदर्शन शानदार रहा। भारतीय पुरुष रिकर्व और महिला कंपाउंड तीरंदाजी टीमों ने फाइनल में जगह बना ली है। अतनु दास, यशदीप संजय भोगे और राहुल की दूसरी वरीयता प्राप्त पुरुष रिकर्व टीम ने कजाकिस्तान को 5-3 से हराकर फाइनल में जगह बनाई है। अब फाइनल में भारत के सामने साउथ कोरिया होगा, जो सेमीफाइनल में उज्बेकिस्तान को 6-2 से शिकस्त देकर यहां तक पहुंचा है। भारत की पुरुष तिकड़ी ने तुर्कमेनिस्तान पर 6-2 की शानदार जीत के साथ अपने अभियान की शुरुआत की थी, जिसके बाद क्वार्टर फाइनल में मलेशिया को 6-0 से शिकस्त दी। 25 वर्षीय संजय भोगे ने क्वालीफिकेशन राउंड में अपने करियर का सर्वश्रेष्ठ क्वालीफिकेशन स्कोर 687 अंक हासिल किया। इस दौरान नौ ङ्क10 शामिल थे। उन्होंने इससे पहले एकमात्र अंतरराष्ट्रीय पदक बैंकॉक में 2019 एशिया कप में मिश्रित टीम स्पर्धा में जीता था।

न्यूज डायरी

विचारोत्तेजक विषय 'जेंडर रियलिटीज़' पर कार्यशाला का आयोजन

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। मेहर चंद महाजन डीएवी महिला महाविद्यालय चंडीगढ़ के फॉरेन स्टूडेंट्स सेल ने गवर्नमेंट कॉलेज, चंबा के सहयोग से तथा आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (आईक्यूएसी) के तत्वावधान में 'चेजिंग जेंडर रियलिटीज़ : ए रिफ़्लेक्शन ऑन एवरीडे लाइफ' विषय पर एक कार्यशाला का आयोजन किया। इस कार्यशाला में सेंटर फॉर डिस्टेंस एंड ऑनलाइन एजुकेशन, पंजाब यूनिवर्सिटी, चंडीगढ़ से डॉ. रीना चौधरी बतौर मुख्य वक्ता शामिल हुईं। उन्होंने रोजमर्रा के जीवन में जेंडर (लैंगिक) अवधारणाओं के बदलते स्वरूप पर एक रोचक और विचारोत्तेजक सत्र का संचालन किया।

डॉ. चौधरी ने जेंडर आधारित व्यवसायों, वेतन असमानताओं और नेतृत्व, राजनीति तथा एसटीईएम (विज्ञान, तकनीक, इंजीनियरिंग और गणित) क्षेत्रों में महिलाओं की सीमित प्रतिनिधित्व जैसी स्थायी असमानताओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने यह भी कहा कि विभिन्न क्षेत्रों में महिलाओं द्वारा उल्लेखनीय प्रगति की गई है। कार्यशाला के दौरान उन्होंने कार्यस्थल पर असंतुलन, शिक्षा तक असमान पहुँच, स्वच्छता संबंधी चुनौतियाँ तथा डिजिटल खाई जैसे मुद्दों पर भी चर्चा की और बताया कि किस प्रकार सूक्ष्म लैंगिक भेदभाव आज भी हमारे दैनिक जीवन को प्रभावित करता है।

डॉ. चौधरी ने मलाला यूसुफजई, किरण बेदी, कमला हैरिस, इंदिरा गांधी, अवनी चतुर्वेदी और सानिया मिर्ज़ा जैसी प्रेरणादायी महिला नेताओं के उदाहरण देकर यह सिद्ध किया कि कैसे इन महिलाओं ने सामाजिक भूमिकाओं को नए अर्थ दिए हैं और परिवर्तन की दिशा में ठोस कदम बढ़ाए हैं। उन्होंने छात्राओं को भी परिवर्तन की वाहक बनने के लिए प्रेरित किया। कार्यशाला का समापन एक संवादात्मक सत्र के साथ हुआ जिसमें छात्राओं ने अपने अनुभव और विचार साझा किए।

कार्यवाहक प्राचार्या श्रीमती नीना शर्मा ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार की कार्यशालाएँ विद्यार्थियों में संवेदनशीलता और समझ विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। उन्होंने यह भी कहा कि जेंडर समानता केवल एक सामाजिक मुद्दा नहीं, बल्कि एक मानवीय मूल्य है, और ऐसे संवाद विद्यार्थियों को पूर्वाग्रहों पर प्रश्न उठाने तथा एक समानतापूर्ण समाज के निर्माण में योगदान देने के लिए प्रोत्साहित करते हैं।

"आपकी पूंजी – आपका अधिकार"

अमृतसर, जालंधर, होशियारपुर, लुधियाना, पटियाला एवं मोहाली में अनक्लेम्ड एसेट्स के त्वरित निपटान हेतु 14 नवंबर को जन जागरण शिविर

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति, पंजाब के नेतृत्व में पंजाब के अमृतसर, जालंधर, होशियारपुर, लुधियाना , पटियाला एवं मोहाली जिलों में विशाल जन जागरण शिविर का आयोजन किया जाएगा। पंजाब नेशनल बैंक के उप महाप्रबंधक रामकिशोर मीना ने बताया कि अग्रणी जिला प्रबंधक सभी वित्तीय संस्थाओं से संपर्क कर भारत सरकार एवं भारतीय रिज़र्व बैंक के दिशा-निर्देशों के अनुसार इन जिलों में यह शिविर आयोजित करेंगे।

शिविर में बैंक, बीमा, पेंशन एवं म्यूचुअल फंड विभागों के वरिष्ठ अधिकारी भाग लेंगे। श्री मीना ने बताया कि यदि बैंक में जमा राशि 10 वर्ष तक बिना दावा रहित रहती है, तो यह राशि भारतीय रिज़र्व बैंक के पास चली जाती है। इस प्रकार की पुरानी दावा रहित जमा राशि, म्यूचुअल फंड और बीमा राशि को कैसे प्राप्त किया जा सकता है, इसकी विस्तृत जानकारी शिविर में उपलब्ध कराई जाएगी।

इस तरह के जागरूकता शिविर पूरे राज्य में आयोजित किए जा रहे हैं, ताकि पुरानी दावा रहित जमा राशि उसके असली मालिक, नामित व्यक्ति या कानूनी उत्तराधिकारी को वापस की जा सके।

वित्त मंत्रालय द्वारा जारी "आपकी पूंजी – आपका अधिकार" जन जागरण अभियान 1 अक्टूबर 2025 से 31 दिसंबर 2025 तक चलाया जा रहा है। आगामी दिनों में प्रत्येक जिले में इस प्रकार के जागरूकता शिविर आयोजित किए जाएंगे।

अधिक जानकारी के लिए आप भारतीय रिज़र्व बैंक के उदगम पोर्टल (Udgam Portal) या अपनी नजदीकी बैंक शाखा से संपर्क कर सकते हैं।

बीमा लोकपाल ने कंपनियों से पॉलिसी में पारदर्शिता और जन जागरूकता सुनिश्चित करने का किया आह्वान

कंपनियाँ पॉलिसीधारकों को गुमराह करने वाले दलालों से लोगों को सचेत करना चाहिए

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। बीमा लोकपाल, क्षेत्रीय कार्यालय, चंडीगढ़, श्रीमती अलका झा ने बीमा कंपनियों से आग्रह किया कि सभी अधिकारी यह सुनिश्चित करें कि लोगों को उनकी सभी बीमा पॉलिसियों जीवन बीमा, सामान्य बीमा, संपत्ति बीमा या स्वास्थ्य बीमा जैसी पॉलिसी की शर्तों व नियमों की पूरी जानकारी हो। उन्होंने इस बात पर भी ज़ोर दिया कि बीमा कंपनियों की क्लेम टीम को बेहतर रूप से प्रशिक्षित किया जाना चाहिए ताकि पॉलिसीधारक और कंपनी के बीच किसी भी प्रकार की जानकारी का अभाव न रहे।

श्रीमती झा आज चंडीगढ़ में आयोजित "बीमा लोकपाल दिवस" के अवसर पर विभिन्न बीमा कंपनियों के प्रतिनिधियों को संबोधित कर रही थीं। इस अवसर पर हरियाणा की पूर्व राज्य सूचना आयुक्त श्रीमती ज्योति अरोड़ा भी उपस्थित रहीं।

श्रीमती झा ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने वर्ष 2047 तक प्रत्येक भारतीय को बीमा कवरेज देने का लक्ष्य निर्धारित किया है। उन्होंने कहा कि यह लक्ष्य चुनौतीपूर्ण जरूर है, लेकिन इसे साकार करने के लिए बीमा कंपनियों को अभी से अपने प्रयासों को तेज करना होगा। उन्होंने कंपनियों से आह्वान किया कि वे जन-जागरूकता अभियान चलाएं, ताकि लोगों को शिकायत या समस्या की स्थिति में सही स्थान पर संपर्क करने की जानकारी मिल सके।

उन्होंने बताया कि बीमा से संबंधित विवादों का एक प्रमुख कारण यह है कि अनेक पॉलिसीधारक अपनी पॉलिसी की शर्तों और नियमों से पूरी तरह अवगत नहीं होते, जिसके कारण शिकायत निवारण के दौरान कठिनाइयाँ उत्पन्न होती हैं। उन्होंने कहा कि बीमा लोकपाल के पास लगातार ऐसी शिकायतें आती हैं, जहाँ कंपनियों द्वारा उपभोक्ताओं को पॉलिसी की धाराओं की स्पष्ट जानकारी नहीं दी गई होती।

श्रीमती झा ने चेतावनी देते हुए कहा कि बीमा पॉलिसी केवल कंपनी और पॉलिसीधारक के बीच का अनुबंध नहीं, बल्कि विश्वास और आस्था का बंधन है। उन्होंने कहा कि बीमा कंपनियाँ यह सुनिश्चित करें कि उनके कार्यालयों के बाहर कोई भी दलाल या बिचौलिया पॉलिसीधारकों को दावे (क्लेम) के संबंध में गुमराह न करे। उन्होंने कहा कि कंपनियों के वरिष्ठ अधिकारियों को इस संबंध में एजेंटों और दलालों की गतिविधियों पर कड़ी निगरानी रखनी चाहिए। श्रीमती झा ने बताया कि वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान देशभर में बीमा लोकपाल के 18 कार्यालयों में कुल 59,947 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से 48,564 शिकायतों का निपटान किया जा चुका है। उन्होंने बताया कि चंडीगढ़ केंद्र में इस अवधि के दौरान कुल 4,543 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से 3,008 का निपटान किया गया।

हरियाणा के राज्यपाल प्रोफेसर असीम कुमार घोष ने जिलास्तरीय गली क्रिकेट टूर्नामेंट के पुरस्कार वितरण समारोह में मुख्यअतिथि के रूप में करी शिरकत

- राज्यपाल ने विजेता टीम को अटल ट्रॉफी व 1 लाख रूपये की नकद राशि ईनाम स्वरूप भेंट की
- उपविजेता टीम को अश्विनी गुप्ता ट्रॉफी व 51,000 रुपये की राशि से किया सम्मानित

हिन्द जनपथ

पंचकूला (ब्यूरो)। हरियाणा के राज्यपाल प्रोफेसर असीम कुमार घोष ने आज सैक्टर-3 स्थित ताऊ देवीलाल स्टेडियम में प्रथम भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय श्री अटल बिहारी वाजपेयी जिलास्तरीय गली क्रिकेट टूर्नामेंट के समापन अवसर पर पुरस्कार वितरण समारोह में मुख्यअतिथि के रूप में सैक्टर-1 की विजेता टीम को अटल ट्रॉफी व 1 लाख रूपये की नकद राशि ईनाम स्वरूप देकर सम्मानित किया।

इस अवसर पर राज्यपाल की धर्मपत्नी श्रीमती मित्रा घोष भी मौजूद रही।

इस मौके पर हरियाणा के राज्यपाल ने स्पोर्टस प्रमोशन सोसायटी पंचकूला को 1 लाख रूपये देने की घोषणा की।

हरियाणा के राज्यपाल प्रोफेसर असीम कुमार घोष ने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि जिलास्तरीय क्रिकेट प्रतियोगिता का थीम ''छक्का लगाओ नशा भगाओ'' बडा ही प्रेरणादायक है। इससे युवाओं को नशे से दूर रहने की प्रेरणा मिलती है और लग्न और मेहनत से खेल खेलकर मैडल जीत कर प्रदेश का नाम रोशन करने की प्रेरणा मिलती है। उन्होने कहा कि हरियाणा के खिलाडियों ने खेलों में विश्वस्तर पर मैडल जीतकर देश व प्रदेश का नाम रोशन किया है। उन्होने कहा कि भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय श्री अटल बिहारी बाजपेयी के नाम से पूरे प्रदेश में खेल करवाए जाने चाहिए ताकि गली व गांव की छुपी हुई प्रतिभा को निखरने का प्लेटफार्म मिले। उन्होने स्पोर्टस प्रमोशन सोसायटी पंचकूला की प्रशंसा करते हुए कहा कि इस तरह के टूर्नामेंट करवाकर यह सोसायटी जिले के ग्रामीण परिवेश के खिलाडियों को तराशने का काम कर रही है।

प्रोफेसर घोष ने इससे पूर्व सभी खिलाडियों से हाथ मिलाकर परिचय किया और स्वयं क्रिकेट खेलकर खिलाडियों की हौसलाअफजाई की। राज्यपाल ने उपविजेता टीम को अश्विनी गुप्ता ट्रॉफी व 51,000 रुपये की राशि ईनाम स्वरूप प्रदान की। प्रोफेसर घोष ने इस अवसर पर जिलास्तरीय क्रिकेट प्रतियोगिता में सहयोग के लिए जिला शिक्षा अधिकारी पंचकूला, सतलुज पब्लिक स्कूल के प्रिंसिपल , गेस्ट आफ आनर रोहित सिंगला व युवराज कौशिक को भी मौमेंटो देकर सम्मानित किया।

प्रोफ़ेसर घोष ने सतलुज, राजकीय माडल संस्कृति स्कूल के बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति की सराहना की। उन्होने कहा कि मुझे दोबारा इस तरह के टूर्नामेंट में आने का मौका मिला तो मैं युवा खिलाडियों के बीच आकर अपने आपको भाग्यशाली समझूंगा।

इस अवसर पर पूर्व विधानसभा अध्यक्ष एवं स्पोर्ट्स प्रमोशन सोसाइटी के चेयरमैन श्री ज्ञानचंद गुप्ता ने बताया कि टूर्नामेंट में स्कूल, कॉलेज, लेबर कॉलोनी और उद्योग जगत से कुल 116 टीमें ने भाग लिया , जिन्हें आठ जोन में विभाजित किया गया था । प्रत्येक जोन का नाम स्वतंत्रता संग्राम के महान क्रांतिकारियों और स्वतंत्रता सेनानियों के नाम पर रखा गया । इस टूर्नामेंट का उद्देश्य युवाओं को खेलों की ओर प्रेरित कर उन्हें नशे जैसी सामाजिक बुराइयों से दूर रखना है। इस टूर्नामेंट में लगभग 1400 खिलाडियों ने अपने बेहतरीन खेल का प्रर्दशन किया। उन्होने खिलाडियों को बधाई व शुभकामनांए दी।

श्री गुरु तेग बहादुर जी ने मानवता व धर्म की रक्षा के लिए अपने शीश को किया कुर्बान : डॉ कृष्णलाल मिड्ढा

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा विधान सभा उपाध्यक्ष डॉ. कृष्ण लाल मिड्ढा ने कहा कि श्री गुरु तेग बहादुर जी वह महापुरुष थे जिन्होंने अपने शीश की कुर्बानी देकर मानवता व धर्म की स्वतंत्रता की रक्षा की थी।

यह उस समय की बात है जब जुल्म, अत्याचार और भय हर ओर फैल चुका था। लोग अपने धर्म की आजादी के लिए तरस रहे थे।

डॉ. कृष्ण लाल मिड्ढा आज जींद में श्री गुरु तेग बहादुर जी की 350वीं शहीदी वर्षगांठ के उपलक्ष्य में आयोजित हिंद की चादर लाइट एंड साउंड शो के भव्य आयोजन के मौके पर बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे।

उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम श्री गुरु तेग बहादुर जी के जीवन आदर्शों, त्याग, बलिदान और अमर विरासत को समर्पित है। गुरु जी ने धर्म, मानवता और राष्ट्र की रक्षा के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया। उनका बलिदान राष्ट्र की अस्मिता और एकता का प्रतीक है। इस अवसर पर प्रस्तुत की गई रंगारंग सांस्कृतिक झलकियों के माध्यम से श्री गुरु तेग बहादुर जी के त्याग, शौर्य और मानवीय मूल्यों का संदेश जन-जन तक पहुंचाया गया। लाइट एण्ड साउंड के माध्यम से उनके जीवन वृतांत को इस तरह संजोया गया मानो सभी दृश्य प्रत्यक्ष रूप से सजीव हो उठे हों।

आईएमटेक में सीएसआईआर-आमंत्रण इनडोर स्पोर्ट्स टूर्नामेंट 2025 का शुभारंभ

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। सूक्ष्मजीव प्रौद्योगिकी संस्थान (आईएमटेक), चंडीगढ़ के स्टाफ क्लब द्वारा सीएसआईआर स्पोर्ट्स प्रमोशन बोर्ड (एसपीबी) के तत्वावधान में आयोजित सीएसआईआर-आमंत्रण इनडोर स्पोर्ट्स टूर्नामेंट 2025 का शुभारंभ किया गया। यह टूर्नामेंट 11 से 14 नवंबर 2025 तक आयोजित हो रहा है, जिसमें देशभर के विभिन्न सीएसआईआर प्रयोगशालाओं, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालयों, सार्वजनिक उपक्रमों और ट्राइसिटी के संस्थानों की टीमें भी सहभागिता कर रही हैं। इसका उद्देश्य फिटनेस, टीमवर्क और सौहार्द की भावना को बढ़ावा देना है।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि चंडीगढ़ प्रशासन की खेल विभाग सचिव, सुश्री प्रेरणा पुरी, आईएएस रहीं। उनके साथ विशिष्ट अतिथि पद्मश्री परगट सिंह, भारतीय पुरुष हॉकी टीम के पूर्व कप्तान व दो बार के ओलंपिक कप्तान ने मंच की शोभा बढ़ाई। कार्यक्रम में डॉ. संजीव खोसला, निदेशक, सीएसआईआर–आईएमटेक, प्रो. शांतनु भट्टाचार्य, निदेशक, सीएसआईआर–सीएसआईओ तथा डॉ. अनुराधा माधुकर, सचिव, सीएसआईआर स्पोर्ट्स प्रमोशन बोर्ड के सदस्य भी उपस्थित रहे।

अपने संबोधन में मुख्य अतिथि सुश्री प्रेरणा पुरी ने कहा कि खेल चरित्र निर्माण के साथ-साथ एक स्वस्थ राष्ट्र के निर्माण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने अधिक से अधिक लोगों को नियमित रूप से खेल एवं शारीरिक गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया।

विशिष्ट अतिथि पद्मश्री परगट सिंह ने खेलों को अनुशासन, दृढ़ता और आपसी सम्मान का आधार बताते हुए कहा कि ऐसे आयोजनों से कर्मचारियों को व्यस्त व्यावसायिक जीवन के साथ खेल और फिटनेस गतिविधियों का संतुलन बनाने में मदद मिलती है। उन्होंने बच्चों और विद्यार्थियों को शारीरिक रूप से सक्रिय रहने तथा आउटडोर गतिविधियों में समय देने की प्रेरणा दी।

डॉ. संजीव खोसला ने अपने उद्घाटन संबोधन में आयोजन समिति को बधाई देते हुए कहा कि यह इनडोर खेल प्रतियोगिता डॉ. हुसैन ज़हीर, डॉ. एम.जी.के. मेनन, डॉ. ए.पी. मित्रा और डॉ. जी.एस. सिद्धू जैसे भारत के प्रख्यात वैज्ञानिकों की स्मृति को समर्पित है। टूर्नामेंट में बैडमिंटन, टेबल टेनिस, चेस और ब्रिज जैसे लोकप्रिय इनडोर खेल शामिल हैं, जिनमें 20 टीमों के 120 से अधिक खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। यह प्रतियोगिता वैज्ञानिकों और कर्मचारियों को प्रयोगशाला से परे एकजुटता और खेलकूद की भावना विकसित करने का मंच प्रदान करती है।

टूर्नामेंट के संयोजक और प्रधान वैज्ञानिक डॉ. वी. वेंकट रमण ने सभी सीएसआईआर संस्थानों, स्पोर्ट्स प्रमोशन बोर्ड, प्रायोजकों और आईएमटेक स्टाफ क्लब के सहयोग के प्रति आभार व्यक्त किया। आने वाले तीन दिनों तक रोमांचक मुकाबले और यादगार खेल क्षण देखने को मिलेंगे।

पंचकूला में सेक्टर-8, 9 और 10 से पेड पार्किंग समाप्त

महापौर कुलभूषण गोयल के फैसले से दुकानदारों और लोगों में खुशी की लहर

हिन्द जनपथ

पंचकूला (ब्यूरो)। पंचकूला नगर निगम ने मंगलवार को एक बड़ा और जनहितकारी फैसला लेते हुए सेक्टर-8, 9 और 10 की पेड पार्किंग व्यवस्था को समाप्त कर दिया। नगर निगम ने यह कदम पार्किंग ठेकेदार का कॉन्ट्रैक्ट समाप्त होने के बाद उठाया। अब इन तीनों सेक्टरों में वाहन पार्क करने के लिए लोगों को कोई शुल्क नहीं देना होगा। इस निर्णय के बाद से शहरवासियों, खासकर दुकानदारों में खुशी की लहर दौड़ गई। लंबे समय से दुकानदार पेड पार्किंग व्यवस्था को समाप्त करने की मांग कर रहे थे। लोगों का कहना है कि पार्किंग फीस एक अतिरिक्त बोझ बन चुकी थी, जिससे ग्राहकों की आवाजाही पर असर पड़ता था और व्यापार में गिरावट आ रही थी।

नगर निगम महापौर कुलभूषण गोयल ने मंगलवार को अधिकारियों और पार्षदों के साथ इन सेक्टरों का दौरा किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने देखा कि अब पार्किंग स्थलों पर न तो कोई कर्मचारी मौजूद है और न ही कोई बैरिकेडिंग। वाहन चालक बिना किसी परेशानी के अपनी गाड़ियां पार्क कर रहे थे। इस दौरान जब लोगों को पता चला कि महापौर मौके पर पहुंचे हैं तो वे बड़ी संख्या में वहां एकत्रित हो गए और महापौर गोयल का आभार व्यक्त किया।

दुकानदारों ने कहा कि यह निर्णय उनके लिए बड़ी राहत लेकर आया है। पहले 10 से 20 तक की पार्किंग फीस देने से ग्राहक पर अतिरिक्त बोझ पड़ता था। कई ग्राहक पार्किंग शुल्क बचाने के लिए सड़क किनारे या गलत जगह गाड़ी खड़ी कर देते थे, जिससे ट्रैफिक जाम की स्थिति बन जाती थी और कई बार पुलिस द्वारा चालान भी काटे जाते थे। अब पेड पार्किंग हटने से इन सभी समस्याओं का समाधान हो जाएगा। वार्ड पार्षद सोनिया सूद ने कहा कि महापौर कुलभूषण गोयल के नेतृत्व में शहर में जनहित से जुड़े कई सराहनीय कार्य हो रहे हैं, जिनमें यह निर्णय सबसे महत्वपूर्ण है। उन्होंने बताया कि उनके वार्ड के अंतर्गत आने वाले सेक्टर-8, 9 और 10 के लोग लंबे समय से इस समस्या का सामना कर रहे थे और अब उन्हें बड़ी राहत मिली है। भाजपा जिला अध्यक्ष अजय मित्तल ने भी महापौर के इस निर्णय की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि भाजपा के नेतृत्व में नगर निगम प्रशासन आम लोगों की सुविधा के लिए उल्लेखनीय और जनहितकारी फैसले ले रहा है। यह कदम दर्शाता है कि भाजपा सरकार और निगम प्रशासन जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतर रहा है।

सेक्टर-42 सी में सड़क निर्माण कार्य का शुभारंभ, क्षेत्रवासियों में खुशी की लहर -सीनियर डिप्टी मेयर

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। चंडीगढ़ नगर निगम के वरिष्ठ उपमहापौर जसबीर सिंह बंटी (वार्ड पार्षद नं. 24) ने आज सेक्टर-42 सी स्थित चेतूआना मंदिर के पास सड़क निर्माण कार्य का शुभारंभ किया। यह कार्य लंबे समय से लंबित था, जिसकी शुरुआत होते ही क्षेत्रवासियों में खुशी की लहर दौड़ गई।

इस परियोजना के तहत सेक्टर 42 सी की वी-6 सड़कों की रिकॉर्पेटिंग की जाएगी। इसमें पुलिस कॉलोनी, बैंक कॉलोनी, हाउसिंग बोर्ड समिति, जज मकान और ऑडिट मकान शामिल हैं। लगभग 6.5 किलोमीटर क्षेत्र में यह कार्य किया जाएगा।

शुभारंभ के अवसर पर चेतूआना मंदिर की माता उमागिरी जी ने अरदास और गणेश वंदना के साथ निर्माण कार्य की शुरुआत करवाई। पुलिस कॉलोनी निवासी कल्पना ने बताया कि, "कॉलोनी की सड़क लंबे समय से टूटी हुई थी। आज पार्षद जी ने काम शुरू करवाकर सभी निवासियों के लिए बड़ी राहत दी है।"

इस मौके पर एक्सईएन अंकुर बंसल, एसडीओ बलराज चिकारा, जेई सुरेश कुमार, आरडब्ल्यूए प्रधान राजकुमार शर्मा, विनोद कौशल, देविंदर शर्मा, मार्केट प्रधान राजीव कुमार, अजय कुमार, मुकेश कुमार समेत कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

कैप्टन रोहित कौशल की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई

- जनरल वीपी मलिक ने कहा, 'जो राष्ट्र अपने शहीदों को याद रखता है, वह निरंतर विकास करता है और निर्बाध रूप से आगे बढ़ता है

हिन्द जनपथ

पंचकूला (ब्यूरो)। कैप्टन रोहित कौशाल, एसएम (गैलेंट्री) की 30वीं पुण्यतिथि आज उनके स्मारक, जालौली पंचकूला में मनाई गई।

कैप्टन रोहित, 18 पंजाब रेजिमेंट के जवान, ने 11 नवंबर, 1995 को जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले में आतंकवादियों के साथ मुठभेड़ में अपने प्राणों की आहुति दी थी।

इस अवसर पर 16 सिख रेजिमेंट द्वारा गार्ड ऑफ ऑनर प्रस्तुत किया गया। पुष्पांजलि अर्पित करने वालों में जनरल वीपी मलिक (पूर्व सेनाध्यक्ष), अशोक नेगी (आईटीबीपी के आईजी), चंद्रकांत कटारिया (एसडीएम), गौरव चौहान (नगर निगम के संयुक्त आयुक्त), सलीम खान (पार्षद), विंग कमांडर संजय राय (जिला सैनिक बोर्ड), लाइजन ऑफिसर लेफ्टिनेंट हेमंत मलिक (18 पंजाब की ओर से), पुष्पा देवी, शहीद कैप्टन रोहित कौशाल सीनियर सेकेंडरी स्कूल की प्रिंसिपल, और जिला रेड क्रॉस शामिल थे। कैप्टन रोहित के माता-पिता एसएस कौशाल और वीणा शर्मा ने भी श्रद्धांजलि दी।स्कूल के छात्रों और स्टाफ ने शहीद पर एक मेमॉयर प्रस्तुत किया।

जनरल वीपी मलिक ने अपने संबोधन में कहा, 'जो राष्ट्र अपने शहीदों को याद रखता है, वह निरंतर विकास करता है और निर्बाध रूप से आगे बढ़ता है।' उन्होंने शहीद परिवारों के प्रति संवेदनशील रहने का आग्रह किया।

आईटीबीपी के आईजी अशोक नेगी ने कहा कि ऐसे स्मारक युवाओं में देशभक्ति की भावना को बढ़ावा देते हैं।

विनोद वशिष्ठ शहीद कैप्टन रोहित कौशाल ट्रस्ट के संरक्षक ने कहा कि पिछले तीस वर्षों से रक्षा सेवाओं, अर्धसैनिक बलों, राज्य प्रशासन, नगर निगम पंचकूला और एनजीओ के सहयोग से यह समारोह निरंतर जारी है।

रोहित कौशाल का जन्म 5 अगस्त, 1968 को अंबाला कैंट में हुआ था। वे वीणा शर्मा और एसएस कौशाल के इकलौते पुत्र थे। कैप्टन रोहित ने अपनी टुकड़ी का नेतृत्व करते हुए आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में अपनी जान दी। उनकी शादी 27 नवंबर, 1995 को होनी थी, लेकिन नियति ने कुछ और ही तय कर रखा था। 10-11 नवंबर, 1995 की रात को कैप्टन रोहित ने डोडा के गैंडोह क्षेत्र में आतंकवादियों के ठिकाने पर हमला किया। मुठभेड़ में उनके सीने और गर्दन में गोलियां लगीं, लेकिन उन्होंने दो आतंकवादियों को मार गिराया और वीरगति को प्राप्त हुए।

भारत सरकार ने उन्हें मरणोपरांत सेना मेडल से सम्मानित किया। हरियाणा सरकार और उनके परिवार ने मिलकर एक स्मारक का निर्माण किया, जिसका अनावरण 1997 में पूर्व राज्यपाल महाबीर प्रसाद ने किया। पंचकूला के सेक्टर-12 में एक रोड और सरकारी सीनियर सेकेंडरी स्कूल का नाम भी उनके नाम पर रखा गया है। राज्य सरकार ने जौल्ली स्थित सरकारी वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय का नाम शहीद कैप्टन रोहित कौशल सीनियर सेकेंडरी स्कूल रखा है। सेक्टर 12 पंचकूला में जिला सैनिक भवन की ओर जाने वाली सड़क का नाम भी शहीद के नाम पर रखा गया है। रोहित कौशाल की याद में पंचकूला, चंडीगढ़ और अंबाला में कई स्मारक और गौरव गाथाएं स्थापित हैं। कैप्टन रोहित की स्मृति पंचकूला शहीद स्मारक (सेक्टर 12), चंडीगढ़ शहीद स्मारक (सेक्टर 3), डीएवी कॉलेज शहीद गैलरी (सेक्टर 10) और टेरेस गार्डन (सेक्टर 33) में बने शहीद स्तंभों में भी अमर है।